छपते छपते

आपका सुप्रभात छपते छपते के साथ

है वसुधा का अरुण से ,
स्नेहिल बहुत लगाव ।
यही बताता भोर में ,
किरणों का फैलाव ।।

जयकुमार रुसवा

विश्व का पहला डिजिटल इंटरएक्टिव ई-पेपर

छपते छपते का Interactive E- Paper रोज़ाना पाने के लिए 9831669998 को मोबाइल में सेव कर उसी नम्बर पर Whatsapp करें 'NEWS'

छपते छपते

रु.3/- कोलकाता ■ शुक्रवार ■ 19 सितम्बर 2025 ■ आश्विन कृष्ण पक्ष 10 ■ संवत् 2082 ■ कुल पृष्ठ : 8 ■ वर्ष-54, अंक - 218

दुर्गापूजा से पहले कोलकाता नगर निगम का मिलावटी खाद्य रोकने के लिए विशेष अभियान 3

ट्रोल्स का सामना कर रहे गडकरी को शरद पवार का साथ 5

दिसंबर में 16 लाख लाभार्थियों को मिलेगी 'बांग्लार बाड़ी' योजना की पहली किश्त 8

रश्मिका मंदाना का पहला हीरो जिससे एक्ट्रेस ने कर ली थी सगाई 7

अमेरिका हटाएगा 25% टैरिफ

सरकार के बड़े अधिकारी का दावा, बोले- चल रही है बात

नई दिल्ली, 18 सितम्बर। भारत के चीफ इकोनॉमिक एडवाइजर वी अनंथा नागेश्वरन ने कहा है कि अमेरिका जल्द ही भारतीय सामान पर लगने वाला 25 फीसदी का अतिरिक्त पेनल टैरिफ हटा सकता है। इतना ही नहीं, अमेरिका की ओर से लगाई गई रेसिप्रोकल ड्यूटी भी मौजूदा 25 फीसदी से घटाकर 10 से 15 फीसदी के बीच लाई जा सकती है। कोलकाता में एक कायक्रम के दौरान नागेश्वरन ने कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि अगले कुछ महीनों में, शायद उससे भी पहले, अमेरिका इस पेनल टैरिफ को हटाने पर फैसला कर सकता है।

उन्होंने यह भी जोड़ा कि रेसिप्रोकल ड्यूटी कम होकर उसी स्तर पर आ सकती है, जिसकी उम्मीद पहले से की जा रही थी, यानी 10 से 15 फीसदी तक। अगर ऐसा होता है तो भारतीय निर्यातकों को बड़ी राहत मिलेगी और दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध और मजबूत होंगे। टैरिफ हटने से भारत के स्टील, एल्युमिनियम और अन्य इंडस्ट्रियल प्रोडक्ट्स को अमेरिका के बाजार में और आसानी से जगह मिलेगी। बयान उस समय आया है जब हाल ही में भारत के चीफ ट्रेड नेगोशिएटर और वाणिज्य मंत्रालय के स्पेशल सेक्रेटरी राजेश अग्रवाल ने अमेरिका के साउथ और सेंट्रल एशिया के ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव ब्रेंडन लिंच से नई दिल्ली में मुलाकात की। यह दोनों देशों के बीच पहली आमने-सामने की बातचीत थी, जब से ट्रंप प्रशासन ने पिछले महीने भारतीय एक्सपोर्ट्स पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने का ऐलान किया था।

ट्रंप सरकार के फैसले के बाद बने डबल-लेयर्ड टैरिफ रेजीम ने भारतीय एक्सपोर्टर्स की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। कुछ प्रोडक्ट्स पर ड्यूटी 50 फीसदी तक पहुंच गई है। इसका सबसे ज्यादा असर टेक्सटाइल्स, इंजीनियरिंग गुड्स और फूड प्रोडक्ट्स जैसे लेबर-इंटेंसिव सेक्टर्स पर पड़ा है। एक्सपोर्टर्स का कहना है कि इससे मार्जिन बुरी तरह दब गए हैं और प्रॉफिटेबिलिटी पर सीधा असर पड़ा है। अगर अमेरिका पेनल टैरिफ वापस लेता है और रेसिप्रोकल ड्यूटी घटती है तो भारतीय एक्सपोर्टर्स को बड़ी राहत मिलेगी। एनालिस्ट्स का मानना है कि इससे कॉस्ट प्रेशर कम होगा और दोनों देशों के बीच ट्रेड रिलेशन में दोबारा स्थिरता आएगी।

सुनियोजित तरीके से गड़बड़ी करने की कोशिश पर मुख्यमंत्री ने चेताया

■ संवाददाता

कोलकाता, 18 सितम्बर। उत्सव अब दरवाज़े पर है। देवी पक्ष शुरू होने से पहले ही मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को मंत्रीमंडल की अंतिम बैठक में दुर्गापूजा को शांति और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए कई सख्त निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री ने मंत्रियों, विधायकों और सत्तारूढ़ दल के प्रतिनिधियों को चेतावनी दी कि हर इलाके में विशेष निगरानी रखनी होगी और जनप्रतिनिधियों को अपने-अपने क्षेत्रों में मौजूद रहना होगा। उन्होंने कहा कि सुनियोजित तरीके से गड़बड़ी कर सरकार की छवि खराब करने की कोशिश हो सकती है, उस पर भी नज़र रखनी होगी।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिया कि आम लोगों, खासकर गरीब परिवारों के साथ खड़ा होना ज़रूरी है। ज़रूरत पड़ने पर जनप्रतिनिधि अपने निजी संसाधनों से भी मदद करें, क्योंकि उत्सव सबका है। उन्होंने यह भी कहा कि कोई भी नेता एक-दूसरे के खिलाफ़ या मीडिया के सामने गैर-जिम्मेदाराना बयानबाज़ी न करें, क्योंकि इससे सरकार और पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचता है। बैठक में आर्थिक क्षेत्र से जुड़े कई अहम फैसले भी लिए गए। पर्यटन की तरह अब लॉजिस्टिक्स व्यवसाय को भी उद्योग का दर्जा दिया गया है। सरकार का मानना है कि इससे इस क्षेत्र में निवेश बढ़ेगा और नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। न्यूटाउन कोलकाता डेवलपमेंट अथॉरिटी के 15 खाली पदों को भरने का प्रस्ताव पास किया गया। ताजपुर-डानकुनी-रघुनाथपुर आर्थिक कॉरिडोर के लिए 200 एकड़ जमीन राज्य औद्योगिक निगम को देने का निर्णय लिया गया। सरकार का दावा है कि इन परियोजनाओं के लागू होने से राज्य में व्यापक पैमाने पर रोजगार सृजन की संभावना बनेगी।

जानकारी छिपाकर किसे बचा रहा आयोग: खरगे

नई दिल्ली, 18 सितम्बर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को आरोप लगाया कि कर्नाटक के अलंद विधानसभा क्षेत्र में वोटर लिस्ट से नाम हटाने में शामिल लोगों

को पकड़ने के लिए जरूरी जानकारी छिपाकर निर्वाचन आयोग गलत कर रहा है। उन्होंने पूछा कि आयोग आखिर किसे बचा रहा है? एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि कर्नाटक सीआईडी इस मामले की जांच कर रही है। उन्होंने पूछा कि क्या देश में ऐसी लोकतंत्र की कल्पना की जा सकती है, जहां चुनाव प्रणाली को मतदाता सूची में गड़बड़ी करने वाले लोग खत्म कर रहे हों? कांग्रेस नेता राहुल गांधी के मुख्य चुनाव आयुक्त पर लगाए गए आरोपों के बाद खरगे ने यह पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि राहुल के पास ठोस सबूत हैं। कांग्रेस प्रमुख ने यह भी पूछा कि क्या भाजपा लोकतंत्र की रक्षा के लिए बने संस्थानों को खत्म कर रही है? कहा कि भारत के लोगों, खासकर युवाओं को ये सभी सवाल मजबूती से पूछने चाहिए।

प्रजेंटेशन में वोटर्स डिलीट कराने का दावा

जिनके नाम कटे, उन्हें राहुल ने स्टेज पर बुलाया

आयोग बोला- आरोप झूठे, नाम ऑनलाइन डिलीट नहीं होते

नई दिल्ली, 18 सितम्बर। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को वोट चोरी पर दूसरी बार प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इससे पहले उन्होंने 7 अगस्त को मीडिया से बात की थी।

राहुल ने 31 मिनट के प्रजेंटेशन में वोट चोरी के आरोप लगाए और सबूत दिखाने का दावा किया। उन्होंने कहा- चुनाव आयोग जानबूझकर कांग्रेस के वोटों को निशाना बना रहा है और उनके नाम डिलीट कर रहा है।

राहुल इस बार अपने साथ कर्नाटक के ऐसे वोटर्स को भी लेकर आए, जिनके नाम वोटर्स लिस्ट से डिलीट किए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार उन लोगों की रक्षा कर रहे हैं, जिन्होंने भारतीय लोकतंत्र को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने फिर कहा कि महाराष्ट्र, हरियाणा और यूपी में यही हो रहा है।

चुनाव आयोग ने राहुल के आरोपों को गलत और निराधार बताया। कहा कि कोई भी आम नागरिक ऑनलाइन किसी का भी वोट डिलीट नहीं कर सकता। किसी का वोट डिलीट करने से पहले संबंधित व्यक्ति को अपनी बात रखने का मौका दिया जाता है। राहुल ने कर्नाटक के आलंद विधानसभा क्षेत्र का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा 2023 के चुनाव में किसी ने 6,018 वोट डिलीट करने की कोशिश की। इसकी संख्या ज्यादा भी हो सकती है। हमें नहीं पता कि कुल कितने वोट डिलीट किए गए। इन्हें डिलीट करते समय गलती

से मामला पकड़ में आ गया।

उन्होंने कहा- हुआ यूं कि वहां की एक बूथ-लेवल अधिकारी ने देखा कि उसके चाचा का वोट डिलीट हो गया है। उसने जांच की तो पाया पड़ोसी ने वोट डिलीट किया था। बीएलओ ने उससे बात की। जब उसने अपने पड़ोसी से पूछा तो उसने कहा कि मैंने कोई वोट डिलीट नहीं किया। यानी न तो जिस व्यक्ति ने वोट डिलीट किया और न ही जिसका वोट डिलीट हुआ- दोनों को इस बारे में कुछ पता था। असल में किसी और ताकत ने सिस्टम को हाईजैक करके ये वोट डिलीट किए थे। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान 63 साल की गोदाबाई का वीडियो दिखाया गया। इसमें उन्होंने कहा- मेरा वोट डिलीट किया गया। मुझे इसकी कोई जानकारी नहीं है। गोदाबाई के नाम से फेक लॉगिन बनाया गया। 12 वोटर्स के नाम डिलीट किए गए। राहुल ने दावा किया कि आलंद में जिन वोटर्स के नाम डिलीट किए गए उनको हटाने के लिए दूसरे राज्यों में ऑपरेट हो रहे मोबाइल नंबर का इस्तेमाल किया गया। राहुल ने प्रजेंटेशन में उनके नंबर भी बताए। गोदावाई के 12 पड़ोसी के नाम भी हैं, जिन्हें इन मोबाइल नंबर्स से डिलीट किया गया। राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर वोट चोरों की मदद का आरोप लाया। उन्होंने कहा- ज्ञानेश कुमार जी वोट-चोरों की रक्षा कर रहे हैं। इसके साफ सबूत हैं। इसमें कोई कन्फ्यूजन नहीं है। राहुल ने कहा- मैं ज्ञानेश कुमार के खिलाफ इतने सीधे आरोप क्यों लगा रहा हूं। कर्नाटक में इस मामले की जांच जारी है। कर्नाटक सीआईडी ने 18 महीनों में चुनाव आयोग को 18 पत्र भेजे। कुछ बहुत ही सरल तथ्य मांगे हैं। पहला- हमें वह डेस्टिनेशन आईपी दीजिए, जिससे ये फॉर्म भरे गए। दूसरा- हमें उन डिवाइस डेस्टिनेशन पोर्ट्स दीजिए, जिनसे ये आवेदन दाखिल किए गए। तीसरा- सबसे महत्वपूर्ण, ओटीपी ट्रेल्स दीजिए।

देश के Gen-Z संविधान को बचाएंगे, वोट चोरी को रोकेंगे - राहुल गांधी

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि देश के युवा, देश के स्टूडेंट्स और देश के Gen-Z संविधान को बचाएंगे, लोकतंत्र की रक्षा करेंगे और वोट चोरी को रोकेंगे। मैं उनके साथ हमेशा खड़ा हूं। जाहिर है कि राहुल गांधी के इस बयान को लेकर विपक्षी पार्टियां विवाद खड़ा कर सकती हैं क्योंकि हाल ही में पड़ोसी मुल्क नेपाल में Gen-Z ने क्या किया, यह किसी से छिपा नहीं है।

दीवाली के पहले पूजा उपहार है जीएसटी सुधार

बंगाल को विभिन्न हस्तशिल्प और कृषि उत्पादों से लाभ होगा: निर्मला

■ संवाददाता

कोलकाता, 18 सितम्बर। स्वतंत्र भारत में यह पहली बार है कि कोई कर सुधार 140 करोड़ देशवासियों को प्रभावित करेगा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को जीएसटी सुधार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार की सफलता का बखान करते हुए यह बात कही। इसके साथ ही, शरदोत्सव से पहले कोलकाता पहुँचने पर उन्होंने यह टिप्पणी की, ऐसा कहा जा रहा है कि यह (जीएसटी सुधार) दिवाली का तोहफा है। लेकिन यह पूजा के विचार को ध्यान में रखकर किया गया है। केंद्रीय वित्त मंत्री ने गुरुवार को राष्ट्रीय पुस्तकालय के श्यामा प्रसाद मुखर्जी भाषा भवन में औद्योगिक और वाणिज्यिक समुदाय के प्रतिनिधियों का सामना किया। वहाँ, उन्होंने दावा किया कि पिछले सभी सुधारों ने समाज के केवल एक वर्ग को ही प्रभावित किया। आयकर छूट से एक विशिष्ट वर्ग को लाभ हुआ। क्योंकि कर योग्य आय समाज

के केवल एक वर्ग से बनी होती है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि पहले कॉर्पोरेट टैक्स, एसटीजी, पूंजीगत लाभ पर कर छूट आदि केवल एक ही श्रेणी तक सीमित थे। उन्होंने कहा, जीएसटी का भुगतान अमीर, गरीब, शहरी, ग्रामीण सभी करते हैं। इसलिए, समाज के सभी वर्गों के लोगों को जीएसटी छूट का लाभ मिलेगा।

इसके बाद, निर्मला के भाषण में पूजा का प्रसंग आया। संयोग से, जीएसटी का नया स्तर और दर महालया के अगले दिन 22 सितंबर (सोमवार) से लागू हो रही है। उस प्रसंग का उल्लेख करते हुए, केंद्रीय वित्त मंत्री ने उपस्थित लोगों से कहा, आपके त्योहार की शुरुआत के समय जीएसटी छूट शुरू की जा रही है। निर्मला ने कहा कि जीएसटी ढांचे में सुधार के परिणामस्वरूप बंगाल को विभिन्न हस्तशिल्प और कृषि उत्पादों से लाभ होगा। इस सूची में शांतिनिकेतन लेबल वाले हस्तशिल्प, बांकुड़ा पंचमुड़ा टेराकोटा, पूर्व और पश्चिम मिदनापुर की चटाई, बीरभूम-मुर्शिदाबाद का नक्शी कांथा, पुरुलिया के छऊ मुखौटे, दक्षिण दिनाजपुर के लकड़ी के मुखौटे, शोलार हस्तशिल्प, मालदा-मुर्शिदाबाद के आम और दार्जिलिंग की चाय शामिल हैं। इसके अलावा, हावड़ा-हुगली-उत्तर 24 परगना के जूट उद्योग को भी जीएसटी छूट का लाभ मिलेगा।

गौरतलब है कि इस महीने की शुरुआत में जीएसटी परिषद की बैठक में यह निर्णय लिया गया था कि जीएसटी 2.0 से दो कर दरें लागू की जाएँगी- 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत। 12 प्रतिशत और 28 प्रतिशत की जीएसटी दरें समाप्त कर दी जाएँगी। परिणामस्वरूप, अधिकांश दैनिक आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी दर 12 या 18 प्रतिशत से घटकर 5 प्रतिशत या शून्य हो जाएगी।

हालाँकि, सिन गुड्स (जैसे सिगरेट और तंबाकू उत्पाद) और विलासिता की वस्तुओं पर जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) को अब 40 प्रतिशत के विशेष स्लैब के अंतर्गत लाया गया है। निर्मला ने कहा कि इस फैसले के लागू होने से पूरी कर प्रक्रिया काफी सरल हो गई है। इसके अलावा, राष्ट्रीय पुस्तकालय की बैठक में विभिन्न आँकड़े और आँकड़े प्रस्तुत करते हुए, केंद्रीय वित्त मंत्री ने गुरुवार को दावा किया कि मोदी काल में बंगाल को कर हस्तांतरण और अनुदान के माध्यम से कई गुना अधिक धन मिल रहा है।

किरायेदारों को बड़ा झटका! अब फोनपे-पेटीएम से नहीं भर पाएंगे रेंट

नई दिल्ली, 18 सितम्बर। आप भी अगर हर महीने फोनपे, पेटीएम या क्रेड जैसी मोबाइल ऐप्स से अपने घर का किराया क्रेडिट कार्ड से भरते थे, तो अब आपको मुश्किल होने वाली है। ऐसा इसलिए है क्योंकि फिनटेक कंपनियों ने अब अपने ऐप्स पर रेंट पेमेंट सर्विस बंद कर दी है। बता दें कि बीते कुछ वर्षों में क्रेडिट कार्ड के जरिए रेंट पेमेंट करने का चलन बढ़ गया था। अब दरअसल, भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने हाल ही में भुगतान सेवाओं से जुड़े नए नियम लागू करने के बाद फिनटेक कंपनियों को यह सर्विस बंद करनी पी है। आरबीआई ने 15 सितंबर को इस संबंध में एक सर्कुलर जारी किया था।

इस बदलाव का सबसे बड़ा असर उन लोगों पर होगा जो क्रेडिट कार्ड से किराया चुकाकर पॉइंट्स कमाते थे या महीने भर तक बिना ब्याज के पैसे इस्तेमाल करते थे। अब उन्हें फिर से पुराना तरीका अपनाना

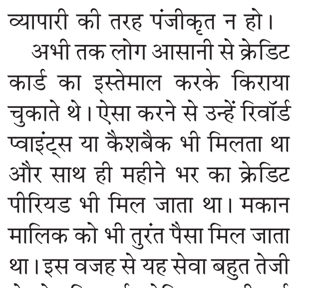

होगा जैसे कि सीधे बैंक खाते में किराया ट्रांसफर करना या चेक से भुगतान करना।

आरबीआई के नए नियमों के अनुसार, अब पेमेंट एग्रीगेटर (पीए) और पेमेंट गेटवे (पीजी) सिर्फ उन्हीं व्यापारियों से लेन-देन कर सकते हैं, जिनसे उनका सीधा अनुबंध है और जिनकी केवाईसी पूरी हो चुकी है। इसका मतलब यह है कि अब कोई ऐप किसी ऐसे मकान मालिक को भुगतान नहीं भेज सकती जो उसके प्लेटफॉर्म पर आधिकारिक रूप से व्यापारी की तरह पंजीकृत न हो।

अभी तक लोग आसानी से क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करके किराया चुकाते थे। ऐसा करने से उन्हें रिवॉर्ड प्वाइंट्स या कैशबैक भी मिलता था और साथ ही महीने भर का क्रेडिट पीरियड भी मिल जाता था। मकान मालिक को भी तुरंत पैसा मिल जाता था। इस वजह से यह सेवा बहुत तेजी से लोकप्रिय हुई। लेकिन आरबीआई को यह व्यवस्था ठीक नहीं लगी, क्योंकि इसमें मकान मालिकों का पूरा केवाईसी नहीं होता था और फिनटेक कंपनियां बीच में मार्केटप्लेस की तरह काम कर रही थीं।

सऊदी-पाक के बीच रक्षा समझौता मिलकर हमले का जवाब देंगे

रियाद, 18 सितम्बर। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एक रक्षा समझौते पर साइन

भारत बोला पहले से थी जानकारी

किए। इस समझौते के तहत एक देश पर हमला दूसरे पर भी हमला माना जाएगा। सऊदी प्रेस एजेंसी के मुताबिक दोनों देशों ने एक जॉइंट स्टेटमेंट में कहा कि यह समझौता दोनों देशों की सुरक्षा बढ़ाने और विश्व में शांति स्थापित करने की प्रतिबद्धता को दिखाता है। इस समझौते के तहत दोनों देशों के बीच डिफेंस कॉर्पोरेशन भी डेवलप किया जाएगा। इस समझौते के तहत मिलिट्री सहयोग किया जाएगा। इसमें जरूरत पड़ने पर पाकिस्तान के परमाणु हथियारों का इस्तेमाल भी शामिल है।

सऊदी अरब और पाकिस्तान के रक्षा समझौते पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत सरकार को इसकी जानकारी पहले से थी। शहबाज शरीफ के साथ पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसीम मुनीर, उप प्रधानमंत्री इशाक डार, रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ, वित्त मंत्री मोहम्मद औरंगजेब और हाई लेवल डेलिगेशन सऊदी पहुंचा है। जिस वक्त इस रक्षा समझौते पर साइन किए जा रहे थे तब पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसीम मुनीर भी वहां मौजूद थे। एक अधिकारी ने रॉयटर्स को बताया कि यह समझौता किसी खास देश या घटना के खिलाफ नहीं हुआ है, बल्कि दोनों देशों के बीच लंबे समय तक चलने वाले गहरे सहयोग का आधिकारिक रूप है।

नीतीश और अमित शाह का बंद कमरे में सीट बंटवारे पर मंथन

पटना, 18 सितंबर (हि.स.)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को पटना के होटल मौर्या में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बंद कमरे में करीब आधे घंटे तक बात की। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए यह मुलाकात सियासी हलकों में चर्चा का विषय बन गई है। सूत्रों के अनुसार, बैठक में राजग में सीट बंटवारे और चुनावी रणनीति पर चर्चा हुई। मुलाकात में जदयू और भाजपा के वरिष्ठ नेता, जैसे उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, विजय कुमार चौधरी और प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल मौजूद रहे। पटना में दोनों नेताओं की मुलाकात के बाद गृहमंत्री अपने तय कार्यक्रम के मुताबिक डेहरी ऑन सोन पहुंचे।

ऑपरेशन सिंदूर के लिए क्यों चुना गया था आधी रात का समय? सीडीएस अनिल चौहान ने बताई वजह

रांची, 18 सितमबर। झारखंड के दौरे पर पहुंचे चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने एक कार्यक्रम में ऑपरेशन सिंदूर पर भी बात की। इस दौरान उन्होंने बताया कि 7 मई को पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों पर हमले को आधी रात 1 से 1:30 बजे के बीच अंजाम दिया गया। उन्होंने कहा कि यह समय दो वजहों से चुना गया। पहली वजह यह थी कि हमारी सेना को अपनी तकनीकी और खुफिया क्षमताओं पर पूरा भरोसा था कि अंधेरे में भी हम सटीक तस्वीरें और सबूत जुटा सकते हैं। दूसरी और सबसे अहम वजह थी नागरिकों की सुरक्षा। जनरल चौहान ने कहा कि सुबह 5:30 से 6 बजे के बीच हमला करना आसान होता, लेकिन उस समय अजान और लोगों की आवाजाही शुरू हो जाती, जिससे कई निर्दोष लोग मारे जा सकते थे। इसलिए, सेना ने अंधेरे में हमला कर आतंकियों को निशाना बनाया और नागरिकों को नुकसान से बचाया।

इस दौरान चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा कि सेना ही वह जगह है जहां भाई-भतीजावाद या पक्षपात नहीं होता। उन्होंने बताया कि फौज में हर किसी की पहचान उसकी काबिलियत और मेहनत से होती है, न कि रिश्तों या सिफारिशों से। जनरल अनिल चौहान ने युवाओं से देशसेवा के लिए सेना में शामिल होने का आह्वान किया। उन्होंने यह भी कहा कि सेना में अनुशासन और

ईमानदारी ही सबसे बड़ी ताकत है, जो इसे बाकी संस्थानों से अलग बनाती है।

इस दौरान जनरल अनिल चौहान ने कहा कि अगर बच्चे भारत और दुनिया को जानना चाहते हैं, तो उन्हें सशस्त्र बलों में शामिल होने की इच्छा रखनी चाहिए। बता दें कि सीडीएस जनरल अनिल चौहान कल से रांची में शुरू हो रहे तीन दिवसीय डिफेंस एक्सपो - ईस्ट टेक 2025 में भाग लेने के लिए रांची पहुंचे हैं।

सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने अपने रांची दौरे के दौरान झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार से मुलाकात की है। वहीं इस मुलाकात को लेकर राज्यपाल संतोष गंगवार ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- आज राजभवन, रांची में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) अनिल चौहान से भेंट का अवसर प्राप्त हुआ। उनका अनुभव, नेतृत्व और राष्ट्र सुरक्षा के प्रति दृष्टिकोण सदैव प्रेरणादायी है।

8 मिनट का सफर बना 1 घंटा 15 मिनट का, ग्रीन लाइन मेट्रो ने किया बेहाल

कोलकाता, 18 सितंबर (संवाददाता)। कोलकाता की नई ग्रीन लाइन मेट्रो, जो लोगों को तेज़ और आरामदायक सफ़र देने के लिये शुरू की गई थी, अब परेशानी का सबब बनती जा रही है। मात्र 24 घंटे के भीतर दूसरी बार इस रूट पर मेट्रो सेवा ठप हो गई। दुर्गापूजा से पहले शहर में ट्रैफिक जाम तो आम बात है, लेकिन इस बार वही तस्वीर मेट्रो सेवाओं में देखने को मिली। गुरुवार सुबह हावड़ा मैदान मेट्रो स्टेशन पर यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

तकनीकी खराबी के कारण हावड़ा मैदान से सेक्टर-5 तक मेट्रो सेवा बंद रही और लोगों को मजबूरी में बस, टैक्सी या बाइक टैक्सी का सहारा लेना पड़ा। सुबह करीब साढ़े 10 बजे हावड़ा मैदान मेट्रो स्टेशन पर पहुंचे यात्रियों को सबसे पहले यह झटका लगा कि गेट डिस्प्ले बोर्ड पर अगली ट्रेन का समय ही नहीं दिख रहा था। नीचे उतरने पर पता चला कि बैग चेकिंग काउंटर और स्मार्ट गेट बंद हैं। भीड़ बढ़ने लगी, पर किसी को जानकारी नहीं दी जा रही थी। तभी घोषणा हुई कि तकनीकी कारणों से हावड़ा मैदान से सेक्टर-5 तक मेट्रो सेवा बंद है। कई यात्रियों ने पहले ही टिकट खरीद लिए थे, उन्हें काउंटर पर जाकर रिफंड लेना पड़ा। जिनका स्मार्टकार्ड पंच हो चुका था, वे उसे अनलॉक कराने में जुट गए। इस बीच स्टेशन परिसर में भीड़ और गर्मी दोनों ही बढ़ती चली गईं। लोग झुंझलाते हुए कह रहे थे कि अगर रोज़ ऐसा होगा तो 11 मिनट में सियालदह पहुंचने का फायदा ही क्या?

मेट्रो सूत्रों के अनुसार, बिजली ट्रिप करने से सिग्नलिंग व्यवस्था गड़बड़ा गई और इसके चलते सैक्टर पांच से हावड़ा की ओर जाने वाली तथा विपरीत दिशा से आने वाली ट्रेनें रुक गईं। सैक्टर पांच से सियालदह तक आंशिक सेवा जारी रही, लेकिन सबसे ज्यादा दिक्कत उन यात्रियों को हुई जिन्हें सियालदह से धर्मतल्ला या आगे हावड़ा तक जाना था। सुबह के व्यस्त ऑफिस समय में सेवा बाधित होने से यात्रियों को घंटों फँसना पड़ा। एक परेशान यात्री ने कहा कि यही डर था। रोज़ मेट्रो में किसी न किसी तरह की समस्या हो रही है। नई लाइन पर अभी तक सब ठीक था, लेकिन अब तो लगता है यह रोज़ की खबर बन जाएगी।

वहीं एक अन्य यात्री ने नाराज़गी जताते हुए कहा कि सियालदह से सैक्टर पांच तक रोज़ाना हज़ारों लोग मेट्रो पर निर्भर रहते हैं। अब अगर मेट्रो ही नहीं चलेगी तो शियालदह से सैक्टर पांच पहुँचने का दूसरा कोई आसान साधन नहीं है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि कोई यह भी नहीं बता रहा है कि मेट्रो कब चलेगी।

दरअसल बुधवार को विश्वकर्मा पूजा के कारण सड़क पर वाहन अपेक्षाकृत कम थे। बुधवार को भी वही असर रहा। ऐसे में जब ऑफिस जाने का समय हुआ तो बस और ऑटो की संख्या कम मिली। ऊपर से मेट्रो बंद हो जाने के कारण स्थिति और बिगड़ गई।

इंजीनियरों की टीमें मौके पर काम कर रही हैं और मेट्रो प्रबंधन का कहना है कि जल्द ही सेवा बहाल करने की कोशिश जारी है। लेकिन लगातार गड़बड़ी से यात्रियों का भरोसा टूटता जा रहा है। राहत देने के बजाय यह नई मेट्रो लाइन अब उनके लिये आफ़त बनती दिख रही है।

मेट्रो ठप, बस-टैक्सी में अफरा-तफरी

हावड़ा टैक्सी स्टैंड पर लौटी पुरानी रौनक

ईस्ट-वेस्ट मेट्रो की शुरुआत के बाद हावड़ा से सॉल्टलेक जाने वाले नित्ययात्रियों ने राहत की सांस ली थी। पहले जहां रोज़ सुबह-शाम उन्हें बस और टैक्सी में धक्का-मुक्की सहकर सफर करना पड़ता था, वहीं ग्रीन लाइन मेट्रो ने उनकी यात्रा आसान कर दी थी। लेकिन बुधवार को विश्वकर्मा पूजा के दिन अचानक मेट्रो सेवा बाधित होने पर वही पुरानी झंझट और भीड़भाड़ लौट आई। मंगलवार के बाद बुधवार भी, ठीक ऑफिस टाइम पर, ईस्ट-वेस्ट मेट्रो की ग्रीन लाइन में तकनीकी खराबी आ गई। नतीजतन, लगभग ढाई घंटे तक हावड़ा मैदान से सॉल्टलेक सेक्टर-5 तक मेट्रो सेवा ठप रही। इस अचानक आई परेशानी से हजारों यात्री प्रभावित हुए। किसी को ऑफिस पहुंचना था, तो कोई स्कूल-कॉलेज जा रहा था। मेट्रो बंद होते ही लोग बाहर निकलकर बस और टैक्सी पकड़ने लगे।

यात्रियों का आरोप है कि कई टैक्सी चालकों ने मौके का फायदा उठाकर अतिरिक्त किराया वसूला। बिहार से आए वीरेंद्र सिंह ने कहा कि सॉल्टलेक में मेरे बेटे के स्कूल में एडमिशन का दिन था। प्लेटफॉर्म पर घंटों इंतज़ार करने के बाद भी ट्रेन नहीं आई। आखिरकार बाहर निकलकर टैक्सी लेनी पड़ी। ड्राइवर ने मनमाना किराया मांगा, मजबूरी में देना पड़ा। हावड़ा-सॉल्टलेक रूट पर चलने वाले एक बस चालक ने बताया कि मेट्रो शुरू होने के बाद से बसों में यात्रियों की संख्या घट गई थी। लेकिन आज मेट्रो बंद होते ही अचानक भीड़ उमड़ पड़ी। हावड़ा स्टैंड पर जितनी बसें थीं, सबमें ठसाठस भीड़ रही। कई बसें तो सड़कों पर निकली ही नहीं।

न्यू मार्केट इलाके में हॉकरों को बड़ी राहत

दुर्गापूजा के बाद फिर शुरू होगी कार्रवाई

कोलकाता, 18 सितंबर। दुर्गोत्सव से ठीक पहले न्यू मार्केट और आसपास के फुटपाथ पर बैठे हकारों को मिली है बड़ी राहत। कोलकाता नगर निगम और पुलिस प्रशासन ने फिलहाल हकारों के खिलाफ चल रही कार्रवाई पर रोक लगाने का निर्णय लिया है। मंगलवार को नगर निगम की टाउन वेंडिंग कमेटी (टीवीसी) की बैठक में यह फैसला लिया गया। अधिकारियों के मुताबिक, पूजा के समय लाखों की भीड़, ट्रैफिक व्यवस्था और नागरिक सेवाओं को देखते हुए इस अवधि में अभियान चलाना संभव नहीं है।

हालांकि निगम और पुलिस दोनों ही साफ कर चुके हैं कि दुर्गापूजा समाप्त होते ही फुटपाथ अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई दोबारा शुरू होगी। दरअसल, विश्वकर्मा पूजा से लेकर महालया तक शहर में बड़े-बड़े पूजा पंडालों का उद्घाटन शुरू हो जाता है। इस दौरान पुलिस को ट्रैफिक मैनेजमेंट और सुरक्षा पर पूरा ध्यान देना पड़ता है। दूसरी ओर, निगम के विभिन्न विभागों को भी शहर में साफ-सफाई और पानी-बिजली जैसी नागरिक सेवाएं सुनिश्चित करनी होती हैं। ऐसे माहौल में हकारों के खिलाफ अभियान चलाना मुश्किल और अव्यवहारिक माना गया। टीवीसी की बैठक में कॉलेज स्ट्रीट का मुद्दा प्रमुखता से उठा। आरोप है कि कैलकाटा मेडिकल कॉलेज अस्पताल के सामने का फुटपाथ बड़े पैमाने पर हकारों ने कब्जा कर लिया है। हकार संगठन का कहना है कि पर्याप्त पुलिस निगरानी नहीं होने की वजह से ऐसी स्थिति बनी। बैठक में एक सदस्य ने भी माना कि यदि पुलिस सक्रियता बढ़े तो फुटपाथ को अवैध कब्जे से बचाया जा सकता है। इसी दिन नगर निगम की एक प्रतिनिधि टीम ने न्यू मार्केट इलाके का दौरा किया। अधिकारियों ने पाया कि बेलट्रम स्ट्रीट, हुमायूं प्लेस समेत कई जगहों पर फुटपाथ और सड़क का बड़ा हिस्सा हकारों के कब्जे में है। यहां तक कि वैध पार्किंग की जगहों पर भी स्टॉल लगा दिए गए हैं। निगम अधिकारियों ने साफ संकेत दिया कि पूजा समाप्त होते ही ये इलाके हकार विरोधी कार्रवाई के मुख्य केंद्र होंगे। पूजा से पहले निगम की यह राहत हकारों को कुछ दिन चैन देगी, लेकिन प्रशासन का इरादा साफ है उत्सव खत्म होते ही शहर को अतिक्रमण से मुक्त कराने का अभियान तेज़ किया जाएगा।

हाईकोर्ट सख्त : रेल-रोड जाम नहीं होगा, कुड़मी आंदोलन पर प्रशासन को सख्त कदम उठाने का आदेश

कोलकाता, 18 सितंबर। महालया से कुड़मी समाज ने एक बार फिर रेल और सड़क जाम करने का आह्वान किया है। लेकिन उससे पहले गुरुवार को कोलकाता हाईकोर्ट ने साफ कर दिया कि राज्य प्रशासन और रेलवे यातायात अवरुद्ध नहीं होने देंगे। अदालत ने निर्देश दिया है कि दुर्गापूजा के समय लोगों की आवाजाही और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन सभी जरूरी कदम उठाए। कुड़मी समाज की इस प्रस्तावित आंदोलन के खिलाफ हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई थी। याचिकाकर्ताओं ने दलील दी कि इस तरह के रेल-रोड जाम से हर दिन करोड़ों रुपये का नुकसान होता है। रेलवे के मुताबिक, सिर्फ एक दिन में करीब 21 करोड़ रुपये की क्षति होती है। 2022 और 2023 में भी इसी तरह के आंदोलन से रेल को भारी नुकसान उठाना पड़ा था। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच (न्यायमूर्ति सुजॉय पाल) ने आदेश दिया कि रेल-रोड जाम की स्थिति से निपटने के लिए वही कदम उठाए जाएं जो 19 सितंबर 2023 के आदेश में तय किए गए थे। यानी सुरक्षा बलों की तैनाती और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी होगी। कुड़मी समाज ने 20 सितंबर सुबह 6 बजे से अनिश्चितकालीन आंदोलन की घोषणा की है। उनकी मांगों में एसटी सूची में शामिल करना और अन्य सामाजिक-राजनीतिक मुद्दे शामिल हैं। संगठन का कहना है कि बंगाल, झारखंड और ओडिशा मिलाकर करीब 100 प्वाइंट्स पर रेल और सड़क रोकी जाएगी। सिर्फ जंगलमहल इलाके (पुरुलिया, झाड़ग्राम और पश्चिम मेदिनीपुर) में ही करीब 45 जगहों पर अवरोध की योजना बनाई गई है।

पुलिस पर हमला! सब-इंस्पेक्टर लहूलुहान, 6 गिरफ्तार

कोलकाता, 18 सितंबर। नेताजी नगर इलाके में बुधवार रात पुलिस पर हमला करने का सनसनीखेज मामला सामने आया। सूचना मिलने पर हालात काबू करने पहुंचे थाने के एक सब-इंस्पेक्टर को दुष्कर्मियों ने बुरी तरह पीट दिया। हमले में वह लहूलुहान हो गए। पुलिस ने घटना में शामिल 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और स्वतः संज्ञान लेकर मामला दर्ज किया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, नेताजी नगर थानाक्षेत्र में रहने वाले वकील दीपायन घोष के घर के सामने बुधवार रात करीब 8-10 लोग इकठ्ठा हुए थे। उनके पास चाकू और अन्य हथियार भी थे। आरोप है कि यह गिरोह वकील को धमका रहा था। दीपायन घोष कोलकाता नगर निगम के वार्ड 99 में तृणमूल युवा अध्यक्ष भी हैं। किस वजह से उन्हें धमकी दी जा रही थी, यह अभी तक साफ नहीं हुआ है। खबर मिलते ही सब-इंस्पेक्टर दीनबंधु केश मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की, तभी आरोपियों ने पुलिसकर्मी पर हमला कर दिया। लाठी-डंडों से पीटे जाने के बाद सब-इंस्पेक्टर खून से लथपथ हो गए।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि इस गिरोह का नेतृत्व जयंत घोष नामक व्यक्ति कर रहा था। हैरानी की बात यह है कि इस समूह में कुछ महिलाएं भी शामिल थीं। आरोप है कि जब पुलिस आरोपियों को पकड़ने लगी तो महिलाएं सामने आकर पुलिसकर्मियों को रोकने लगीं। घटना के बाद घायल को इलाज के लिए बाघाजतिन अस्पताल ले जाया गया। लेकिन वहां भी जयंत और उसके साथियों ने हंगामा खड़ा कर दिया।

आरोप है कि उन्होंने चिकित्साकर्मियों के साथ मारपीट की और जयंत ने तो एक पुलिसकर्मी पर सर्जिकल कैंची से हमला करने की कोशिश की। पूरे मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जयंत घोष समेत 6 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। उनके खिलाफ स्वत: संज्ञान लेकर मामला दर्ज किया गया है और जांच जारी है।

जाली नोट के साथ दो गिरफ्तार

कोलकाता, 18 सितंबर। नारायणपुर थाना पुलिस ने छापेमारी कर दो युवकों को नकली नोटों के साथ गिरफ्तार किया हैं। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि आज़ाद स्पोर्टिंग क्लब के मैदान में नकली नोटों का लेन-देन हो रहा है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने छापेमारी कर बेलगछिया के रहने वाले भोला अली और नारायणपुर के रहने वाले रिज़भी अहमद उर्फ़ रिज़वान को गिरफ्तार किया हैं। पुलिस ने बताया कि भोला अली के पास से 6 नकली नोट मिले। इसके बाद रिज़भी अहमद के घर की तलाशी में 5 और नकली नोट बरामद हुए। दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है और उनके खिलाफ नारायणपुर थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि ये युवक किस बड़े गिरोह से जुड़े हैं और नकली नोट कहाँ से लाए गए थे।

शिक्षक भर्ती घोटाला : तृणमूल विधायक जीवनकृष्ण साहा की सफाई

‘मोबाइल नहीं फेंका, सभी आरोप झूठे’

कोलकाता, 18 सितंबर। शिक्षक भर्ती घोटाले में गिरफ्तार तृणमूल कांग्रेस विधायक जीवनकृष्ण साहा को गुरुवार को बैंकशाल कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट में पेश होकर साहा ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को सिरे से नकार दिया। उन्होंने साफ कहा कि न तो वे भागने की कोशिश कर रहे थे और न ही उन्होंने अपना मोबाइल फोन फेंका।

विधायक के वकील ने अदालत में दलील दी कि अपराध एक ही है, लेकिन गिरफ्तारी दो बार क्यों? पहले सीबीआई ने गिरफ्तार किया था और उस मामले में सुप्रीम कोर्ट से उन्हें जमानत मिल चुकी है। अब ईडी ने फिर से उसी मामले में पकड़ लिया। उन्होंने जांच में सहयोग किया है, इसलिए किसी भी शर्त पर उन्हें जमानत मिलनी चाहिए। ईडी के वकील ने जमानत का जोरदार विरोध करते हुए कहा कि सीबीआई और ईडी की जांच अलग-अलग है। विधायक के परिवार और रिश्तेदारों के खातों में करोड़ों का लेन-देन हुआ है। करीब 46 लाख रुपये एक

सरकारी कर्मचारी रिश्तेदार के खाते में जमा हुए, लेकिन उसका सही स्रोत नहीं बताया जा सका। नौकरी चाहने वालों के बयान में साफ है कि साहा ने नकद और बैंक के जरिये पैसा लिया। यह पूरा शिक्षा ढांचा को प्रभावित करता है, इसलिए जमानत नहीं मिलनी चाहिए।

विधायक जीवनकृष्ण साहा ने कोर्ट में कहा कि मैं गरीब और दलित परिवार से आता हूं, छोटा इलाका है। मेरे खिलाफ सभी आरोप झूठे हैं। मैंने कभी मोबाइल नहीं फेंका, बल्कि खुद ईडी को सौंपा। जिस तालाब की बात हो रही है, वह मेरे घर के अंदर है और मैं वहीं मौजूद था। उन्होंने यह भी कहा कि उनके पिता ने डर के कारण कुछ कहा होगा, लेकिन वे कभी बेटे के खिलाफ नहीं बोलेंगे। मैंने किसी के नाम पर संपत्ति नहीं खरीदी। अगर शक है तो जांच कर सच्चाई साबित करें। बुधवार को ईडी ने उन्हें गिरफ्तार किया था। गुरुवार को कोर्ट में दोनों पक्षों की दलीलें सुनी गईं। अब मामले की अगली सुनवाई आने वाले दिनों में होगी।

यादवपुर विश्वविद्यालय में छात्रा से छेड़छाड़ का आरोप एसएफआई नेता पर

कोलकाता, 18 सितम्बर (हि.स.)। जादवपुर विश्वविद्यालय एक बार फिर विवादों में है। विश्वविद्यालय की एक छात्रा ने एसएफआई के आर्ट्स यूनिट के सह-सचिव सौमिक मंडल पर छेड़छाड़ का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता ने यह शिकायत सीधे संगठन में दर्ज कराई।

मामले को गंभीरता से लेते हुए एसएफआई की यादवपुर विश्वविद्यालय क्षेत्रीय समिति ने बुधवार देर रात प्रेस बयान जारी कर सौमिक को फिलहाल संगठन के सभी कार्यों से अलग करने का फैसला लिया। समिति के इस कदम को संबंधित हलकों में आरोप की प्राथमिक स्वीकार्यता माना जा रहा है। इसी बीच विश्वविद्यालय परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाने को लेकर वामपंथी और अतिवामपंथी संगठनों के विरोध पर तृणमूल छात्र परिषद ने तीखा हमला बोला है। संगठन के नेता सुदीप राहा ने सोशल मीडिया पर बयान जारी कर कहा कि गांव, कस्बे और शहरों से सपने लेकर पढ़ने आने वाले छात्र-छात्राओं की अकाल मृत्यु हो रही है और सबूत मिटाने की नीयत से कुछ लोग सीसीटीवी का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि इस दुराचार को और अधिक समय तक बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। सुदीप ने मांग की कि सीसीटीवी का विरोध करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई हो और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा नामित कुलपति को विश्वविद्यालय में नियुक्त किया जाए। उन्होंने राज्यपाल पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वह सनग्लास लगाकर अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकते। दूसरी ओर, छात्रा अनामिका मंडल की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत की जांच में पुलिस ने बुधवार को झील में गोताखोर उतारे। वहां से एक जोड़ी जूते बरामद हुए हैं, जिन्हें परिवार के जरिए पहचान कराया जाएगा कि वे अनामिका के हैं या नहीं। घटना के दिन परिसर और झील किनारे मौजूद कई छात्रों, सुरक्षाकर्मियों और कर्मचारियों से भी पुलिस पूछताछ करेगी।

तीन संयुक्त सैन्य स्टेशन बनाने की तैयारी

थिएटर कमांड संरचना की ओर बड़ा कदम

कोलकाता, 18 सितंबर (संवाददाता)। फोर्ट विलियम स्थित पूर्वी कमान मुख्यालय में बुधवार को भारतीय सेना का संयुक्त सम्मेलन सम्पन्न हुआ। इस उच्च स्तरीय बैठक में कई अहम फैसले लिये गये। सबसे महत्वपूर्ण निर्णय रहा कि देश में तीन संयुक्त सैन्य स्टेशन की स्थापना। इनमें एक उत्तर भारत में, दूसरा मध्य भारत में और तीसरा पूर्वी भारत में बनाया जाएगा। सेना सूत्रों के अनुसार, यह कदम भारतीय रक्षा ढांचे में व्यापक सुधार की दिशा में पहला चरण है। रक्षा मंत्रालय ने स्पष्ट संकेत दिया है कि थिएटर कमांड प्रणाली की ओर बढ़ते हुए सेना, नौसेना और वायुसेना को एक साझा ढांचे में लाना अब प्राथमिकता होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी सैन्य कार्रवाई को एक जगह से नियंत्रित करने पर ऑपरेशन अधिक प्रभावी और कारगर बनता है। इसी सोच के तहत पहली बार भारत में संयुक्त सैन्य स्टेशनों की अवधारणा पर अमल होने जा रहा है। बैठक में चीन की आक्रामक गतिविधियों, पाकिस्तान की ओर से बढ़ती आतंकी साज़िशों और हाल ही में बांग्लादेश स्थित आतंकी ठिकानों की सक्रियता पर भी चर्चा हुई। इन चुनौतियों से निपटने के लिये एकीकृत सैन्य रणनीति बनाने पर बल दिया गया। सेना सूत्रों के अनुसार, इस नये ढांचे के लागू होने से सीमाओं पर तैनाती की नीति और रक्षात्मक रणकौशल में मूलभूत बदलाव देखने को मिलेगा।

टेंगरा में रिहायसी अपार्टमेंट में स्थानीय युवकों का तांडव

कोलकाता, 18 सितंबर। टेंगरा के क्रिस्टोफर रोड स्थित एकता फ्लोरल परिसर में बाहरी लोगों ने जमकर हंगामा किया। आरोप है कि आधी रात को सोसायटी का गेट बंद कर बाहर से आए युवक पूरी रात फुटबॉल खेलते रहे। जब सुरक्षा रक्षकों ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो करीब 300 लोग अंदर घुसकर तोड़फोड़ और उत्पात मचाने लगे। आरोप है कि वे लोग लिफ्ट से ऊपर जाकर 10वीं मंज़िल से लेकर दूसरी मंज़िल तक कई फ्लैटों में डोरबेल बजाकर दरवाज़े पर लात मारते रहे। सीसीटीवी फुटेज में बाहरी लोगों को लिफ्ट में चढ़ते हुए साफ देखा गया है। स्थिति बिगड़ने पर सुरक्षा रक्षकों ने टेंगरा थाने को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और हालात काबू में लाई। घटना के विरोध में कल शाम स्थानीय निवासियों ने क्रिस्टोफर रोड जाम कर प्रदर्शन किया और टेंगरा थाने में शिकायत दर्ज कराई। हालांकि अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

छात्रा की हत्या के आरोपी को ‘छिपाने’ के आरोप में रामपुरहाट के प्रधानाध्यापक की बेदम पिटाई

कोलकाता, 18 सितंबर। रामपुरहाट में एक आदिवासी छात्रा की हत्या के मामले में स्कूल के प्रधानाध्यापक को अब लोगों के गुस्से का सामना करना पड़ रहा है। गुरुवार सुबह स्थानीय लोगों ने उन पर हमला कर दिया। उनकी जमकर पिटाई की गई। जब वह उसे बचाने गए तो पुलिस की गाड़ी में भी तोड़फोड़ की गई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि प्रधानाध्यापक गिरफ्तार शिक्षक मनोज पाल के स्वभाव के बारे में जानते थे। इसके बावजूद, उन्होंने कभी कोई कार्रवाई नहीं की। उल्टा, कथित तौर पर उसे छुपाते रहे। रामपुरहाट बुधवार से ही एक आदिवासी छात्रा की हत्या के मामले में सुर्खियों में है। पुलिस ने कल आरोपी शिक्षक मनोज पाल को गिरफ्तार कर लिया।

जांचकर्ताओं का दावा है कि पूछताछ के दौरान उसने हत्या की बात कबूल कर ली। इसके बाद और भी सनसनीखेज जानकारी सामने आई। मृतका के पड़ोसियों का दावा है कि मनोज हमेशा मृतका को ज़्यादा महत्व देता था। अगर वह ट्यूशन या स्कूल नहीं जाती थी, तो वह दूसरों से जानकारी लेता था। एक समय तो उसने नाबालिग छात्रा को परेशान करना शुरू कर दिया था। उसने शादी का प्रस्ताव भी रखा था। लेकिन जब छात्रा नहीं मानी तो वह गुस्सा हो गया। इसके बाद, यह माना जाने लगा कि यह एक हत्या की साजिश थी। स्थानीय लोगों का दावा है कि मनोज जिस स्कूल में शिक्षक था, उसके प्रधानाध्यापक को पूरा मामला पता था। वह शिक्षक के स्वभाव से भी अनजान नहीं थे। इसीलिए स्थानीय लोग अब प्रधानाध्यापक से नाराज़ हैं। स्थानीय लोगों ने आज सुबह स्कूल पर हमला भी किया और आरोप लगाया कि अगर उन्होंने कार्रवाई की होती, तो नाबालिग के साथ ऐसा नहीं होता। प्रधानाध्यापक को घसीटकर बाहर निकाला गया। पिटाई से उनके कपड़े फट गए। सूचना मिलने पर पुलिस ने जाकर किसी तरह पीड़ित को बचाया।

दो साल बाद मदरसों में शिक्षक भर्ती शुरू, पहले चरण की सूची जारी

कोलकाता, 18 सितंबर। लंबे इंतज़ार के बाद राज्य सरकार ने आखिरकार मदरसों में शिक्षक भर्ती की प्रक्रिया शुरू कर दी है। बुधवार शाम मदरसा सर्विस कमीशन ने 9वीं-10वीं और 11वीं-12वीं कक्षाओं के लिए शिक्षक भर्ती की पहली पैनल सूची जारी की। मदरसों में कुल 1,729 पद खाली थे। इनमें से पहले चरण में 302 उम्मीदवारों को नौकरी की सिफारिश की गई है। भर्ती का विज्ञापन 2023 में निकला था और परीक्षा 2024 में हुई और इंटरव्यू भी पूरे हुए। इसके बाद भी नौकरी की प्रक्रिया अटकी रही लेकिन अब जाकर पहली सूची जारी की गई है। कुल 27 विषयों की परीक्षा और इंटरव्यू हुए थे। लेकिन इस बार सिर्फ 17 विषयों का रिजल्ट जारी किया गया है। ऑल बंगाल अरेबिक फेडरेशन से जुड़े उम्मीदवार मुजाहिदुल इस्लाम ने कहा कि यह पैनल आंशिक है। अभी कई विषयों का परिणाम बाकी है। हम चाहते हैं कि सरकार जल्दी सभी विषयों की पूरी सूची जारी करे। 9वीं-10वीं के लिए 811 पदों पर 98,215 अभ्यर्थी परीक्षा में बैठे थे जबकि 11वीं-12वीं के लिए 262 पदों पर 39,761 अभ्यर्थी ने परीक्षा दी। इनमें से करीब 1,740 उम्मीदवार इंटरव्यू तक पहुंचे। अब बाकी बचे विषयों की सूची जारी होने का इंतज़ार है।

दोस्त ने नहीं दिया बकाया तो खुद पर कर लिया हमला

हावड़ा, 18 सितंबर। लिलुआ थानांतर्गत सी.रोड इलाके में उधार न चुका पाने के आरोप में अपने दोस्त को फंसाने के लिए अपनी गर्दन और शरीर पर कई जगह ब्लेड से वार किया। घायल युवक को हावड़ा जिला अस्पताल लाया गया, तो नशे में धुत युवक बलराम सिंह ने वहां भी जमकर उत्पात मचाया। कुछ दिन पहले बलराम ने अपने दोस्त को 2000 रु. उधार दिए थे, लेकिन जब उसने पैसे वापस मांगे, तो उसने पैसे लौटाने से इनकार कर दिया। बलराम सिंह का यह कारनामा नशे की हालत में अपने दोस्त को फंसाने के लिए था।

पूर्व रेलवे

शुद्धिपत्र

वर्ष 2025 के सितंबर माह के लिए पूर्व रेलवे के अतिरिक्त ई-नीलामी कार्यक्रम हेतु शुद्धिपत्र, जो पहले इस समाचार पत्र में मुख्य सामग्री प्रबंधक/एडमिन द्वारा प्रकाशित किया गया था, इसमें निम्नानुसार अतिरिक्त कार्यक्रम जोड़ा गया है: **सियालदह मंडल की अतिरिक्त नीलामी तिथि: 25.09.2025,** अन्य डिपों और मंडलों के साथ सियालदह मंडल की अन्य तिथियाँ अपरिवर्तित रहेंगी।

Stores-35/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: आरईएचएबीएक्सएम_25-26, दिनांक 15.09.2025, उप मुख्य यांत्रिक अभियंता/सी, पूर्व रेलवे वर्कशॉप, काँचरापाड़ा, कैरिज कॉम्प्लेक्स, उत्तर 24 परगना, पीओः काँचरापाड़ा, पिन-743145 द्वारा निम्नवर्णित कार्य के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम एवं इसका स्थान** : 01 (एक) वर्ष की अवधि के अंदर कैरिज कॉम्प्लेक्स, काँचरापाड़ा में पी.बी. नं.-752/2024-25 और 365/2025-26 के माध्यम से स्वीकृत बल्क आरएसपी कार्य के तहत 106 कोचों के लिए प्रमुखता से ध्यान देने के दौरान साइकिल डाउनटाइम को कम करने के लिए कोचों का पुनर्वास/ओवरहॉलिंग (जीर्णोद्धार)। **कार्य का अनुमानित मूल्य :** रु. 2,06,21,391.58, **निविदा कागजात का मूल्य (टीडीसी):** शून्य। **वेबसाइट जहाँ से निविदा कागजात उपलब्ध होगा :** निविदा कागजात का संपूर्ण सेट भारतीय रेल की ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर दिनांक 15.09.2025 से 07.10.2025 को 14.00 बजे तक उपलब्ध होगा। **बोली प्रतिभूति जमा की जाएगी:** रु. 2,53,200/-, **कार्य की समापन अवधि:** 01 (एक) वर्ष। **विज्ञापन अवधि:** दिनांक 15.09.2025 से 07.10.2025 को 14.00 बजे तक। **प्रस्ताव जमा देने की अवधि:** 15 (पंद्रह) दिन पूर्व से दिनांक 07.10.2025 को 14.00 बजे तक। **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 07.10.2025 को 14.00 बजे तक। **निविदा की वैधता:** 66 (छियासठ) दिन। **निविदा के खुलने की तिथि और समय:** निविदा दिनांक 07.10.2025 को 15.00 बजे और उसके बाद खोली जाएगी।

MISC-210/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

दुर्गापूजा से पहले कोलकाता नगर निगम का मिलावटी खाद्य रोकने के लिए विशेष अभियान

कोलकाता, 18 सितंबर (संवाददाता)। अब हाथ में गिनती के दिन रह गये हैं। इसके बाद बंगाल का सबसे बड़ा उत्सव दुर्गापूजा शुरु हो रहा है। पूजा मतलब खाना पीना, मौज मस्ती, अड्डा। लेकिन लोगों के इस आनंद में मिलावट कहीं रंग में भंग ना कर दे। इसलिये कोलकाता नगर निगम कमर कस कर तैयार हो गया है. निगम के स्वास्थ्य विभाग ने खाद्य पदार्थों में मिलावट के खिलाफ अभियान शुरु कर दिया है।

इसी उद्देश्य से गुरुवार को हेदुआ मोड़ से डिप्टी मेयर और स्वास्थ्य विभाग के मेयर-परिषद सदस्य अतिन घोष के नेतृत्व में खाद्य मिलावट विरोधी विशेष अभियान की शुरुआत की गई। इस अभियान के तहत दुर्गापूजा से पहले अस्थायी फूड स्टॉल और रेस्तरांओं में जाकर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने भोजन की गुणवत्ता की जांच की। डिप्टी मेयर खुद अलग-अलग स्टॉल और रेस्टोरेंट में गए, मसाले, पकाया हुआ भोजन और अन्य सामग्रियों के नमूने इकट्ठा किए और उन्हें मौके पर मौजूद फूड सेफ्टी मोबाइल लैब में भेजा गया, ताकि मिलावट की तुरंत जांच की जा सके। कोलकाता नगर निगम की टीम ने हेदुआ से श्यामबाजार तक रेस्तरां

और फूड स्टॉल का निरीक्षण किया। खुले भोजन, पैक्ड आइटम और सप्लाई किए जाने वाले खाद्य पदार्थों से नमूने लिए गए। इन्हें परखा गया कि कहीं इनमें हानिकारक रंग या मिलावटी पदार्थ तो नहीं मिलाए गए। साथ ही लोगों को जागरूक करने के लिए लीफलेट बांटे गए और सुरक्षित, स्वच्छ और मिलावट-रहित भोजन पर जोर दिया गया।

विशेषज्ञों का कहना है कि दुर्गापूजा के समय असंख्य अस्थायी फूड स्टॉल और रेस्तरां खुलते हैं, जहाँ भीड़ और मांग को पूरा करने के लिए मिलावटी भोजन बेचने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में नगर निगम का यह अभियान बेहद अहम है, क्योंकि इससे आम लोगों और श्रद्धालुओं को पूजा का आनंद उठाने के साथ-साथ सुरक्षित और स्वास्थ्यकर भोजन भी मिल सकेगा।

BIRNAGAR MUNICIPALITY
Tender Notice

Sl No.	Name of Work	NIT No/(Tender ID)	Date of Publishing	Bid submission closing date online
1.	DEVELOPMENT OF GREEN SPACE AT A-BLOCK OF WARD NO-03 WITHIN BIRNAGAR MUNICIPALITY UNDER AMRUT 2.0 (Tender ID:2025_904324_1)	WBMAD/BM/8e/2025-26 Memo No. 450/PWD dated : 16.09.2025	18.09.2025 at 1.00 PM	08.10.2025 at 03.00 PM

For details please visit www.wbtenders.gov.in & www.birnagarmunicipality.org

Partha Kumar Chatterjee
Chairman
Birnagar Municipality

'आमार पाड़ा, आमार समाधान' नवंबर तक चलेगा, नवान्न ने जारी किये 80 करोड़ रुपये

कोलकाता, 18 सितंबर (संवाददाता)। राज्य सरकार ने सरकारी सेवाओं के बारे में एक अलग धारणा बनाने के लिए 'आमार पाड़ा, आमार समाधान' अभियान शुरू किया है। जिसका मुख्य उद्देश्य बूथ स्तर पर आम लोगों से उनकी समस्याओं के बारे में बात करना है। इसी तरह, राज्य प्रत्येक बूथ की छोटी-छोटी समस्याओं की पहचान करेगा और प्रत्येक बूथ को 10 लाख रुपये देगा। यह कार्यक्रम नवंबर तक चलने वाला है। लेकिन इस बीच, नबन्ना ने पहचानी गई समस्याओं के समाधान के लिए धन जारी करना शुरू कर दिया है।

वित्त विभाग के अनुसार, राज्य सरकार ने गुरुवार तक विभिन्न जिलों के लिए लगभग 80 करोड़ रुपये जारी किए हैं। 'आमार पाड़ा, आमार समाधान' कार्यक्रम 2 अगस्त से शुरू हुआ था। नवान्न के अनुसार, अब तक लगभग 24 हजार शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। उन शिविरों में आई समस्याओं में से, जिनका समाधान 10 लाख रुपये के भीतर किया जा सकता है, कई बूथों पर उनकी भी पहचान की गई है। राज्य सरकार ने ऐसे बूथों के लिए जिलेवार धन भेजना शुरू कर दिया है। राज्य में बूथों की कुल संख्या 80 हज़ार से थोड़ी ज़्यादा है। एक-चौथाई से ज़्यादा बूथ पहले ही स्थापित हो चुके हैं। इस बार इसकी शुरुआत बिना पैसे के हुई है। नवान्न ने जो धनराशि जारी की है, वह लगभग 800 बूथों के लिए है। पूजा के बाद इन सभी बूथों पर काम शुरू हो जाएगा।

नवान्न के एक अधिकारी के अनुसार, 'सरकार दिसंबर-जनवरी तक समस्याओं के समाधान का काम पूरा करना चाहती है। प्रक्रिया इसी तरह चल रही है।' कुल मिलाकर, राज्य 8 हज़ार करोड़ रुपये खर्च करेगा।

नवान्न समस्याओं की पहचान में स्थानीय लोगों की सीधी भागीदारी चाहता है। 10 लाख रुपये कोई बड़ी रकम नहीं हो सकती। हालाँकि, सरकारी अधिकारियों के अनुसार, बूथ स्तर पर छोटी-छोटी समस्याओं के समाधान के लिए 10 लाख रुपये कम नहीं हैं। छोटे पुलों का निर्माण, सड़कों का जीर्णोद्धार, ट्यूबवेल, ग्रामीण इलाकों में सड़कों का जीर्णोद्धार या निर्माण जैसे काम इसके ज़रिए किए जा सकते हैं। इस कार्यक्रम में हर कैंप में एक सरकारी अधिकारी मौजूद रहता है। लोगों की समस्याओं को सुनने के बाद, वे प्रमाण पत्र देकर परियोजना पर अपनी मुहर लगाते हैं। प्रशासन के साथ-साथ सत्तारूढ़ दल ने इस काम के लिए समानांतर संगठनों को भी तैनात किया है। राज्य में ज़्यादातर जगहों पर पंचायत या नगर पालिका स्तर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि तृणमूल के हैं। नतीजतन, उन्हें लोगों को शिविरों में लाकर काम करवाने का मौका मिलता है। विधानसभा चुनाव से पहले, नवान्न यह धारणा बनाना चाहते हैं कि सरकार मोहल्लों तक पहुँच रही है और लोगों की समस्याएँ सुन रही है और उनका समाधान कर रही है।

14 साल बाद रिहा हुए आजीवन कारावास काट रहे 840 कैदी, ममता बनर्जी ने दी शुभकामनाएं

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि 2011 से अब तक राज्य की जेलों से 840 आजीवन कारावास की सजा पाए कैदियों को रिहा किया गया है। ये वे कैदी हैं, जिन्होंने जेल में 14 साल या उससे ज्यादा समय पूरा कर लिया और अच्छा आचरण दिखाया। इसके अलावा 45 और कैदियों की रिहाई की प्रक्रिया चल रही है। मुख्यमंत्री ने गुरूवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा कि जेल सुधार गृह का मकसद अपराधियों की मानसिकता बदलना और उन्हें समाज की मुख्यधारा में वापस लाना है। जिन आजीवन कारावास पाए कैदियों ने 14 साल से ज्यादा की सजा काट ली और अच्छे व्यवहार का प्रमाण दिया, उन्हें सरकार ने कानून के अनुसार रिहा किया। मैं इन कैदियों और उनके परिवारों को बधाई देती हूं। उम्मीद है कि ये लोग अब समाज में अच्छे नागरिक के रूप में नई शुरुआत करेंगे।

कानून के मुताबिक, आजीवन कारावास भुगत रहे कैदी 14 साल से ज्यादा जेल काटने के बाद रिहाई के लिए आवेदन कर सकते हैं। इस दौरान अदालत और राज्य सरकार कैदी का व्यवहार, मानसिक बदलाव और अन्य पहलुओं की समीक्षा करती है। जिन कैदियों का आचरण सकारात्मक पाया जाता है, उन्हें रिहाई दी जाती है। कुछ दिन पहले ही कोलकाता निवासी सुब्रत सरकार, जो उम्रकैद की सजा काट रहे थे, जेल से रिहा हुए। सरकार और जेल प्रशासन ने उनकी मदद की। बैंक से लोन दिलाकर उन्हें एक ऑटो दिलाया गया और अब वे रोज़ रासबिहारी से बेहाला रूट पर ऑटो चलाकर नई जिंदगी शुरू कर चुके हैं।

दिसंबर में 16 लाख लाभार्थियों को मिलेगी 'बांग्लार बाड़ी' योजना की पहली किश्त

कोलकाता, 18 सितंबर (मृणाल सरकार)। राज्य सरकार दिसंबर महीने में और 16 लाख जरूरतमंद लोगों को 'बांग्लार बाड़ी' परियोजना की पहली किस्त देने जा रही है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पहल पर शुरू की गई इस योजना में पहले से ही नए लाभार्थियों की सूची तैयार हो चुकी है। अब पंचायत विभाग इन नामों की छह-स्तरीय जांच प्रक्रिया शुरू कर रहा है ताकि पूरी पारदर्शिता बनी रहे। सबसे अहम कदम के तहत 3 से 10 नवंबर के बीच ज़िले की सभी पंचायतों और सरकारी दफ़्तरों में लाभार्थियों की ड्राफ्ट सूची टांगी जाएगी। यदि कोई आपत्ति दर्ज होती है तो उसे सुधारा जाएगा और ग्रामसभा से अनुमोदन लिया जाएगा। उसके बाद अंतिम मंजूरी जिला स्तरीय परियोजना समिति देगी।

राज्य सरकार ने सभी प्रक्रियाएँ पूरी कर 30 नवंबर तक लाभार्थियों का पंजीकरण खत्म करने का आदेश दिया है। पिछले साल दिसंबर में 12 लाख लोगों को 60-60 हज़ार रुपये की पहली किस्त दी गई थी। इस साल मई महीने में उन्हें दूसरी किस्त मिली। केंद्र सरकार ने जब 'प्रधानमंत्री आवास योजना' के तहत बंगाल को अपना हिस्सा देना बंद कर दिया, तब राज्य ने ग्रामीणों के लिए स्वतंत्र रूप से 'बांग्लार बाड़ी' योजना की शुरुआत की। योजना की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए प्रशासन अतिरिक्त सतर्कता बरत रहा है।

निर्देशानुसार बीडीओ स्तर के अधिकारी कम से कम 15% घरों का दोबारा सत्यापन करेंगे। एसडीओ और जिला अधिकारी भी 15% घरों की जांच करेंगे। राज्य स्तरीय निगरानी टीम और थाने के आईसी-ओसी कुछ घरों का निरीक्षण करेंगे। सोशल ऑडिट टीम घरों के काम की गुणवत्ता परखी जाएगी।

हर लाभार्थी के घर और ज़मीन का जियो-टैगिंग अनिवार्य किया गया है। राज्य सरकार का दावा है कि यह विस्तृत सत्यापन प्रक्रिया योजना को पूरी तरह पारदर्शी बनाएगी और असली लाभार्थियों तक समय पर राशि पहुँच सकेगी।

वाजपेयी और आडवाणी लेबर रूम में न होते तो तृणमूल का जन्म ही न होता : शमिक

कोलकाता, 18 सितंबर। 1 जनवरी 1998 को ममता बनर्जी ने कांग्रेस छोड़कर नई पार्टी बनाई थी। तृणमूल कांग्रेस पिछले 14 सालों से बंगाल की सत्ता में है। लेकिन, अगर भाजपा न होती, तो क्या तृणमूल का जन्म न होता? भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने भी यही दावा किया। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस की भीषण प्रसव पीड़ा के दौरान अटल बिहारी वाजपेयी और लाल कृष्ण आडवाणी लेबर रूम में न होते, तो तृणमूल नाम का बच्चा पैदा ही न होता। तृणमूल के कुणाल घोष ने शमिक की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देने में देर नहीं लगाई। नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के मौके पर शमिक ने सबसे पहले प्रधानमंत्री के बारे में कहा कि इस समय पूरे भारत में नरेंद्र मोदी का कोई विकल्प नहीं है। जब तक नरेंद्र मोदी राजनीति में हैं, वे प्रधानमंत्री के रूप में राजनीति में ही रहेंगे। वे स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले लेंगे। क्योंकि नरेंद्र मोदी अजेय हैं। इस समय वे एक मिथक हैं। वे कब संन्यास लेंगे, यह वे ही तय करेंगे। उन्होंने भारत को अपने पैरों पर खड़ा किया है। फिर उनसे ममता बनर्जी के बारे में पूछा गया। पत्रकारों ने पूछा, क्या आपको लगता है कि इस राज्य में भी ममता बनर्जी का कोई विकल्प नहीं है? इस सवाल के जवाब में शमिक ने कहा कि यह दरअसल कुछ वामपंथियों का अभियान है। पिछली बार उन्होंने 'भाजपा को वोट न दें' का अभियान चलाया था। इस बार वे गुप्त रूप से यह प्रचार कर रहे हैं कि ममता बनर्जी का कोई विकल्प नहीं है। राज्य में वामपंथियों का सबसे बड़ा लक्ष्य अपनी विचारधारा से भटककर तृणमूल को बनाए रखना है। लेकिन वे नहीं जानते कि अगर तृणमूल का कुशासन खत्म नहीं हुआ, तो वामपंथ कभी प्रासंगिक नहीं रहेगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष से पूछा गया, 'आप वामपंथ को हटाने के लिए ममता बनर्जी के साथ थे। क्या तब आप ममता बनर्जी को अपने दिल में रखते थे?' शमिक का जवाब था, 'हमने ममता बनर्जी को अपने दिल में नहीं रखा। हमने ममता बनर्जी की पार्टी को जन्म दिया। हमने कांग्रेस को तोड़ा और ममता बनर्जी की पार्टी को जन्म दिया।' बाद में उन्होंने कहा कि हमने तृणमूल को जन्म नहीं दिया। हम जन्म के समय मौजूद थे। अगर कांग्रेस की तीव्र प्रसव पीड़ा के दौरान अटल बिहारी वाजपेयी और लाल कृष्ण आडवाणी लेबर रूम में न होते, तो तृणमूल नाम की संतान का जन्म ही न होता। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष से पूछा गया, 'क्या अब ऐसा लगता है कि तृणमूल कांग्रेस को 'जन्म' देकर कोई गलती हुई थी?' उन्होंने जवाब दिया, 'मैं फिर कहता हूँ कि अगर हम उस दिन वहाँ न होते, तो तृणमूल में कांग्रेस का जन्म ही न होता। हमारी लड़ाई कांग्रेस और सीपीएम के ख़िलाफ़ थी। उस लड़ाई की ज़रूरतों के हिसाब से हमें जो करना चाहिए था, हमने किया। अब हम वही कर रहे हैं जो हमें अपना फ़र्ज़ लगता है। बंगाल को बचाने का एक ही रास्ता है। तृणमूल का त्याग। हम अपने लक्ष्य पर अडिग हैं। हमने कहा है, कांग्रेस-मुक्त भारत। इसका मतलब कांग्रेस को हटाना नहीं है। कांग्रेस-मुक्त संस्कृति वाला भारत।'

तृणमूल ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के बयान पर प्रतिक्रिया देने में देर नहीं लगाई। सत्तारूढ़ दल के राज्य सचिव कुणाल घोष ने कहा कि ये शब्दों का खेल है। तृणमूल कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस की तरह ही है। यह पूरे बंगाल में है। केवल भाजपा बंगाल में नहीं है। यह बंगाल में कमज़ोर है। यह फिर से हार जाएगी। इसलिए, ये उनकी अपनी निराशाएँ हैं। उनकी अपनी विफलताएँ हैं। शब्दों के खेल का उपयोग करने का कोई मतलब नहीं है। भाजपा के पास जो भी वोट प्रतिशत है, वह सीपीएम द्वारा दिया गया है। तृणमूल का वोट कम नहीं हुआ है। सीपीएम का जो वोट कम हुआ है, वही भाजपा को मिला है। जब दिलीप घोष अध्यक्ष थे, तब भाजपा के पास जो था, वह अब घट रहा है।

बूथ-स्तर पर सर्वदलीय एकता चाहता है बाम

एसआईआर के नाम पर वैध वोटरों को सूची से न हटाने की मांग

कोलकाता, 18 सितंबर। देशभर में होने जा रहे एसआईआर (सर्च, आइडेंटिफिकेशन एंड रजिस्ट्रेशन) अभियान को लेकर वाम दलों ने बूथ-स्तर पर सर्वदलीय एकता की अपील की है। उनका कहना है कि असली नागरिक का वोट देने का अधिकार किसी भी कीमत पर छीना नहीं जाना चाहिए। मौलाली यूथ सेंटर में आयोजित एक चर्चा सभा में वामपंथी नेताओं ने इस मुद्दे पर साझा मंच पर आने का आह्वान किया। सीपीएम के मोहम्मद सलीम, आरएसपी के मनोज भट्टाचार्य और सीपीआई (एमएल) के दीपांकर भट्टाचार्य समेत कई नेता मौजूद थे। सीपीआई (एमएल) की पहल पर हुई इस बैठक में मोहम्मद सलीम ने कहा कि मतदाता सूची में गड़बड़ी है, हम सभी जानते हैं। मृत और फर्जी वोटर सूची में हैं। हर साल हम शिकायतें जमा करते हैं, लेकिन चुनाव आयोग में सुधार की इच्छाशक्ति नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जानबूझकर लोगों को उलझाए रखती है कभी नोटबंदी, कभी आधार लिंकिंग, कभी सीएए ताकि लोग अपने अधिकार की मांग ही न कर पाएं। सलीम ने साफ किया कि मतदाता सूची से ही समस्या की शुरुआत होती है। सीपीएम के पास राज्य के हर बूथ में बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) देने की क्षमता नहीं है। हमें वामपंथी दलों और समान विचारधारा वाले लोगों को साथ लेकर बूथ-स्तर से मताधिकार की रक्षा करनी होगी। दीपांकर भट्टाचार्य ने बिहार का उदाहरण देते हुए कहा कि आयोग और बीएलए दोनों की भूमिका पर सवाल है। नियम ऐसे बनाए गए हैं कि प्रवासी मजदूर अपनी नागरिकता खोने की कगार पर हैं। आरएसपी नेता मनोज भट्टाचार्य ने आरोप लगाया कि मौजूदा केंद्र सरकार का लक्ष्य पूंजीवाद को और सुरक्षित करना है। उनके अनुसार, एनआरसी के लिए कानून तो बना दिया गया, लेकिन जरूरी दस्तावेज न होने के कारण उसे लागू नहीं किया जा सका। अब एसआईआर के जरिए उसी मंशा को पूरा किया जा रहा है। एसयूसीआई के चंडीदास भट्टाचार्य ने कहा कि चुनाव आयोग का काम वोटर लिस्ट तैयार करना है, नाम हटाना नहीं। वहीं, सीपीआई नेता स्वपन बंद्योपाध्याय ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार लगातार संवैधानिक संस्थाओं को अपने नियंत्रण में लेने की कोशिश कर रही है।

शुभेंदु का आरोप : ममता सरकार चुनाव प्रक्रिया में कर रही है हेराफेरी

कोलकाता, 18 सितंबर (हि.स.)। बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी सरकार पर चुनावी प्रक्रिया में धांधली और पक्षपात करने का गंभीर आरोप लगाये हैं। गुरुवार को माइक्रो ब्लॉगिंग साइट एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने दावा किया कि उत्तर 24 परगना जिले के हासनाबाद ग्राम पंचायत के टीएमसी अंचल अध्यक्ष रमेश चंद्र दास को बूथ संख्या 20 का बीएलओ नियुक्त किया गया है। शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि रमेश चंद्र दास केवल अस्थायी सहायक शिक्षक हैं, इसके बावजूद उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई, जबकि उसी बूथ पर अन्य योग्य शिक्षकों को जानबूझकर नज़रअंदाज़ कर दिया गया। अधिकारी के अनुसार, यह नियुक्ति साफ तौर पर राजनीतिक पक्षपात को दर्शाता है। उन्होंने लिखा, यह कोई अलग-थलग घटना नहीं है, बल्कि टीएमसी का सुनियोजित प्रयास है कि पार्टी वफादारों को बीएलओ बनाकर चुनावी प्रक्रिया पर कब्ज़ा किया जाए। यह कदम स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की पवित्रता को धक्का पहुंचता है और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता का भरोसा कम करता है। अधिकारी ने चुनाव आयोग से मामले को तुरंत संज्ञान में लेने की अपील की है। उन्होंने मांग की कि इस तरह की नियुक्तियों को रद्द किया जाए और केवल निष्पक्ष एवं योग्य व्यक्तियों को ही बीएलओ नियुक्त किया जाए ताकि चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता बनी रहे।

।। जय अग्रसेन ।।   ।। जय अग्रवाल ।।

सेवा, शिक्षा, चिकित्सा व ज्ञान का श्रद्धास्थल

महाराजा अग्रसेन धाम

पंजीकृत कार्यालय : 32, जवाहरलाल नेहरू रोड, ओम टॉवर, 2 तल्ला, कोलकाता-700 071

प्रेरणास्त्रोत : कर्मयोगी स्व. पुष्करलाल केडिया

भगवान अग्रसेन जन्म महोत्सव

20 सितम्बर 2025 प्रातः 11 बजे
धाम परिसर, घोड़ाघाटा, बागनान
मेगा स्वास्थ्य परीक्षण, कृत्रिम पैर वितरण शिविर, साड़ी वितरण
अन्नपूर्णा सेवा

20 सितम्बर 2025 प्रातः 11 बजे
जल-छत्र (RO प्लांट का शुभ उद्घाटन)
-: उद्घाटनकर्ता :-
श्री अरूणाभ सेन (राजा दा)
विधायक

22 सितम्बर 2025 सायं 5 बजे
अग्रसेन धाम कार्यालय, कोलकाता
भगवान अग्रसेन जी का पूजन-अर्चन एवं नमन्

-: मार्गदर्शक मण्डल :-

बालव्यास पं. श्रीकान्त शर्मा, श्री राधेश्याम गोयनका, श्री नन्दलाल रूंगटा, पद्मश्री श्री प्रह्लाद राय अग्रवाल, श्री विश्वनाथ सेकसरिया, पद्मश्री श्री सज्जन भजनका, श्री सत्यनारायण देवरालिया, श्री सजन कुमार बंसल, श्री राजेश मित्तल, श्री अशोक तोदी, श्री बृजमोहन गाड़ोदिया, श्री रमेश सरावगी, श्री जे. पी. अग्रवाल, श्री विवेक गुप्ता, श्री अनुज डीडवानिया

-: कार्यकारिणी समिति सदस्य :-

श्री कुंज बिहारी अग्रवाल, श्री सुशील गोयनका, श्री ललित बेरीवाल, श्री विनोद कुमार गुप्ता, श्री विवेक अड़ूकिया, श्री बिरमप्रकाश सुल्तानिया, श्री कैलाश कयाल, श्री विश्वनाथ अग्रवाल, श्री एन. के. अग्रवाल, श्री विनोद अग्रवाल, श्री मनोज बगड़िया, श्री रमेश सोंथलिया, श्री पवन माधोगढ़िया, श्री पवन टिबड़ेवाल, श्री बनवारीलाल चौधरी, श्री राजीव कानोड़िया, श्री गिरधारीलाल गोयनका, श्री हेमचन्द गोयनका, श्री केशव बूबना, श्री प्रमोद कुमार ड्रोलिया, श्री बजरंग अग्रवाल, श्री विनोद केडिया, श्री सुरेश अग्रवाल, श्री जुगलकिशोर जाजोदिया, श्री गोपाल नरेड़ी, श्री नरेश अग्रवाल, श्री रवि खेतान, श्री सुशील मित्तल, श्री विक्कीराज सिकरिया, श्री सुशील हीरावत, श्री प्रदीप खेतान, श्री अमित केडिया, श्री सुधीर सतनालीवाला, श्री नवीन टिकमानी, श्री सुनील धनानिया, श्री आनन्द केजरीवाल, श्री मुकेश गोयल, श्री शंकरलाल अग्रवाल

महाराजा अग्रसेन धाम

ओम जालान-अध्यक्ष, मुरारीलाल दीवान-उपाध्यक्ष, दिनेश अड़ूकिया-उपाध्यक्ष, निर्मल सराफ-मंत्री, भगवानदास अग्रवाल-सह मंत्री, अशोक चूड़ीवाला-सह मंत्री, श्यामसुन्दर अग्रवाल-कोषाध्यक्ष, दीपक अग्रवाल-सह कोषाध्यक्ष, अनिल केडिया-सह कोषाध्यक्ष

महाराजा अग्रसेन धाम (महिला समिति)

सुमन जालान-अध्यक्ष, सुनीता अड़ूकिया-उपाध्यक्ष, स्वाति अग्रवाल-उपाध्यक्ष, सरिता सराफ-मंत्री, प्रेम क्याल, बीना चूड़ीवाला, बबीता दीवान-सह मंत्री, निर्मला अग्रवाल-कोषाध्यक्ष, ममता केडिया-सह कोषाध्यक्ष, सुलेखा बगड़िया-सह कोषाध्यक्ष

समस्त समाज-बन्धु सपरिवार सादर आमंत्रित हैं

● स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **विश्वम्भर नेवर** द्वारा **छपते छपते**, 26सी, क्रीक रो, कोलकाता-14 में मुद्रित एवं **छपते छपते कार्यालय**, 26सी क्रीक रो, कोलकाता- 700014 से प्रकाशित ● मुख्य संपादक : **विश्वम्भर नेवर** ● सम्पादक : **बिपिन नेवर**
● फोन : 4068-1119 ● **प्रशासन एवं विज्ञापन विभाग** : 37 शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता-700017, फोन : (033) 4068-1119

इस बार ऐसा होगा कि तेजस्वी आगे लड़ने कि हिम्मत नहीं करेंगे अमित शाह ने एसआईआर पर लालू को भी लपेटा

बेगूसराय, 18 सितम्बर। बीजेपी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि इस बार बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को ऐसा बहुमत मिलेगा कि अगली बार तेजस्वी यादव चुनाव लड़ने की हिम्मत भी नहीं कर पाएंगे। बेगूसराय में पटना और मुंगेर प्रमंडल के भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं की बैठक में शाह ने कहा कि वोटर लिस्ट रिवीजन में जब बांग्लादेशी और अन्य घुसपैठियों का वोट कटा तो लालू यादव के पेट में तेल उबलने लगा। लेकिन इस बार बीजेपी और एनडीए के साथी दलों के कार्यकर्ता ऐसी तैयारी से चुनावी मैदान में उतरेंगे और ऐसा बहुमत लाएंगे कि अगली बार तेजस्वी यादव चुनाव लड़ने की हिम्मत नहीं कर पाएंगे।

अमित शाह ने राहुल गांधी पर गंभीर आरोप लगाए और कहा कि वोटर अधिकार यात्रा के नाम पर उन्होंने घुसपैठियों को बचाने और बिहार की जनता का हक घुसपैठियों को दिलाने की यात्रा निकाली। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची को घुसपैठियों के प्रदुषण से मुक्त करने के लिए बिहार में एसआईआर कराया गया है। इसमें किसी बिहार वाले का नाम नहीं कटा है बल्कि घुसपैठियों का नाम हटाया गया है। उन्होंने कहा कि घुसपैठियों का नाम कटने से लालू के पेट में तेल क्यों उबल रहा है, क्योंकि सबको पता है कि घुसपैठिए राहुल और लालू का वोट बैंक हैं।

अमित शाह ने कहा कि लालू एंड कंपनी को बिहार के गरीबों की कोई चिंता नहीं है। राहुल गांधी भी गरीबों की चिंता नहीं करते। वे बांग्लादेश से आए घुसपैठियों की चिंता करते हैं। गृह मंत्री ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बिहार से एक-एक घुसपैठिए को बाहर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम सब सपना देखते थे कि अयोध्या में राम मंदिर बनेगा। राहुल गांधी माखौल उड़ाते थे। लेकिन मोदी ने शिलान्यास किया और प्राण प्रतिष्ठा भी की। सीतामढ़ी में 800 करोड़ की लागत से माता सीता का भव्य मंदिर बनाने का काम भी शुरू हो गया है।

शाह ने कहा कि कांग्रेस ने पाकिस्तान की आदत बिगाड़ रखी था। पीएम नरेंद्र मोदी ने सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक के बाद भी नहीं सुधरने पर ऑपरेशन सिंदूर से घर में घुसकर चिथड़े उड़ा दिए। यह बात विपक्ष वालों को पच नहीं रही है।

शाह ने कहा कि लालू ने चारा घोटाला किया। लैंड फॉर जॉब स्कैम किया। रेलवे की जमीन में घोटाला किया। बाढ़ का घोटाला किया। बेनामी संपत्ति बनाई। कई बार जेल गए और जेल से निकलते हैं तो हाथी पर बैठकर वापस आते हैं। उन्होंने कहा कि अगर उनकी सरकार गलती से भी बन गई तो बिहार के हर इलाके में घुसपैठिए फैल जाएंगे।

कीर्तन करने से मन होता है कोमल: श्रीकांत शर्मा 'बालव्यास'

■ छपते छपते समाचार सेवा

यास पीठ कथा वाचक पंडित श्रीकांत शर्मा बाल व्यास के साथ सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी श्री अशोक तोदी सपत्नीक।

कोलकाता, 18 सितम्बर। जो अपने इन्द्रियों को सांसरिक भोगों में लगाते हैं, उसे भोग नचाते हैं और जो इन्द्रियों को भगवान श्रीकृष्ण में लगाते हैं, उसके इन्द्रियों को श्रीकृष्ण नचाते हैं। ऐसे व्यक्ति पुण्य कर्म करता है। पुण्य कर्म करने से मन मक्खन जैसा कोमल होता है। जो पाप कर्म करता है उसका मन कठोर हो जाता है। जिसको झुकना आ गया समझो उसे भगवान मिल गए। झुकने से अहंकार झुक जाता है। जो नहीं झुकेगा उसका अहंकार नहीं मिटेगा। बिना अहंकार मिटे भगवान ह्रदय में विराजमान नहीं होते। मैं-मैं शब्द अहंकार का प्रतीक है। इसलिए मैं-मैं बोलने से बचो। बोलना है तो भगवान का नाम बोलो और कीर्तन करो। कीर्तन करने से श्रीकृष्ण मन और नयन चुरा लेते हैं। भगवान का अवतार और लीला नित्य होता है। भगवान श्रीकृष्ण की प्रत्येक लीलाएं मंगलकारी है।

गोर्वद्धन लीला प्रकृति की पूजा। भगवान श्रीकृष्ण गोर्वद्धन पर्वत को उठाकर इन्द्र का अभिमान तोड़ा और संदेश दिया कि अभिमान पतन का मार्ग है। ये बातें राजस्थान गौ कल्याण ट्रस्ट के तत्वावधान में श्रीमद्भागवत कथा पर प्रवचन करते हुए आचार्य श्रीकांत शर्मा बाल व्यास ने गणपति राजेश सभागार में कहीं। प्रवचन के दौरान आचार्य शास्त्री ने कहा कि धरती पर अन्न आने के पहले गाय मां अपने दूध से ऋषि-मुनियों और मनुष्यों का पोषण करती रही। ऐसे गाय मां की सेवा करने से गोपालक श्रीकृष्ण प्रसन्न हो जाते हैं। वृंदावन में परम ब्रह्म श्रीकृष्ण गाय को घास चराने जाते हैं। मालूम हो कि यह श्रीमद्भागवत कथा सुरभि सदन गौशाला के निर्माण, विकास और संचालन हेतु आयोजित की गई है। कथा को सफल बनाने में चम्पालाल सरावगी, राजेन्द्र प्रसाद बुबना, प्रेमचंद ढांढनिया, बालकिसन नेवटिया, राहुल दीवान, प्रकाश केडिया, रामस्वरूप गोयनका, विनय मस्करा, अजय पोद्दार, सिद्धार्थ दीवान, रमेश अग्रवाल सहित अन्य सदस्य सक्रिय है। इस अवसर राधेश्याम गोयनका, अशोक तोदी, विमला तोदी शकुंतला दीवान, अनीता बुबना, रेखा केडिया, विवेक दीवान, किशन चौधरी, रामकथावाचक पुरुषोत्तम तिवारी, पुनीत बालासरिया, मोहन केडिया, पवन केडिया, मनोज अग्रवाल, कमल गोयनका, पवन रूंगटा सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन संजय मस्करा ने किया।

पटना में कांग्रेस का मार्च, सरकार पर अडानी को 1 रुपये में 1050 एकड़ जमीन देने का आरोप

पटना, 18 सितम्बर। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले भागलपुर के पीरपैंती में पावर प्लांट की जमीन को लेकर सियासी पारा गर्मा गया है। कांग्रेस ने इस मुद्दे पर गुरुवार को पटना में मार्च निकाला। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और बिहार की नीतीश सरकार ने अडानी समूह को भागलपुर में पावर प्लांट लगाने के लिए महज 1 रुपये सालाना दर से 1050 एकड़ जमीन दे दी। वहीं, इस प्रोजेक्ट के लिए पीरपैंती में 10 लाख पेड़ों को काटा जा रहा है। बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने गुरुवार को कहा कि भागलपुर में अडानी ग्रुप को एक रुपये में 1050 एकड़ जमीन देने के विरोध में पार्टी की ओर से पटना में प्रदर्शन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पार्टी के सदाकत आश्रम स्थित कार्यालय से राजेंद्र बाबू की समाधि तक पैदल मार्च किया।

उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार की एनडीए सरकार किसानों और युवाओं के भविष्य को अडानी के हाथों गिरवी रख रही है। राजेश राम ने मोदी और नीतीश सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि बिहार को अडानी के हाथों बिकने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा, 1 रुपये प्रति वर्ष की दर से 1050 एकड़ जमीन और 10 लाख पेड़ों की बलि न सिर्फ किसानों के साथ अन्याय है, बल्कि यह बिहार की जनता के साथ एक बड़ी लूट है।

बीते 15 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भागलपुर जिले के पीरपैंती में 2400 मेगावाट क्षमता वाले अल्ट्रा-सुपर क्रिटिकल थर्म पावर परियोजना का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शिलान्यास किया था। पूर्णिया में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा था कि लगभग 29,000 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली यह परियोजना न सिर्फ बिहार बल्कि पूरे पूर्वी भारत की सबसे बड़ी कोयला आधारित बिजली परियोजना होगी।

बता दें कि पीरपैंती में थर्मल पावर प्लांट लगाने के लिए बिहार सरकार और अडानी पावर लिमिटेड के बीच हुए एकरारनामा हुआ है। इसके अनुसार 800 मेगावाट की तीन अलग-अलग इकाइयां यहां स्थापित की जाएंगी।

इसके लिए कोयले की आपूर्ति झारखंड के गोड्डा जिले की ईसीएल राजमहल खदान से होगी, जबकि पानी की आपूर्ति गंगा नदी से सुनिश्चित की जाएगी। कांग्रेस का आरोप है कि इस प्रोजेक्ट के लिए अडानी ग्रुप को सरकार ने महज 1 रुपये की लीज पर जमीन दे दी।

खुदीराम बोस सेंट्रल कॉलेज में हिंदी दिवस मनाया गया

■ छपते छपते समाचार सेवा

कोलकाता 18 सितंबर। कोलकाता की प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्था खुदीराम बोस सेंट्रल कॉलेज के हिंदी विभाग द्वारा हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। इस मौके पर विभाग की विद्यार्थी सोहानी भगत एवं चांदनी प्रसाद द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. शुभ्रा उपाध्याय ने कहा कि हिंदी केवल भारत के संघर्ष की भाषा नहीं अपितु राष्ट्र पहचान की भी भाषा है। हिंदी ने पूरे देश की राष्ट्रीयता को व्याख्यायित किया है। विभाग की छात्रा रिमा सिंह ने हिंदी भाषा के महत्व पर अपनी बात रखी। कैकेषा तबब्सुम और कुसुम कहार ने उदय प्रकाश की कविता एक भाषा हुआ करती है का पाठ किया। डॉ. पुष्पा मल्ल ने कहा कि हिंदी सिर्फ बाजार की भाषा बनकर न रह जाए इसलिए जरूरी है कि हिंदी को सृजनात्मकता से जोड़ा जाए। चंदन रजक ने केदारनाथ सिंह की कविता मातृभाषा की प्रस्तुति दी। अभिषेक झा और आकाश मेहता ने स्वरचित कविता का पाठ किया। सफल संचालन करते हुए डॉ. मधु सिंह ने कहा कि हिंदी वो भाषा है जो भारत की संस्कृति, परंपरा और राष्ट्रीय एकता को सशक्त करती है। हिंदी सदैव भारतीय भाषाओं को साथ लेकर चलने वाली भाषा है। आयोजन को सफल बनाने में सारिका हेला, सुमन महतो, अमृता महतो, विवेक साव, अनीषा पंडित, पायल प्रसाद, संगीता बेरा, रानी साव, अनुष्का महतो, चांदनी प्रसाद, सोहानी भगत, कुसुम कहार ने विशेष सहयोग दिया। धन्यवाद ज्ञापन रुकसाना खातून ने दिया।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी महिला समिति ने जरूरतमंदों में बांटे कपड़े

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी महिला समिति ने हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी दुर्गा पूजा के पावन उपलक्ष मे प्रोनोबानंद डिस्ट्रेस्ड वेल्फेयर समिति सिंगुर को वहाँ के जरूरतमंद स्त्रियों एवं बच्चों के लिए 200 साड़ी एवं 200 पोशाक भेंट स्वरूप प्रदान किये। इसी उपलक्ष में उन्हें मिठाई के पैकेट भी भी दी गई। ये कार्यक्रम महिला समिति के प्रांगण मे आयोजित किया गया। आज महिला समिति की ओर से उपस्थित थीं अध्यक्षा अलका बांगड़, सचिव आशा महेश्वरी, सुधा मुन्धरा, चंद्रमणि राठी, प्रभा जैन, सुमन जैन, पुष्पा बंसल, लता बाजोरिया, मधु अगरवाला, राधा कोठारी, सरोज गोयल, सुमन झुंझुनवाला, चंपा देवी कानोरिया, कुसुम जैन, मधु शुक्ला, मंजु डागा, मृषा गर्ग, रीना छाब्रा, शोभा एल सादानी, एवं सुमन चोपड़ा, सिंगुर के समिति की और से उपस्थित थे उपाध्यक्ष अजीत कुमार वर्मा, सचिव समीर कुमार सिंहराय, सह सचिव ताराशंकर घोष, इंद्राणी सूर, केया कोले, संजय घोष एवं अन्य।

दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक श्री अनिल कुमार मिश्रा द्वारा सेंट्रल अस्पताल, गार्डनरीच, कोलकाता में स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान का उद्घाटन।

दुर्गा पूजा के दौरान मदद करने में कोई समस्या नहीं, मुआवज़ा देने में दिक्कत है?

मुर्शिदाबाद हिंसा मामले पर अदालत नाराज़

कोलकाता, 18 सितम्बर। मुआवज़ा देने में आनाकानी क्यों? कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सौमेन सेन और राजा बसु चौधरी की खंडपीठ ने मुर्शिदाबाद वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ झड़प मामले की सुनवाई के दौरान नाराज़गी जताई। अदालत ने पूछा, दो समूहों के बीच संघर्ष से प्रभावित लोगों को मुआवज़ा देने में आनाकानी क्यों है? दुर्गा पूजा के दौरान मदद करने में कोई समस्या नहीं है, और ऐसे मामले में व्यक्तिगत मुआवज़ा देने में कोई समस्या है? न्यायमूर्ति सौमेन सेन ने टिप्पणी की।

गौरतलब है कि वक्फ संशोधन अधिनियम के विरोध के कारण गरमाए मुर्शिदाबाद में स्थिति और भी गंभीर हो गई। अशांति की लपटें जंगल की आग की तरह फैल गईं। कई घरों और ढाँचों में तोड़फोड़ की गई। कई लोगों के मारे जाने की भी खबरें आईं। उस घटना में एनआईए की भूमिका पर भी उच्च न्यायालय में सवाल उठाए गए। न्यायमूर्ति सौमेन सेन और राजा बसु चौधरी की खंडपीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय के बार-बार अनुरोध के बावजूद, एनआईए मामले की जाँच के लिए आगे नहीं आई है। न्यायमूर्ति सौमेन सेन ने कहा कि पहले निर्देश दिए गए थे कि एनआईए चाहे तो जाँच कर सकती है। फिर भी, इस पर अमल नहीं किया गया।

न्यायमूर्ति सेन ने कहा, यह आरोप लगाया जा रहा है कि राज्य की जाँच में कई खामियाँ हैं। जिस तरह एनआईए की मदद नहीं ली गई, उसी तरह वे भी आगे नहीं आए। आज राज्य की ओर से प्रभन्या बनर्जी ने दलीलें पेश कीं। उन्होंने कहा, आरोप पत्र दाखिल कर दिया गया है। कोई नई घटना नहीं हुई है। कुल 109 मामले दर्ज किए गए हैं। पीड़ितों की ओर से आज अदालत में अधिवक्ता प्रियंका टिबरेवाल ने दलीलें पेश कीं। उन्होंने अदालत को मुआवज़े के बारे में जानकारी दी।

मुआवज़े की रिपोर्ट के बारे में राज्य ने कहा, अभी तक अलग से मुआवज़ा नहीं दिया गया है। मूल्यांकन का पता नहीं चल पाया था, इसलिए भुगतान करना संभव नहीं था। तब न्यायमूर्ति सौमेन सेन ने पूछा, दुर्गा पूजा के दौरान अनुदान तो दिया जा सकता है, लेकिन यहाँ मुआवज़ा नहीं दिया जा सकता? अंतरिम आदेश को फिलहाल बरकरार रखा गया है। राज्य सरकार मुआवज़े के बारे में जानकारी देगी। अगली सुनवाई में जाँच की प्रगति रिपोर्ट अदालत को सौंपी जाएगी। अगली सुनवाई 20 नवंबर को है।

घूस लेते पकड़ा गया कॉलेज का प्राचार्य

मोहनियां (भभुआ), 18 सितम्बर। बिहार के कैमूर जिले में राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर अजय कुमार को विजिलेंस की टीम ने 60 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी कॉलेज के कंप्यूटर विभाग के अतिथि शिक्षक गौरव कुमार वर्मा की शिकायत पर हुई। गिरफ्तार प्राचार्य से पूछताछ के बाद विजिलेंस उन्हें अपने साथ ले गई। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो के अधिकारियों ने बताया कि यह राशि प्राचार्य ने कॉलेज के एक गेस्ट टीचर के बकाया वेतन का भुगतान करने की एवज में मांगी थी।

मिली जानकारी के अनुसार, कॉलेज के गेस्ट टीचर का बीते 6 महीने का 2.70 लाख रुपये वेतन बकाया था। प्राचार्य यह राशि जारी करने की एवज में 60 हजार रुपये की घूस मांग रहे थे। अतिथि शिक्षक ने बार-बार प्राचार्य से अनुरोध किया कि वह इतनी अधिक राशि नहीं दे पाएंगे।

पूजा से पहले बीच सड़क पर धंसान, परेशान शहरवासी

हुगली, 18 सितम्बर। चुचुड़ा नगरपालिका के 6 नंबर वार्ड के बालीरेमोड़ इलाके में आज अचानक चुचुड़ा-त्रिवेणी रोड पर बीच सड़क धंस गई। इस धंसान के कारण यातायात बाधित हो गया। प्रशासन ने तुरंत ट्रैफिक गार्डरेल लगाकर जगह को घेर दिया। वार्ड नंबर 6 के काउंसिलर झंटू विश्वास घटना की खबर पाकर मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि नमामी गंगे परियोजना के तहत केएमडीए काम कर रही थी। सड़क के नीचे रेत से भराई की जानी थी, लेकिन यह काम सही से नहीं किया गया।

इसी वजह से बारिश में धंसान हो गया। उन्होंने कहा कि पूजा शुरू होने में अब कुछ ही दिन बाकी हैं, वहीं शहर की सड़कों की हालत पहले से ही खराब है।

ऐसे में यह धंसान लोगों की चिंता और बढ़ा रहा है। स्थानीय निवासी रिपर्णा मुखर्जी ने कहा, सड़क धंस गई है, इसे तुरंत दुरुस्त करना ज़रूरी है। पास ही हुगली गर्ल्स स्कूल है, जहां बच्चों के आने-जाने में दिक्कत होगी।

सेंट जोन्स स्कूल ने रोबोटिक्स और भौतिकी के माध्यम से संस्कृति, नवाचार और महिला सशक्तिकरण का संगम किया

■ छपते छपते समाचार सेवा

कोलकाता, 18 सितम्बर। जैसे ही कोलकाता दुर्गा पूजा की तैयारी में व्यस्त है, सेंट जोन्स स्कूल, सॉल्ट लेक ने ज्ञान और रचनात्मकता के अपने स्वयं के उत्सव की शुरुआत की। एक्सोएर्गिक 2025, स्कूल की वार्षिक रोबोटिक्स और भौतिकी प्रदर्शनी, आज सुबह 11. 00 बजे उद्घाटित हुई, जो एक दशक से अधिक पुरानी परंपरा को आगे बढ़ा रही है। इस वर्ष का विषय महिलाएँ इन स्टीम- विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, कला और गणित में अग्रणी महिलाओं का सम्मान करता है। छात्रों द्वारा निर्मित माँ दुर्गा की स्थापना ने पारंपरिक अस्त्रों को नवाचार के प्रतीकों से बदल दिया है।

पुस्तक - ज्ञान, शिक्षा और बुद्धि की खोज का प्रतीक। कैलकुलेटर - विश्लेषणात्मक सोच, समस्या समाधान और गणित की शक्ति का प्रतीक। गियर - इंजीनियरिंग, यांत्रिकी और नवाचार की आपसी कड़ी को दर्शाता है। बल्ब - रचनात्मकता, आविष्कार और नए विचारों की चिंगारी का प्रतीक। दूरबीन - अन्वेषण, जिज्ञासा और विज्ञान की सीमाओं का विस्तार दर्शाती है। रॉकेट - महत्वाकांक्षा, प्रगति और प्रौद्योगिकी से सीमाओं के पार जाने का प्रतीक। पेंटब्रश - कलात्मक अभिव्यक्ति, संस्कृति और स्टीम में रचनात्मकता की भूमिका का उत्सव। नोटबुक - अनुसंधान, दस्तावेज़ीकरण और खोज के लिए अनुशासन का प्रतीक। ये सभी प्रतीक मिलकर शक्ति की बुद्धिमत्ता, दृढ़ता और रचनात्मक ऊर्जा को दर्शाते हैं, जो प्राचीन परंपरा को आधुनिक नवाचार से जोड़ते हैं।

एक्सोएर्मिक की हर प्रदर्शनी को छात्रों ने स्वयं शोध कर, प्रोटोटाइप बनाकर और निष्पादित करके तैयार किया है। उन्होंने वास्तविक जीवन की चुनौतियों की पहचान की, प्रोटोटाइप बनाए, परीक्षण और परिष्कृत किए, और अपने निष्कर्ष दर्ज किए किए बिल्कुल वास्तविक वैज्ञानिक शोध की तरह। शिक्षक मार्गदर्शक के रूप में रहे, लेकिन सर्किटरी, प्रोग्रामिंग, भौतिकी मॉडलिंग और सौंदर्य प्रस्तुति तक हर चरण का स्वामित्व छात्रों का रहा।

इस वर्ष, छात्रों ने एक वेलकम रोबोट बनाया, एक्सोएर्गिक 2025 के लिए एक समर्पित वेबसाइट कोड और डिजाइन की, और सभी प्रदर्शनी की लाइटिंग का प्रबंधन भी किया यह उनकी तकनीकी और रचनात्मक स्वतंत्रता को उजागर करता है।

आज के कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि थे डॉ. सुभासिस भौमिक - प्रोफेसर, डिपार्टमेंट ऑफ एयरोस्पेस इंजीनियरिंग एंड एप्लाइड मेकैनिक्स, आआईईएसटी शिबपुर, डॉ. महेंद्र नाथ सिन्हा रॉय रीडर इन फिजिक्स, प्रेसीडेंसी कॉलेज, कोलकाता; गेस्ट लेक्चरर, जगदीश बोस इंस्टिट्यूट, सॉल्टलेक।

चीन के वाणिज्य दूतावास से सुश्री ली शु यूए, सुश्री वेई शियाओयू, और सुश्री हे लिली, सुश्री जूलिया मार्टिन लेग्रो अटैशे फॉर कोऑपरेशन ऑन फ्रेंच लैंग्वेज, फ्रांस के वाणिज्य दूतावास, कोलकाता। सुश्री एकातेरिना ट्यूरिना वाणिज्य दूतावास, रूसी संघ, कोलकाता।

श्रीमती तुलसी सिन्हा रॉय स्ब्ब्धृ्ष्ट, बिधाननगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन।

प्रोफेसर (डॉ.) स्वामी वेदज्ञानंदजी महाराज डिपार्टमेंट ऑफ केमिकल इंजीनियरिंग, हेरिटेज कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी। रेवरेन्ड सिस्टर जॉर्जिना और रेवरेन्ड सिस्टर मरीना, लाविनिया हाउस। दुर्गा पूजा की उत्सवधारा में, एक्सोएर्गिक 2025 केवल एक प्रदर्शनी नहीं यह महिलाओं के सशक्तिकरण, अनुभवात्मक शिक्षा और स्ज्ञश्वरूउत्कृष्टता का उत्सव है। छात्रों को शोध, निष्पादन, रोबोट, वेबसाइट और यहाँ तक कि लाइटिंग का भी दायित्व देकर, सेंट जोआन्स साबित करता है कि सच्ची शिक्षा वही है जहाँ जान और अभ्यास का संगम होता है, और परंपरा और नवाचार मिलकर भविष्य के नेताओं के लिए मार्ग रोशन करते हैं।

शोक संवाद

सुरेन्द्र कुमार कंसल

श्री सुरेन्द्र कुमार कंसल का स्वर्गवास 14 सितम्बर को हो गया है। बैठक 19 सितम्बर को दोपहर 3 से सायं 5 बजे तक कम्युनिटी हॉल, पी एस पनाश, 3, महिषबधान रोड, कोलकाता-700102 में होगी। श्री सुरेन्द्र कुमार कंसल के निधन से प्रेमलता कंसल, राजेन्द्र कंसल, गजेन्द्र कंसल एवं समस्त कंसल परिवार शोकाकुल है।

राजकुमार शर्मा

श्री राजकुमार शर्मा का स्वर्गवास 14 सितम्बर को हो गया है। बैठक 21 सितम्बर को दोपहर 2 से सायं 5 बजे तक हरियाणा भवन, प्रथम तल, 40ए विवेकानंद रोड, कोलकाता-6 में होगी। श्री राजकुमार शर्मा के निधन से अभिजीत शर्मा, अरुणाभ एवं समस्त शर्मा परिवार शोकाकुल है।

संतोष कुमार सिकरिया

श्री संतोषु कुमार सिकरिया का स्वर्गवास 15 सितम्बर को हो गया है। बैठक 15 सितम्बर को दोपहर 2 से सायं 5 बजे तक सीकर भवन, 1ए आशुतोष डे लेन, कम्युनिटी हॉल, तीसरा तल, कोलकाता-700006 में होगी। श्री संतोषु कुमार सिकरिया के निधन से पुष्पा देवी, श्रीगोपाल, अनिता एवं समस्त सिकरिया परिवार शोकाकुल है।

नोट : इस स्तंभ के अन्तर्गत मृत्यु की सूचना नि:शुल्क प्रकाशित की जाती है। पाठकों से निवेदन है कि वे शोक समाचार पूरे विवरण, मृत्यु प्रमाण पत्र की प्रति के साथ हमारे कार्यालय में भेज दें। हमारे ई मेल chhapte@hotmail.com पर शोक संवाद भेजा जा सकता है। शोक समाचार मृतक की फोटो के साथ प्रेषित कर सकते हैं। - **संपादक**

आज के राशिफल

मेष: चिंता तथा तनाव रहेंगे। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। चोट व रोग से बचें। विवाद न करें।

वृष: यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। बकाया वसूली होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

मिथुन: कार्यप्रणाली में सुधार होगा। योजना फलीभूत होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

कर्क : राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बढ़ेगी।

सिंह: चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। व्यवसाय ठीक चलेगा। जल्दबाजी न करें।

कन्या: कोर्ट व कचहरी के कार्य बनेंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

तुला: संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। थकान महसूस होगी। रोजगार में वृद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी।

वृश्चिक : रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। व्यवसाय मनोनुकूल लाभ होगा।

धनु: दौड़-धूप अधिक होगी। बुरी सूचना मिल सकती है। विवाद न करें। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

मकर: मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। घर-बाहर पूछ-परख बनी रहेगी।

कुंभ: भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

मीन: यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ होगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें।

महाराजा अग्रसेन जयन्ती पर सेवा शिविर का आयोजन

कोलकाता, 18 सितम्बर। महाराजा अग्रसेन धाम द्वारा अग्रसेन जयन्ती पर सेवामूलक आयोजन किए जाएंगे। इस आशय की जानकारी देते हुए धाम के अध्यक्ष ओम जालान एवं मंत्री निर्मल सराफ ने बताया कि बागनान स्थित धाम परिसर में शनिवार 20 सितम्बर को मेगा स्वास्थ्य परीक्षण, साड़ी वितरण एवं अन्नपूर्णा सेवा की जाएगी। आयोजन में बाल व्यास श्रीकान्त शर्मा का सानिध्य रहेगा। इसी दिन विधायक अरूणाभ सेन के करकमलों से नए आरओ प्लान्ट का उदघाटन भी होगा। सोमवार 22 सितम्बर को कोलकाता स्थित अग्रसेन धाम के पंजीकृत कार्यालय में अग्रसेन जी महाराज का पूजन-अर्चन का कार्यक्रम रखा गया है। आयोजन की सफलता के लिए धाम के समस्त मार्गदर्शक, ट्रस्टी, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सक्रिय हैं।

।। सुप्रभातम् ।।

श्रीमद्भगवद्गीता

अथ त्रयोदशोऽध्याय:

श्रीभगवानुवाच

असक्तिरनभिष्वङ्ग: पुत्रदारगृहादिषु ।
नित्यं च समचित्तत्वमिष्टानिष्टोपपत्तिषु ॥ 10।

पुत्र, स्त्री, घर और अन्य भौतिक वस्तुओं के प्रति आसक्त न होने का भाव, शुभ और अशुभ की प्राप्ति पर भी निरन्तर एक समान रहने का भाव। 10।

छपते छपते
शुक्रवार, 19 सितंबर 2025

कानूनों का दुरुपयोग, कोर्ट की टिप्पणी से लेना होगा सबक

दहेज उत्पीड़न के एक मामले की सुनवाई करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने जो टिप्पणी की, वह यही बताती है कि दहेज रोधी कानून का किस तरह दुरुपयोग हो रहा है। यह पहली बार नहीं है जब किसी उच्चतर अदालत ने इस कानून के दुरुपयोग को लेकर चिंता जताई हो अथवा अपनी टिप्पणी से देश का ध्यान आकर्षित किया हो। दिल्ली हाई कोर्ट की तरह से अन्य उच्च न्यायालय भी इस तरह की टिप्पणियां कर चुके हैं। और तो और कुछ मामलों में सुप्रीम कोर्ट भी ऐसी ही टिप्पणियां कर चुका है। दिल्ली हाई कोर्ट ने अपने समक्ष उपस्थित मामले की सुनवाई करते हुए न केवल दहेज उत्पीड़न की झूठी प्राथमिकी रद करने का आदेश दिया, बल्कि इस आवश्यकता पर भी बल दिया कि दहेज उत्पीड़न के झूठे मामलों में फंसे लोगों को उत्पीड़न से बचाना अदालत का कर्तव्य है। क्या यह उम्मीद की जाए कि उसकी टिप्पणी का सभी अदालतें संज्ञान लेंगी और दहेज निवारण अधिनियम के दुरुपयोग को रोकने के लिए सक्रियता दिखाएंगी? उन्हें ऐसा करना ही होगा, क्योंकि कुछ मामले ऐसे आए हैं, जिनमें दहेज के झूठे मामले में फंसे लोगों ने आत्महत्या कर ली। केवल दहेज निरोधक कानून का ही दुरुपयोग नहीं हो रहा है। इसके साथ ही कुछ अन्य कानूनों का भी दुरुपयोग हो रहा है। इनमें कई कानून ऐसे हैं, जो महिलाओं को उत्पीड़न-शोषण से बचाने के लिए बनाए गए हैं। दहेज निरोधक कानून के अलावा जिस कानून का दुरुपयोग आम हो चला है, वह है दुष्कर्म रोधी कानून। दुष्कर्म के झूठे मामले सामने आने का जो सिलसिला कायम है, वह खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। इस कानून के दुरुपयोग पर भी अदालतों की ओर से कठोर टिप्पणियां की जा चुकी हैं। कुछ मामले तो ऐसे भी रहे हैं, जिनमें दुष्कर्म के झूठे आरोप लगाने वाली महिलाओं को सजा भी सुनाई गई। नि:संदेह दुष्कर्म और दहेज के झूठे मामलों के आधार पर ऐसे किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा जा सकता कि महिलाओं को दहेज के लिए तंग नहीं किया जाता अथवा वे दुष्कर्म का शिकार नहीं होतीं। सच तो यह है कि ऐसी घटनाएं भी थमने का नाम नहीं ले रही हैं। इन स्थितियों में उन उपायों पर विचार करने की जरूरत है, जिनसे किसी भी कानून के मनमाने इस्तेमाल को रोका जा सके। वैसे तो दुनिया में ऐसा कोई कानून नहीं, जिसका दुरुपयोग न होता हो, लेकिन जिन कानूनों का दुरुपयोग बढ़ता चला जा रहा हो और जो उत्पीड़न एवं उगाही का जरिया बन गए हों, उनमें ऐसे कुछ संशोधन-परिवर्तन करने पर विचार होना चाहिए, जिससे उनके बेजा इस्तेमाल को रोका जा सके। ऐसा करते समय इस पर ध्यान देना होगा कि महिलाओं को उत्पीड़न से बचाने के लिए बनाए गए अनेक कानून लिंग निरपेक्ष नहीं हैं और इसीलिए उनका दुरुपयोग बढ़ गया है।

विज्ञान समाचार

दुनिया के महासागरों में है लाखों टन सोना, 2000 करोड़ डॉलर है कीमत

क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि समंदर के अंदर दुनिया का अथाह खजाना छिपा हुआ है। यह खजाना शुद्ध सोने के रूप में समुद्र के अंदर मौजूद है, जिसकी कीमत खरबों डॉलर है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि पृथ्वी के महासागरों और सागरों में लाखों टन सोना मौजूद है, जो पानी में घुला हुआ है। वैज्ञानिकों ने इस सोने को निकालने के तरीकों पर शोध किया है, लेकिन यह कोई आसान काम नहीं है। हर 10 करोड़ मीट्रिक टन समुद्री जल में एक ग्राम सोना पाया जाता है। सवाल उठता है कि यह सोना कैसे निकाला जा सकता है और भविष्य में समुद्र से सोना निकालना संभव हो पाएगा या नहीं?

नेचर और जर्नल ऑफ द अमेरिकन केमिकल सोसायटी (2018) में प्रकाशित स्टडी ने इन सोने को निकालने के तरीके सुझाए हैं, लेकिन यह प्रक्रिया अभी भी आर्थिक रूप से बहुत जटिल है। वैज्ञानिकों का मानना है कि समुद्र में लाखों टन सोना है, जिसकी कीमत मौजूदा अनुमानों के अनुसार, 2000 करोड़ डॉलर हो सकती है। अनुमान के अनुसार, समुद्र के पानी में 2 करोड़ टन सोना घुला हुआ है। इस सोने के खनन पर अक्सर चर्चा होती रही है, लेकिन इसका कोई समाधान नहीं निकला है।

यह सोना प्राकृतिक प्रक्रियाओं के जरिए सागरों तक पहुंचा है। इनमें से एक प्रक्रिया भूमि अपरदन है, यानी चट्टानों और अन्य प्राकृतिक वस्तुओं से सोना धीरे-धीरे समुद्र में रिसता है। बारिश और नदियां धीरे-धीरे चट्टानों को तोड़ती हैं। इस दौरान उनमें मौजूद सोने की कुछ मात्रा समुद्र में पहुंच जाती है। इसके अलावा हाइड्रोथर्मल वेंट भी जिम्मेदार है। यह उन क्षेत्रों में होता है, जहां टेक्टोनिक प्लेटें मिलती हैं, जिससे गर्मी के कारण सोने समेत घुले हुए खनिजों से युक्त तरल पदार्थ निकलते हैं।

समुद्र से सोना निकालना बेहद जटिल प्रक्रिया है। विशाल क्षेत्रों में सोना अल्पमात्रा में मौजूद है। एक लीटर पानी में 1 नैनोग्राम से भी बहुत कम सोना है। यहां समझना जरूरी है कि 1 अरब नैनोग्राम से एक ग्राम होता है। समुद्री खनन एक तकनीकी चुनौती बना हुआ है। 1941 में किए गए नेचर पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन में एक विद्युत रासायनिक विधि का प्रस्ताव रखा गया था, जिसकी लागत सोने के मूल्य से 5 गुना अधिक होती। अमेरिकी केमिकल सोसायटी के जर्नल में 2018 में प्रकाशित एक अन्य विधि में एक पदार्थ का जिक्र किया गया था, जो स्पंज की तरह सोने को सोख सकता है। हालांकि, इस विधि को बढ़ाकर बड़ी मात्रा में सोना निकालकर लाभप्रद रूप से निकालना अभी भी एक चुनौती बनी हुई है।

बाढ़ प्रभावित पंजाब में ड्रोन की राहतकारी क्षमताएं

■ एसएस सेखों

निम्न-ऊंचाई हवाई सेवा यानि ड्रोन-सर्विस आर्थिकी एक उभरता हुआ पारिस्थितिक तंत्र है जिसमें रसद, सामान, कृषि, निगरानी और स्वास्थ्य सेवा के तौर-तरीके बदलने की क्षमता है, ये सभी हवा में 1,000 मीटर की ऊंचाई तक काम करते सकते हैं। ड्रोन तकनीक में उन्नति और हवाई गतिशीलता में प्रगति से यह प्रणाली कई स्तरों पर फैली हुई है - तत्काल वस्तु डिलीवरी और शहरी प्रबंधन (0-120 मीटर ऊंचाई), एक्सप्रेस माल ढुलाई (120-300 मीटर), और मानवयुक्त इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेक-ऑफ और लैंडिंग (ईवीटोल) विमान (300-1,000 मीटर)। वैश्विक स्तर पर, ड्रोन बाजार 2024 में 73 बिलियन अमेरिकी डॉलर से, लगभग 14 प्रतिशत वार्षिक चक्र वृद्धि दर पाकर, 2030 तक लगभग 164 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।

निम्न-ऊंचाई हवाई सेवा क्षेत्र, जो हमारे खेतों और शहरों के ठीक ऊपर का आकाश है, आधुनिक अर्थव्यवस्था की सबसे मूल्यवान अग्रणी प्रणाली में से एक बन गया है। कल्पना कीजिए, ड्रोन बाढ़ग्रस्त फसलों की मैपिंग कर रहे हैं, खेतों में सटीक स्प्रे कर रहे हैं, दवाएं पहुंचा रहे हैं, या ई-एयर टैक्सियों को ट्रैफ़िक लांघने में सक्षम कर रहे हैं, और ये सभी एआई द्वारा समन्वित हैं। सवाल है, पंजाब अपनी सबसे गंभीर चुनौतियों से निपटने को इस सीमांत क्षेत्र का कैसे उपयोग कर सकता है?

वर्ष 1988 के बाद से पंजाब अपनी सबसे भीषण बाढ़ से जूझ रहा है। जिसमें 1,400 से ज़्यादा गांव जलमग्न हुए, 37 लोगों की जान गई और करीब 3.75 लाख एकड़ कृषि भूमि जलमग्न हुई है। सभी 23 ज़िलों के 3.5 लाख से ज़्यादा लोग प्रभावित हुए हैं, जिनमें गुरदासपुर, अमृतसर, तरनतारन और होशियारपुर पर असर सबसे ज़्यादा रहा। बाढ़ ने घरों और फसलों को तबाह कर दिया, सड़कें टूट गईं जिससे राहत पहुंचाने में मुश्किलें आईं। छोटे किसानों के लिए, यह झटका गंभीर है : जहां बीज, उर्वरक और ईंधन लागत पुन: मुंह बाए खड़ी है, जबकि आय संभावना खत्म हो गई। राहत का वादा किया है, लेकिन अक्सर यह धीमी व नाकाफी होती है। ड्रोन से मैपिंग और राहत कार्य जीवन रेखा साबित हो सकती है, जिससे नुकसान का आकलन, पुन- बुवाई योजना निर्माण व प्रभावी सहायता देने में मदद मिल सकती है।

बाढ़ आना पंजाब के लिए निरंतर चुनौती बनी हुई है। लगभग हर मानसून में, उफनती नदियां और किनारे तोड़कर नहरें गांव जलमग्न करती हैं, फसलें और परिवार डूब जाते हैं। यह पारंपरिक ज़मीनी आकलन की मुश्किलों को और बढ़ा देता है; जब तक अधिकारी पहुंचते हैं नुकसान और बढ़ चुका होता है। ड्रोन का इस्तेमाल इसमें नाटकीय बदलाव ला सकता है। कुछ ही घंटों में, वे डूबे हुए खेतों, टूटे तटबंधों और क्षतिग्रस्त नहरों का नक्शा पा सकते हैं, राहत दलों का मार्गदर्शन कर सकते हैं और भोजन व दवाइयों के लिए सुरक्षित स्थानों की पहचान कर सकते हैं। वे दिखा सकते हैं कि कौन से खेत कृषि योग्य बचे हैं, विश्वसनीय बीमा प्रमाण तैयार कर सकते हैं और संवारे तटबंधों और जल निकासी नेटवर्क की निगरानी कर सकते हैं। अगर सही से तैनात किए जाएं, तो ड्रोन पंजाब के बाढ़ प्रबंधन को प्रतिक्रियात्मक राहत व्यवस्था से सटीक प्रणाली की ओर ले जा सकते हैं - नुकसान में कमी, सुधार में तेज़ी और लचीलापन।

भारतभर के उदाहरण इन संभावनाओं को बताते हैं। विजयवाड़ा (2024) में, ड्रोन ने बाढ़ में फंसे 5,000 से ज़्यादा लोगों तक प्रति घंटे 200 बार राहत सामग्री पहुंचाई। पंजाब में भी पटियाला में प्राकृतिक जल प्रवाह मैपिंग करने को ड्रोन तैनात किए हैं, जिससे डूबे क्षेत्र का मानचित्रण जारी है, जो बेहतर जल निकासी और बाढ़-रोधी बुनियादी ढांचे का मार्गदर्शन करते हैं।

हालांकि, बाढ़ पंजाब के कृषि संकट का केवल एक हिस्सा है। भूजल मे तीव्र गिरावट, रसायनों पर बढ़ती निर्भरता व व्यस्त मौसम में मज़दूरों की कमी तो है ही, जलवायु परिवर्तन मौसम को भी अनिश्चित बना रहा है। कृषि आय ठहरी है लेकिन लागत बढ़ती जा रही है। क्या हो यदि समाधान हमारे सिर के ऊपर ही तैर रहे हों? यहीं पर कम ऊंचाई हवाई तंत्र एक बड़ा बदलाव ला सकता है। ड्रोन कीटनाशकों का सटीक स्प्रे करके, रसायनों की बचत और किसानों की सेहत की रक्षा कर सकते हैं। मिट्टी और नमी का मानचित्रण सिंचाई और उर्वरकों के उपयोग में दिशा दे सकता है, जिससे लागत और पानी की बचत होगी। ड्रोन कीटों और पोषक तत्वों की कमी का पता जल्द लगा सकते हैं, और पराली जलाने की समस्या से निबटने में भी मदद कर सकते हैं। बागवानी में भी ड्रोन सर्वेक्षणों से लाभ हो सकता है।

निम्न-ऊंचाई हवाई तंत्र पंजाब की बड़ी समस्याएं हल कर सकता है : जल, कीटनाशक, श्रम और आपदाएं। किसानों के लिए, इसका अर्थ है कम लागत, स्वस्थ फसलें और जल्द राहत। राज्य के लिए, अर्थ है तेज़, सस्ती व प्रभावी सेवाएं। पंजाब को चार स्तंभों पर आधारित समर्पित निम्न ऊंचाई हवाई मिशन शुरू करना चाहिए। प्रथम है नीति : कृषि, स्वास्थ्य सेवा और बुनियादी ढांचे में ड्रोन इस्तेमाल अनुमति के लिए सिंगल विंडो मंजूरी प्रणाली। दूसरा, बुनियादी ढांचा: मंडियों, पशु चिकित्सा केंद्रों और मेडिकल कॉलेजों में ज़िला-स्तरीय ड्रोन-पैड और चार्जिंग स्टेशन, जिन्हें जरूरत में राज्य के तंत्र से मदद मिले। तीसरा उद्योग समर्थन : ड्रोन निर्माण, बैटरी और मरम्मत केंद्रों के लिए प्रोत्साहन संग निम्न-ऊंचाई हवाई तंत्र, यह युवाओं के लिए रोज़गार पैदा करने के साथ-साथ स्थानीय आपूर्ति शृंखलाओं का निर्माण करेगा। चौथा स्तंभ, मांग एकत्रीकरण: स्प्रे, निरीक्षण और वितरण संबंधी पूर्वानुमानित राज्य अनुबंध, जिससे स्टार्ट-अप्स को छोटे किसानों को किफ़ायती सेवाएं देने का भरोसा मिलेगा।

पंजाब का शैक्षणिक आधार इस मिशन की नींव बन सकता है। पंजाब कृषि विश्वविद्यालय फसल-विशिष्ट के लिए छिड़काव प्रोटोकॉल और जल-बचत संबंधी परामर्श तैयार कर जारी सकता है। इंजीनियरिंग संस्थान एआई सिस्टम, सेंसर और कोल्ड-चेन वितरण विधियों में नवाचार कर सकते हैं। जीवंत प्रदर्शन प्रयोगशालाएं ड्रोन-खेती का नमूना पेश कर सकती हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम युवाओं को ड्रोन पायलट, मरम्मत तकनीशियन और डेटा ऑपरेटर के रूप में प्रशिक्षित कर सकते हैं। बठिंडा में 'ड्रोन दीदी' जैसी पहल, जिसमें महिला किसान ड्रोन-स्प्रे सेवा प्रदान कर कमाई कर रही हैं, और पीएयू का नया डीजीसीए-अनुमोदित ड्रोन ट्रेनिंग केंद्र, पहले ही भविष्य की राह दिखा रहे हैं।

वैश्विक स्तर पर चीन का निम्न-ऊंचाई वाले ड्रोन नवाचारों में दबदबा है। यूरोप और अमेरिका चिकित्सा आपूर्ति और शहरी गतिशीलता के लिए 'समर्पित ड्रोन कॉरिडोर' बना रहे हैं। भारत ने भी डिजिटल स्काई प्लेटफ़ॉर्म, स्थानीय ड्रोन निर्माण और मेडिकल ड्रोन पायलटों के साथ शुरुआत की है। पंजाब, अपनी सघन खेती, मज़बूत उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के साथ, बड़े पैमाने पर इन प्रयासों का नेतृत्व करने को विशिष्ट स्थिति में है।

पंजाब के लिए, यह दृष्टिकोण व्यावहारिक व फौरी जरूरत है : जल बचत, कीटनाशक इस्तेमाल में कमी लाना, फसल सुरक्षा, बाढ़ राहत में तेज़ी और रोजगार सृजन। अगर इन्हें सड़क, बिजली और ब्रॉडबैंड जैसे बुनियादी ढांचे के रूप में देखा जाए, तो कम ऊंचाई हवाई सेवाएं कुछ ही वर्षों में परिणाम दे सकती है।

पंजाब का आसमान एक ऐसा कार्यस्थल है जिसके अपने सृजन का इंतज़ार है। अगर पंजाब साहसपूर्वक और तेज़ी से काम करे, तो यह पहल छिपे संकटों को अवसरों में बदल सकती है और अपने किसानों एवं युवा, दोनों के लिए, एक उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित कर सकती है। ड्रोन बाढ़ को तो रोक नहीं सकते, लेकिन वे पंजाब की आपदा को पुनरुत्थान और आशा में बदलने में मदद कर सकते हैं।

टोल सलामत मगर रास्ते नदारद

वादा तो हमसे यह हुआ था कि सड़कें गड्ढा मुक्त होंगी पर यह नहीं सोचा था कि गड्ढे ही सड़क मुक्त हो जायेंगे। ऐसी सड़कों पर चलने वालों के लिए मुआवजा देने का प्रावधान होना चाहिए। और एक गड्ढा मंत्रालय भी बनना चाहिए ताकि गड्ढों की उचित देखभाल हो सके। आज़?ादी के 78 साल बाद भी बरसात का मौसम आते ही गड्ढों में गये हाईवे। टोल सलामत पर रास्ते गुम। सड़क चाहे बनने के दूसरे ही दिन उखड़ जाये पर स्पीड ब्रेकर पता नहीं किस घोल से बनाये जाते हैं।

बारिशों में सड़क धंसना और यातायात ठप होना आम बात है। पर इतना तो किया जा सकता है कि सड़कों के यू-टर्न पर उन नेताओं की फोटो लगाई जा सकती है जो गुड़ने लोटे की तरह पलटी मारते हैं। सड़कों के साइन बोर्ड पर यह भी लिखा जाना चाहिये- सावधान! आगे लोग मोबाइल चला रहे हैं।

असल में गड्ढे सिर्फ बरसात की देन नहीं होते, ये भ्रष्टाचार के जिंदा सबूत हैं जो हर गुजरते वाहन को यह याद दिलाते हैं कि असली गड्ढा सड़कों के नीचे नहीं, ऊपर बैठी कुर्सियों के नीचे है। सरकारें बदलती हैं, मंत्री बदलते हैं, अफसर बदलते हैं लेकिन गड्ढे? मजाल है कि टस से मस हों।

व्यंग्य

शमीम शर्मा

और फिर प्रारंभ होता है मरम्मत का सिलसिला। सड़क की मरम्मत के बहाने ठेकेदारों की तिजोरी की मरम्मत होती है। हर साल करोड़ों का बजट पास होता है, सड़क निर्माण की फाइलें मोटी होती जाती हैं, लेकिन सड़कों की परतें पतली। सड़क बनते-बनते ठेकेदार की नई गाड़ी, इंजीनियर का नया बंगला बनने लगता है।

जब तक जनता यह नहीं समझेगी कि गड्ढे केवल सड़कों पर नहीं, उनके अपने वोट और चुप्पी में भी हैं तब तक यह देश बस वादों के ब्रॉशर में चमकेगा और हकीकत में गड्ढों में ही डूबा रहेगा। सड़क का नहीं, सोच का गड्ढा भरना होगा।

हर गड्ढा यह गवाही देता है कि भ्रष्टाचार का असली गड्ढा सड़कों से गहरा है। इस गड्ढे को रोड़ी और तारकोल से नहीं बल्कि ईमानदारी और जवाबदेही से ही भरा जा सकता है। अगर ऐसा न हुआ तो आने वाले दिनों में नेताओं के भाषणों की चिकनी, चौड़ी और चमचमाती दिखाई देने वाली सड़कें खंडहर होकर राष्ट्रीय धरोहर में सम्मिलित हो जायेंगी। एक मनचले का कहना है कि सड़क के गड्ढे में कोई टूटा हुआ सिम दिख जाये तो समझ जाना कि कोई ससुराल चली गई।

सवाल

कई बार
गहरा मौन
पूछता है
मुझ से
तू है कौन?
यह सवाल
जीवन पर
भारी है
उत्तर की
तलाश जारी है।

- जयकुमार रुसवा

रोज सुबह पिएं पीले रंग का ये पानी, कम होने लगेगा वजन, हड्डियों के लिए भी फायदेमंद

क्या आपने कभी केसर का पानी पिया है? अगर नहीं, तो आपकी जानकारी के लिए बता दें कि केसर के पानी में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपकी ओवरऑल हेल्थ को सुधारने में कारगर साबित हो सकते हैं। एक कप पानी को गर्म कर लीजिए और फिर इसमें केसर के कुछ धागों को डाल दीजिए। थोड़ी देर तक केसर के धागों को पानी में भिगोकर रखें और फिर इस पानी को पी जाएं। आइए केसर का पानी पीने के कुछ हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में जानते हैं।

वेट लॉस में मददगार

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि पोषक तत्वों से भरपूर केसर का पानी पीने से शरीर के मेटाबॉलिज्म को बूस्ट किया जा सकता है जिसके कारण वजन घटाने में भी मदद मिल सकती है। इसके अलावा पेट से जुड़ी समस्याओं को दूर कर गट हेल्थ को सुधारने के लिए भी केसर का पानी पीने की सलाह दी जाती है।

हड्डियों को मजबूत बनाए

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक केसर का पानी हड्डियों को मजबूत बनाए रखने में भी असरदार साबित हो सकता है। जिन लोगों को जोड़ों के दर्द की समस्या रहती है, वो भी केसर के पानी को डाइट प्लान का हिस्सा बना सकते हैं। क्या आप जानते हैं कि केसर के पानी में मौजूद तत्व दिल की सेहत के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकते हैं?

सेहत के लिए वरदान

इम्यूनिटी को बूस्ट करने के लिए भी केसर के पानी का सेवन किया जा सकता है। इसके अलावा सर्दी-जुकाम की समस्या से राहत पाने के लिए केसर का पानी पिएं। मूड को सुधारने से लेकर नींद की समस्या को दूर करने तक, केसर के पानी को डाइट प्लान में शामिल किया जा सकता है। आयुर्वेद के मुताबिक सुबह-सुबह खाली पेट केसर का पानी पीना सेहत के लिए ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है।

खबरें राजस्थान की

मंत्री दिलावर का एक्शन, सरकारी स्कूलों में कई शिक्षकों पर गिरेगी गाज

जयपुर, 18 सितंबर। राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने गुरुवार को सरकारी स्कूलों की व्यवस्थाओं की जांच के लिए कोटा शहर और ग्रामीण इलाकों में औचक निरीक्षण किया। इस दौरान स्कूलों में बेतरतीब व्यवस्था और शिक्षकों की लापरवाही देखकर वे आगबबूला हो गए। ब्रजराजपुरा के एक सरकारी स्कूल में निरीक्षण के दौरान कई खामियां सामने आईं, जिससे शिक्षा विभाग की पोल खुल गई।

मंत्री के दौरे के दौरान ब्रजराजपुरा के सरकारी स्कूल में कई शिक्षक अनुपस्थित मिले। एक शिक्षक तो स्कूल में मोबाइल चलाते पकड़ा गया। मंत्री के काफिले को देखते ही स्कूल में हड़कंप मच गया और कर्मचारी व्यवस्था सुधारने में जुट गए। गुस्साए मदन दिलावर ने तुरंत शिक्षक का मोबाइल जब्त कर लिया और लापरवाह शिक्षकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए।

मंत्री ने स्कूलों में साफ-सफाई की स्थिति को भी खराब पाया। महावीर नगर के एक सरकारी स्कूल में गंदगी और अव्यवस्था देखकर उन्होंने नाराजगी जताई। स्कूलों में रखे रजिस्टरों की जांच की तो उपस्थिति, पीटीएम और अन्य रोजमर्रा के रिकॉर्ड अधूरे मिले। स्कूल प्राचार्य से पौधारोपण के बारे में पूछने पर भी कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला।

मदन दिलावर ने स्कूलों में स्वच्छता अभियान चलाने और पौधरोपण को बढ़ावा देने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने प्राचार्य और शिक्षकों को स्कूलों में बच्चों की डायरियां तक व्यवस्थित रखने में लापरवाही पर फटकार लगाई। शिक्षा विभाग के अधिकारियों को भी मौके पर तलब किया गया और व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए कड़े कदम उठाने को कहा गया।

वसुंधरा राजे समेत पूर्व मंत्रियों पर 5000 करोड़ घोटाले का मामला खारिज

जयपुर, 18 सितंबर। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और उनके कार्यकाल में मंत्री रहे राजेंद्र राठौड़, गुलाबचंद कटारिया, गजेंद्र सिंह खींवसर, पूर्व आईएएस अधिकारी सीएस राजन और वीनू गुप्ता के खिलाफ दायर किया गया 5000 करोड़ रुपये के कथित घोटाले और पद के दुरुपयोग का मामला अदालत ने खारिज कर दिया है। यह मामला जयपुर स्थित महिंद्रा सेज (एसईजेड) भूमि प्रकरण से जुड़ा हुआ था, जो करीब 10 साल पुराना है।

परिवाद संजय छाबड़ा नामक व्यक्ति द्वारा दायर किया गया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि वसुंधरा सरकार ने महिंद्रा ग्रुप के आनंद महिंद्रा को फायदा पहुंचाने के लिए सरकारी जमीन का गलत ढंग से लैंड यूज बदला था।

इसमें एसईजेड के नाम से अधिगृहित की गई भूमि में से सड़क और पार्कों के लिए रिजर्व जमीन को औद्योगिक उपयोग के लिए बेचने का प्रस्ताव बनाया गया था। तत्कालीन वसुंधरा सरकार में इसे कैबिनेट ने मंजूरी दी थी। मामला 500 एकड़ भूमि का था जिसकी उस समय डीएलसी दर से कीमत लगभग 5 हजार करोड़ रुपए आंकी गई थी। लैंड यूज चेंज का यह प्रस्ताव उद्योग विभाग में तत्कालीन प्रमुख सचिव रही आईएएस वीनू गुप्ता ने तैयार किया था। इसके बाद राज्य सरकार की कैबिनेटने इसे पास किया था। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, जयपुर ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि परिवादी ने आरोपों के समर्थन में कोई ठोस दस्तावेज़ी सबूत पेश नहीं किए, केवल मौखिक आरोप लगाए गए। ऐसे में अदालत ने परिवाद को खारिज करने के आदेश दे दिए।

कविता

अच्छा पति

दस साल हो गए जी
अभी तक समझ नहीं पाया
कि अच्छा पति कैसे बनूँ
कितने ही अनुभवी दोस्तों से पूछा
किताबें पढ़ीं, फिल्में देखीं
ए आई की भी मदद ली
पर कुछ काम न आया!
श्रीमती की सारी सहेलियों के पति
कितने अच्छे, लायक भी
उनमें कहीं, कोई कमी नहीं।
रिया का पति हर रविवार
बावर्ची बन जाता
प्रिया, नीतू की तक़दीर के क्या कहने
महीने के दो रविवार शॉपिंग होती
शालिनी कितनी लकी
रिश्तेदारों के फंक्शंस नहीं छूटते
हर पंद्रहवें दिन
फाइव स्टार होटल में खाने जाती
कीर्ति भी इतने समय में
एक बार मायके हो ही आती!
कोई अक्सर पिकनिक पर है
किसी को घूमने-फिरने से फ़ुर्सत नहीं
सबके घरों में खाना बनाने
और पोंछा करने के लिए नौकर
कुछ तो नियमित जिम भी जाती हैं।
क्या हुआ अगर इनमें से कोई भी
सुबह-शाम तरकारी नहीं काट देता
चादर-कपड़े नहीं धो देता
किचेन में साथ खड़े होकर
खूब सारी बातें करते हुए
रोटियाँ नहीं बनवा देता
फुचका और पेस्ट्री खिलाने
साथ लेकर नहीं जाता
खाली समय में लूडो नहीं खेलता
न हँसाता, न मन बहलाता
रोज़ रात को बच्चों की तरह
गीत-कहानियाँ नहीं सुनाता
काम में कहीं भी हो
दिन भर में दो-चार बार फ़ोन न करता
और घर की छोटी-छोटी ज़िम्मेदारियों से
बचता, मुँह चुराता
ये सारी बातें
भला आज कहाँ मायने रखती हैं
बस, इसीलिए मैं श्रीमती के दिल में
अब तक जगह नहीं बना पाया!

- धर्म दुबे

रचनाकारों से निवेदन

रचनाकारों से निवेदन है कि वे अपना पूरा ठिकाना, पिन कोड एवं फोन/मोबाइल नम्बर रचना के साथ अवश्य प्रेषित करें, अन्यथा हम कविता प्रकाशित नहीं कर पायेंगे।

अपनी अप्रकाशित एवं मौलिक कविताएं ही प्रकाशनार्थ भेजें। छपी हुई या उद्घृत कविताएं प्रकाशित नहीं की जायेंगी। - **संपादक**

90 चुनाव हार चुके, कोर्ट में भी मुंह की खानी पड़ी, राहुल के आरोपों पर भाजपा का पलटवार

नई दिल्ली, 18 सितम्बर। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा लगाए गए वोट चोरी के नए आरोपों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पलटवार किया है। भाजपा ने कहा कि राहुल गांधी जब-जब इन आरोपों को लेकर कोर्ट पहुंचे हैं तब-तब उन्हें मुंह की खानी पड़ी। राहुल के आरोपों पर जवाब देते हुए भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि उन्हें कभी माफी मांगनी पड़ी को कभी कोर्ट की लताड़ खानी पड़ी।

ठाकुर ने कहा, राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस लगभग 90 चुनाव हार चुकी है। उनकी हताशा दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। उन्होंने आरोपों की राजनीति को अपना आभूषण बना लिया है। गलत और निराधार आरोप लगाना राहुल गांधी की आदत बन गई है। माफी मांगना और अदालतों से फटकार खाना राहुल गांधी की दिनचर्या बन गई है।

भाजपा के अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस नेता पर पलटवार करते हुए कहा कि राहुल गांधी भारत में बांग्लादेश और नेपाल जैसे हालात पैदा करना चाहते हैं। ठाकुर ने राहुल गांधी पर अपना हमला तेज करते हुए कहा कि वह इस बात से निराश हैं कि उनके नेतृत्व में कांग्रेस 90 चुनाव हार चुकी है और अब निराधार और गलत आरोप लगा रहे हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि ''घुसपैठियों को बचाने की राजनीति'' राहुल का एकमात्र एजेंडा प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि यदि

अवैध मतदाताओं को बचाने के कांग्रेस के कथित एजेंडे को अनुमति दी गई तो अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के हितों को सबसे अधिक नुकसान होगा।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार की राहुल गांधी द्वारा संवाददाता सम्मेलन में बार-बार आलोचना किए जाने के बाद निर्वाचन आयोग का बचाव करते हुए ठाकुर ने पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्तों एम एस गिल (जो संप्रग सरकार में मंत्री बने थे) और टी एन शेषन (जिन्होंने कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ा था) के संबंधों का हवाला दिया और पलटवार किया।

उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता को चुनौती दी कि यदि उनके तर्कों में दम है तो वह अदालत जाएं। राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को कुमार पर ''वोट चोरों'' और ''लोकतंत्र की हत्या करने वालों'' को बचाने का आरोप लगाया तथा कर्नाटक के एक विधानसभा क्षेत्र के आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा किया कि चुनाव से पहले कांग्रेस समर्थकों के वोट सुनियोजित तरीके से हटाए जा रहे थे। इससे पहले कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि उनकी पार्टी के समर्थक मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने के प्रयास हुए और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार लोकतंत्र की हत्या करने वालों तथा वोट चोरों की रक्षा कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ज्ञानेश कुमार को ऐसे लोगों को संरक्षण देना बंद करना चाहिए और एक सप्ताह में निर्वाचन आयोग को कर्नाटक की सीआईडी के साथ पूरी जानकारी साझा करनी चाहिए।

सरकार को धमकी नहीं दी जा सकती, ब्लैकमेल नहीं किया जा सकता: शिवकुमार

बेंगलुरु, 18 सितम्बर। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार इस समय विकास और सड़कों की स्थिति को लेकर विपक्ष के निशाने पर है। राजनीतिक दलों के अलावा उद्योग जगत भी सड़कों के मुद्दे पर सरकार की आलोचना कर रहा है। अब इस मामले में कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने खुलकर बात की और सरकार का पक्ष रखा।

उन्होंने आश्वासन दिया कि बेंगलुरु तेजी से विकास कर रहा है और कर्नाटक सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि बुनियादी ढांचे से संबंधित समस्याओं के कारण कोई भी कंपनी आईटी राजधानी को छोड़कर न जाए।

दरअसल, कांग्रेस सरकार को सड़कों की खराब हालत के लिए आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच, एक लॉजिस्टिक्स कंपनी के सीईओ ने घोषणा की कि उन्होंने ट्रैफिक जाम के कारण अपना कार्यालय शहर की आउटर रिंग रोड से बाहर स्थानांतरित करने का फैसला किया है। विपक्षी पार्टी बीजेपी ने इस मुद्दे को भुनाने की कोशिश की और इसे राजनीतिक रंग दे दिया।

डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा कि बेंगलुरु बहुत बड़ा हो गया है, इसलिए और अधिक काम करने की जरूरत है। मांगों को पूरा करने के लिए हमने पांच निगम बनाए हैं। बड़ी परियोजनाओं के लिए हमने ग्रेटर बेंगलुरु अथॉरिटी लाने का फैसला किया है।

अमेरिका, चीन, सऊदी अरब के साथ पाकिस्तान की बढ़ती नजदीकियों को रोकने में सरकार नाकाम: कांग्रेस

नई दिल्ली, 18 सितंबर (हि.स.)। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं सांसद जयराम रमेश ने पाकिस्तान की अमेरिका, चीन और सऊदी अरब के साथ बढ़ती नजदीकियों पर चिंता जाहिर करते हुए भारत सरकार को इसे रोकने में नाकाम बताया।

जयराम ने एक्स पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका, चीन और सऊदी अरब की हालिया यात्राओं का जिक्र करते हुए कहा कि इन देशों पर पाकिस्तान का प्रभाव बढ़ना देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

उन्होंने कहा कि भारत द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के रुकने बाद भड़काऊ भाषण और सांप्रदायिक जहर घोलने वाले बयान से भारत में पहलगाम हमला करवाने वाले पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर को ट्रंप में व्हाइट हाउस में लंच पर बुलाया।

उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की चीन यात्रा के बाद चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को गुप्त सैन्य मदद का भी दावा किया।

उन्होंने पहलगाम हमले के समय प्रधानमंत्री मोदी के सऊदी अरब यात्रा को बीच में छोड़ने का जिक्र कर कहा कि प्रधानमंत्री की यात्रा के बाद सऊदी अरब का पाकिस्तान के साथ रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर करना देश के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने इसे देश की कूटनीति के लिए झटका बताते हुए कहा कि कांग्रेस इसके लिए चिंतित है। इस पर नए सिरे से सोचा जाना चाहिए।

ट्रोल्स का सामना कर रहे गडकरी को शरद पवार का साथ

मुंबई, 18 सितमबर। पेट्रोल में इथेनॉल मिलना चाहिए या नहीं और कितने स्तर तक मिलना चाहिए? इस बात को लेकर सोशल मीडिया पर लगातार केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को ट्रोल किया जा रहा है। इस ट्रोलिंग और आरोपों की श्रृंखला के बीच केंद्रीय मंत्री को अपने विरोधी एनसीपी-एसपी के प्रमुख शरद पवार का साथ मिला है। पवार ने नितिन गडकरी का समर्थन करते हुए कहा कि सहकारिता आंदोलन में गडकरी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनकी नीतियों की वजह से किसानों को फायदा भी हुआ है।

मीडिया से बात करते हुए शरद पवार ने कहा कि चीनी उद्योग केवल चीनी के उत्पादन पर ही निर्भर नहीं रह सकता। अगर गन्ना किसान को सशक्त बनाना है तो इसे सह-उत्पादन से भी जोड़ना होगा। इसमें हमें अल्कोहॉल और इथेनॉल जैसे अन्य उत्पादों के उत्पादन को भी बढ़ाने की तरफ देखना होगा। नितिन गडकरी ने इस मामले में जो नीतियां बनाई है, उससे निश्चित तौर पर किसानों को फायदा हुआ है और यह किसानों के हित में हैं। आपको बता दें केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी शुरुआत से ही पेट्रोल-डीजल में इथेनॉल मिलाने का समर्थन करते रहे हैं। हालांकि हाल ही में इथेनॉल मिले पेट्रोल का इस्तेमाल करने पर कई गाड़ियों के मॉइलेज में समस्या आने की खबरें बड़ी हैं। इसके बाद ही सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोल किया जाने लगा। इतना ही नहीं इसमें उनके बेटे की कंपनी को भी घसीटते हुए कहा जाने लगा कि उनके बेटे की कंपनी इसी क्षेत्र में हैं। ऐसे में उन्होंने अपने बेटे को लाभ पहुंचाने के लिए इथेनॉल के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया। हालांकि गडकरी ने स्वयं ही इस पूरे मुद्दे पर सफाई दी थी।

एनसीपी-एसपी ने मराठा आरक्षण के मुद्दे पर अपनी राय रखते हुए कहा कि सरकार ने हैदराबाद गजेटियर को करने का फैसला किया है और इस संबंध में एक सरकारी प्रस्ताव (जीआर) जारी किया है, हालांकि यह फैसला राज्य पर उल्टा पड़ रहा है। उन्होंने कहा हैदराबाद गजट को लागू करने के फैसले के बाद अनुसूचित जनजाति श्रेणी में शामिल किए जाने की मांग कर रहे बंजारा समुदाय समेत विभिन्न वर्गों ने अलग-अलग मांगें रखनी शुरू कर दी हैं और इससे समुदायों के बीच मतभेद बढ़ रहे हैं। इसके अलावा पवार ने अत्यधिक बारिश से प्रभावित किसानों की दुर्दशा पर कहा कि लगभग 40 लाख एकड़ फसल बर्बाद हो गयी है। उन्होंने कहा कि वह जल्द ही मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार से मिलकर प्रभावित किसानों के लिए तत्काल वित्तीय सहायता की मांग करेंगे। उन्होंने जोर दिया कि केंद्र और राज्य दोनों के पास आपदा प्रबंधन निधि उपलब्ध है तथा राहत प्रदान करने के लिए इसका तुरंत उपयोग किया जाना चाहिए।

आजम खान को इलाहाबाद हाईकोर्ट से राहत, मिली जमानत

लखनऊ, 18 सितम्बर। क्वालिटी बार पर कब्जे के केस में सपा नेता आजम खान को इलाहाबाद हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है। जस्टिस समीर जैन की सिंगल बेंच ने फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने 21 अगस्त को फैसला सुरक्षित रख लिया था। एमपी-एमएलए कोर्ट से जमानत खारिज होने के बाद आजम खान ने इलाहाबाद हाईकोर्ट की शरण ली थी। 17 मई 2025 को रामपुर एपी-एमएलए कोर्ट से आजम खान की जमानत याचिका खारिज हुई थी।

आजम पर रामपुर के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में हाईवे स्थित सईद नगर हरदोई पट्टी में क्वालिटी बार पर कब्जा करने का आरोप लगा था, 21 नवंबर 2019 को एफआईआर दर्ज हुई थी।

पुलिस ने चेयरमैन सैयद जफर अली जाफरी, आजम खान की पत्नी डॉ। तजीन फात्मा और बेटे पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम खान को नामजद किया था। विवेचना के बाद पुलिस ने सपा नेता आजम खां को भी आरोपी बनाया था।

दरअसल, 2014 में रामपुर के सैद नगर हारदोई पट्टी पर बने क्वालिटी बार की जमीन पर जबरन कब्जा करने की कोशिश की गई। इसका आरोप आजम खान और उनके परिवार पर लगा। यह जमीन जिला मजिस्ट्रेट के अधीन थी, जिसे किराए पर देने का मामला था। वहीं, 2019 में इस मामले में राजस्व निरीक्षक अंगराज सिंह ने स्नढ्ढक्रदर्ज की, जिसमें आजम खान की पत्नी तजीन फातमा, बेटे अब्दुल्लाह आजम और जिला सहकारी संघ के अध्यक्ष सैयद जाफर अली जाफरी को आरोपी बनाया गया। आजम खान का नाम शुरुआती स्नढ्ढक्र में नहीं था।

भारतीय रेल ने कर्मचारियों को एनपीएस से यूपीएस में स्विच की सुविधा के लिए आयोजित किए 1,799 सेमिनार

नई दिल्ली, 18 सितंबर (हि.स.)। भारतीय रेल ने अपने कर्मचारियों को नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) से यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) में वन-टाइम स्विच की सुविधा के बारे में जानकारी देने के लिए देशभर में 1,799 सेमिनार आयोजित किए। इन सेमिनारों का उद्देश्य कर्मचारियों को नई पेंशन योजना की विशेषताओं और शर्तों से अवगत कराकर उन्हें वित्तीय सुरक्षा के संबंध में समझदारीपूर्ण निर्णय लेने में सक्षम बनाना था।

रेलवे के अनुसार, इनमें सबसे अधिक 768 सेमिनार दक्षिण रेलवे में आयोजित हुए। इसके अलावा दक्षिण-पूर्व रेलवे में 135, दक्षिण-पश्चिम रेलवे में 99, दक्षिण-पूर्व मध्य रेलवे में 91, उत्तर-पश्चिम रेलवे में 90, उत्तर रेलवे में 88 और उत्तर मध्य रेलवे में 80 सेमिनार हुए। अन्य जोनों में उत्तर-पूर्व सीमांत रेलवे (70), दक्षिण-मध्य रेलवे (69), पश्चिम-मध्य रेलवे (72), मध्य रेलवे (40), पूर्वी रेलवे (40) और पश्चिम रेलवे (41) ने भी सक्रिय भागीदारी की। वहीं पूर्वी तट रेलवे (27), पूर्व-मध्य रेलवे (9) और उत्तर-पूर्व रेलवे (16) में भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। रेलवे की उत्पादन इकाइयां और प्रशिक्षण संस्थान भी इस पहल से जुड़े। इसमें इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (17), रेल व्हील फैक्ट्री (20), रेल कोच फैक्ट्री (6), मॉडर्न कोच फैक्ट्री (6), बनारस लोकोमोटिव वर्क्स (5), चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स (4) और आरडीएसओ (5) ने योगदान दिया। इंडियन रेलवे इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग ने भी कर्मचारियों को जागरूक करने के लिए एक विशेष सेमिनार आयोजित किया। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने 24 जनवरी 2025 को यूपीएस अधिसूचित की थी। इसके बाद वित्तीय सेवाएं विभाग ने 25 अगस्त को आदेश जारी कर एनपीएस से यूपीएस में स्विच की सुविधा उपलब्ध कराई। कर्मचारी केवल एक बार यह विकल्प चुन सकते हैं और यह कम से कम सेवानिवृत्ति से एक वर्ष पहले या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति से तीन माह पूर्व करना आवश्यक है। जो कर्मचारी 30 सितंबर 2025 तक विकल्प नहीं देंगे, वे स्वत: एनपीएस में बने रहेंगे और भविष्य में यूपीएस का लाभ नहीं ले पाएंगे। वहीं जो कर्मचारी यूपीएस अपना लेंगे, उनके पास भविष्य में एनपीएस में लौटने का विकल्प उपलब्ध रहेगा।

पीएम ने डब्ल्यूएचओ प्रमुख को शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद दिया

नई दिल्ली, 18 सितंबर (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने 75वें जन्मदिन पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस अधानोम घेब्रेयसस की शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भारत, डब्ल्यूएचओ के साथ मिलकर विश्व में समग्र स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है और इसमें महिलाओं के स्वास्थ्य पर विशेष फोकस रहेगा।

डॉ. टेड्रोस ने बुधवार को एक्स पर प्रधानमंत्री को जन्मदिन की बधाई देते हुए उनकी नेतृत्व क्षमता की सराहना की और कहा कि विशेष दिन पर भी प्रधानमंत्री मोदी महिलाओं के स्वास्थ्य को सशक्त बनाने वाली महत्त्वपूर्ण पहल का शुभारंभ कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को उनके संदेश का जवाब देते हुए एक्स पर लिखा- धन्यवाद डॉ. टेड्रोस, आपके स्नेहपूर्ण संदेश के लिए। भारत, महिलाओं के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देते हुए, विश्व में समग्र स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए डब्ल्यूएचओ के साथ और गहन सहयोग की अपेक्षा करता है।

जब आप पीड़ित ही नहीं तो क्यों आ गए? याचिका खारिज कर भड़के मिलॉर्ड

मुंबई, 18 सितम्बर। बंबई हाईकोर्ट ने गुरुवार को मराठा समुदाय के लोगों को आरक्षण के लिए कुनबी जाति प्रमाण पत्र जारी करने के महाराष्ट्र सरकार के फैसले के खिलाफ दायर एक जनहित याचिका को खारिज कर दिया है। हाईकोर्ट ने एक वकील द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करने से इनकार करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता पीड़ित व्यक्ति नहीं है और इसीलिए अदालत याचिका पर विचार नहीं करेगी।

बंबई हाईकोर्ट के मुख्य न्यायधीश जस्टिस चंद्रशेखर और जस्टिस गौतम अंखड़ की पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि पीड़ित व्यक्ति यानी ओबीसी श्रेणी के लोग पहले ही उच्च न्यायालय में याचिकाएं दायर कर चुके हैं, जिस पर 22 सितंबर को एक अन्य पीठ सुनवाई करेगी। अदालत ने कहा, ''इस स्तर पर इस तरह जनहित याचिकाएं ठीक नहीं हैं। सरकारी फैसले को चुनौती देने का अवसर सिर्फ पीड़ित पक्ष के लिए है, हर किसी के लिए नहीं।''

बंबई हाईकोर्ट ने आगे कहा कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा जारी त्रक्र के गुण-दोष पर विचार किए बिना, हम यह कहना चाहेंगे कि अदालत को ऐसे मामलों में जनहित याचिकाएं दायर करने को हतोत्साहित करना चाहिए। अदालत ने कहा कि यह जनहित में है कि मुकदमों की संख्या बेवजह ना बढ़े। कोर्ट ने यह भी कहा कि जनहित याचिकाएं केवल इसलिए दायर की जाती हैं ताकि समाज के एक विशेष वर्ग की बात अनसुनी ना रहे और उनके मामले को न्यायालय में उठाया जा सके। उच्च न्यायालय ने कहा, ''यह विशेष जनहित याचिका ऐसी नहीं है, जिसमें हमें कोई रियायत देनी चाहिए। इसलिए हम इस जनहित याचिका पर विचार करने के इच्छुक नहीं हैं और इसे खारिज किया जाता है।'' गौरतलब है कि अधिवक्ता विनीत विनोद धोत्रे ने अपनी जनहित याचिका में मराठा समुदाय के सदस्यों को कुनबी जाति का प्रमाण पत्र जारी करने के सरकारी आदेश को चुनौती दी थी। याचिका में दावा किया गया था कि सरकार का निर्णय मनमाना, असंवैधानिक और कानून की दृष्टि से गलत है, और इसे रद्द किया जाना चाहिए।

पीएम मोदी के 75वें जन्मदिन पर वडनगर स्टेशन परिसर में लगाए गए 75 पेड़

गांधीनगर, 18 सितंबर (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर उनके पैतृक गांव वडनगर में एक भव्य और प्रेरक आयोजन किया गया। पूरे कार्यक्रम को 75 थीम के तहत आयोजित किया गया, जो पीएम मोदी के जीवन के 75 वर्ष पूर्ण होने का प्रतीक बना। इस आयोजन का उद्देश्य खेल, सेवा, पर्यावरण संरक्षण और समाज के हर वर्ग को एक साथ जोड़ना था। खेलों के माध्यम से युवाओं में अनुशासन, सहयोग, नेतृत्व और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना प्रधानमंत्री मोदी की दीर्घकालीन सोच का हिस्सा है।

उन्होंने हमेशा कहा है कि खेल शरीर को ही नहीं, मन और चरित्र को भी मजबूत बनाते हैं। वड़नगर, उनकी जन्मभूमि होने के कारण, इस दृष्टिकोण को जन-जन तक पहुंचाने का केंद्र बना। समारोह में देशभर से आए 1000 से अधिक प्रतिभागियों को पीएम मोदी पर आधारित प्रेरक शॉर्ट फिल्म दिखाई गई। समारोह का मुख्य आकर्षण रहा 75 किलो का केक, जिसे 75 दिव्यांगजन ने मिलकर काटा। इसके साथ ही 75 गुब्बारे आकाश में छोड़कर उत्सव का शुभारंभ किया गया।

सेना प्रमुख ने अरुणाचल का दौरा किया, ड्रोन क्षमताओं के इस्तेमाल पर जोर दिया

इटानगर, 18 सितम्बर। थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने गुरुवार को अरुणाचल प्रदेश के लिकाबाली स्थित एक ड्रोन केंद्र का दौरा किया और ड्रोन क्षमताओं के इस्तेमाल और संचालन पर सेना की ओर से जोर दिए जाने की बात को रेखांकित किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने एक बयान में कहा कि सेना ड्रोन और ड्रोन-रोधी प्रणालियों को तेजी से शामिल कर रही है। अधिकारी ने कहा, ''सेनाध्यक्ष ने अरुणाचल प्रदेश के लिकाबाली स्थित एक ऐसे ही केंद्र का दौरा किया और ड्रोन क्षमताओं के इस्तेमाल पर भारतीय सेना के जोर दिये जाने को रेखांकित किया।''

द्रास में 26 जुलाई को 26वें कारगिल विजय दिवस पर अपने भाषण के दौरान सेना प्रमुख ने घोषणा की थी कि प्रत्येक पैदल सेना बटालियन में एक ड्रोन प्लाटून होगी, तोपखाना रेजिमेंट ड्रोन-रोधी प्रणालियों और लोइटर हथियारों से लैस होंगे तथा सटीकता और अस्तित्व रक्षा के लिए मिश्रित

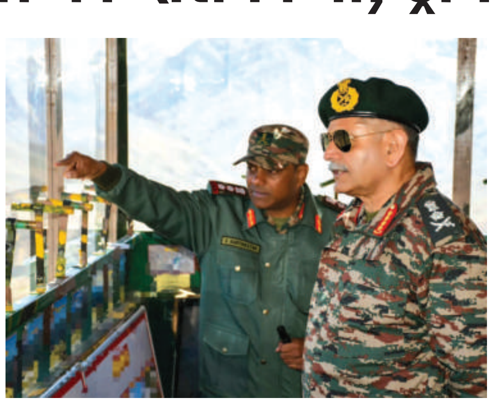

'दिव्यास्त्र' बैटरी तैयार की जाएंगी। जनरल द्विवेदी ने घोषणा की थी, ''आने वाले दिनों में हमारी मारक क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी।'' उन्होंने जोर देकर कहा था कि सेना एक आधुनिक और भविष्य के लिए तैयार सेना बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है।

बयान में कहा गया है कि कई इकाइयां पहले ही चालू हो चुकी हैं और 'प्रमुख प्रशिक्षण अकादमियों में ड्रोन केंद्र स्थापित किए गए हैं' जैसे कि देहरादून स्थित भारतीय सैन्य अकादमी, महू स्थित इन्फैंटरी स्कूल और चेन्नई स्थित अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी (ओटीए)। अधिकारी ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य सेना के सभी अंगों के सैनिकों के लिए ड्रोन संचालन को एक मानक क्षमता के रूप में स्थापित करना है।

उन्होंने कहा कि सेना का दृष्टिकोण 'ईगल इन द आर्म' की अवधारणा (यह विचार कि प्रत्येक सैनिक ड्रोन चलाने में सक्षम होना चाहिए, ठीक उसी तरह जैसे वह अपना हथियार रखता है) में समाहित है। बयान में कहा गया है कि इकाई या सैनिक के कार्य के आधार पर, ड्रोन का इस्तेमाल युद्ध, निगरानी, रसद या यहां तक कि चिकित्सा आधार पर निकासी के लिए भी किया जाएगा। इसमें कहा गया है कि ड्रोन-रोधी उपायों को भी समानांतर रूप से लागू किया जा रहा है और इसके तहत मानवरहित मंचों का दोहन करने और उन्हें बेअसर करने के लिए एक स्तरित प्रणाली तैयार की जा रही है।

संक्षिप्त खबर

मोदी ने नेपाल की नवनियुक्त पीएम सुशीला कार्की से की बातचीत

नई दिल्ली, 18 सितंबर (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को नेपाल की नवनियुक्त अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की के साथ बातचीत की। प्रधानमंत्री ने नेपाल में हाल के आंदोलन में हुई जनहानि पर शोक प्रगट किया। उन्होंने नेपाल में शांति और स्थिरता लाने के प्रयासों को तेज करने में भारत के सहयोग की बात दोहराई। उन्होंने अंतरिम प्रधानमंत्री कार्की और नेपाल की जनता को कल देश के राष्ट्रीय दिवस की शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए बताया, नेपाल की अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की से बहुत गर्मजोशी से बातचीत हुई। हाल ही में हुई दुखद जनहानि पर हार्दिक संवेदना व्यक्त की और शांति एवं स्थिरता बहाल करने के उनके प्रयासों के प्रति भारत के दृढ़ समर्थन की पुष्टि की। साथ ही, मैंने उन्हें और नेपाल की जनता को कल उनके राष्ट्रीय दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।

नशा तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ 25.9 किलोग्राम हेरोइन बरामद

चंडीगढ़, 18 सितंबर (हि.स.)। पंजाब पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) बॉर्डर रेंज ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ संयुक्त अभियान में सीमा पार से संचालित नशा तस्करी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। विदेशी तस्कर हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी जट्ट के गुर्गे को गिरफ्तार करके उसके पास से 25.9 किलो (25 पैकेट) हेरोइन बरामद की है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने गुरुवार को बताया कि पकड़ा गया अमृतसर के गांव बहि ?वाल निवासी साजन सिंह उर्फ बिल्ला अमृतसर के एक निजी सैलून में हेयर ड्रेसर के तौर पर काम करता था। हेरोइन की बड़ी खेप बरामद करने के अलावा पुलिस टीमों ने उसके कब्जे से एक आधुनिक 9 एम.एम. ग्लॉक पिस्तौल भी बरामद की है। डीजीपी ने कहा कि अमृतसर के जंडियाला गुरु का रहने वाला तस्कर हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी जट्ट विदेश से इस मॉड्यूल को चला रहा था और पाकिस्तानी तस्करों के संपर्क में था, जो सीमा पार से हेरोइन की खेप गिराने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल करते थे। डीजीपी ने बताया कि हैप्पी जट्ट भगोड़ा अपराधी है और राज्य में उसके खिलाफ कम से कम 21 आपराधिक मामले दर्ज हैं तथा पंजाब पुलिस की टीमें उसके प्रत्यर्पण के लिए सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि पूरे गठजोड़ का पर्दाफाश करने के लिए जांच की जा रही है।

महाराष्ट्र के बुलढाणा में ट्रक और कार के बीच टक्कर में 4 की मौत

मुंबई, 18 सितंबर (हि.स.)। महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले के मलकापुर के पास नेशनल हाइवे पर गुरुवार को तड ? एक कार और एक ट्रक के बीच हुई जोरदार टक्कर में तीन महिलाओं सहित चार लोगों की मौत हो गई और 5 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करवाया गया है। इस घटना की छानबीन मलकापुर पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है। इस घटना की जांच कर रहे पुलिस अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि आज तड ? भुसावल से मलकापुर की ओर जा रही कार अचानक अनियंत्रित होकर सामने जा रहे ट्रक से टकरा गई। इस घटना में कार चालक साजिद अजीज बागवान और 3 महिलाओं समेत कुल चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। तीनों मृतक महिलाओं की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। जबकि 5 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। गंभीर रूप से घायलों में संतोष तेजराव महाले (40), पंकज दिलीप गोपाल (22), दीपिका विश्वास (30) और टीना अजय पाटिल (45) के रुप में की गई है। एक घायल महिला की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। इसकी सूचना मिलते ही एमआईडीसी के पुलिस निरीक्षक हेमराज कोली और उनकी टीम घटनास्थल पर पहुँची। मलकापुर एमआईडीसी पुलिस ने मौका मुआयना किया और मामला दर्ज कर घटना की छानबीन शुरू कर दी है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक मधुभाई कुलकर्णी का निधन

छत्रपति संभाजीनगर, 18 सितंबर (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक मधुभाई कुलकर्णी का गुरुवार को महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में निधन हो गया। वे 88 वर्ष के थे और उम्रजनित समस्याओं के कारण कुछ समय से अस्पताल में भर्ती थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को राजनीति में लाने में कुलकर्णी की महत्वपूर्ण भूमिका मानी जाती है। संघ के प्रचार विभाग के मुताबिक कुलकर्णी का जन्म 17 मई 1938 को महाराष्ट्र के कोल्हापुर में हुआ था। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा-दीक्षा चिकोडी में हुई। बाल्यकाल से ही उनका संपर्क राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से रहा। वे संघ की शाखाओं में नियमित रूप से भाग लेते थे। उन्होंने 1954 में कोल्हापुर से 10वीं कक्षा पास की और फिर मुंबई में कॉलेज की पढ़ाई के लिए गए। बीए और बीएड की डिग्री हासिल करने के बाद कुछ समय तक उन्होंने सेल्स टैक्स विभाग में काम किया, लेकिन फिर संघ कार्य में सक्रिय रूप से भाग लेने का निर्णय लिया।

छत्तीसगढ़ के सुकमा में मुठभेड़ में 5 लाख की इनामी महिला नक्सली ढेर

सुकमा, 18 सितंबर (हि.स.)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सुरक्षा बलों ने गुरुवार को मुठभेड़ में 5 लाख की इनामी महिला नक्सली ढेर कर दिया।सुरक्षाबलों को मुठभेड़ स्थल से 315 बोर की रायफल और भारी मात्रा में विस्फोटक सहित नक्सल सामग्री बरामद हुई हैद्य पुलिस अधीक्षक सुकमा ने इसकी पुष्टि की है। पुलिस अधीक्षक सुकमा किरण चव्हाण ने बताया कि सुकमा जिले के थाना गादीरास क्षेत्रांतर्गत गुफड़ी एवं पेरमापारा के मध्य पश्चिमी क्षेत्र के जंगल की पहाड़ी में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों ने आज सुबह से ही सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। उन्होंने बताया कि इस अभियान के दौरान डीआरजी के जवानों के साथ नक्सलियों की मुठभेड़ हुई द्य मुठभेड़ स्थल को सर्च करने पर एक महिला नक्सली का शव हथियार सहित बरामद हुआ। इसके अलावा बहुत बड़ी संख्या में विस्फोटक आदि सामग्री भी मिली है। उन्होंने बताया कि मारी गई महिला नक्सली 5 लाख इनामी एसीएम कैडर की कबूस्की नुप्पों (मलांगीर एरिया कमेटी) की सदस्य थी। वह 9 मामलों में वांछित थी। इसमें थाना अरनपुर के 7 मामले, थाना कुंआकोंडा का 01 मामला और थाना गादीरास का एक मामला शामिल है । उन्होंने बताया कि मुठभेड़ स्थल से 315 बोर रायफल 1 नग, 315 रायफल कारतूस 5 नग, वायरलेस सेट 1 नग, डेटोनेटर 8 नग, कोर्डेक्स वायर 10 मीटर लगभग, जिलेटिन रॉड 4 नग, पिट्ठू 1 नग, बारूद, रेडियो, बंडा 1 नग, नक्सली साहित्य तथा अन्य दैनिक उपयोगी सामग्री बरामद की गई है।

CHANGE OF NAME / SURNAME

I, MD SARFARAZ AHMED, S/o Abdul Qaiyyum, residing at 12, Nil Madhab Sen Lane, 4th Foor, Flat No. 16, Chittaranjan Avenue, P.O-Colootola, P.S-Jorasanko, Kolkata-700073, W.B do hereby declare my name as MD SARFARAZ AHMED instead of MOHAMMAD SARFARAZ AHMAD as declared before the Notary Public at Kolkata, vide Affidavit No 14AC 025735 dated 16/09/2025, MOHAMMAD SARFARAZ AHMAD and MD SARFARAZ AHMED, both are same and identical person.

CHANGE OF NAME

I, Aichila Pegu is legally wedded spouse as (NOK) No - 13630483P Rank - LNK , Name - Suny Pegu. Residing at vill-Dhankhuloi Chapari, P.O. - Bahfalla Gaon, Dist - Jorhat, State - Assam , pin - 785108, presently staying at RCTC area Qtr 8 Assam, P.O. - Barrackpore, Dist - 24 pgs(N) , West Bengal - 700120 .That inadvertently my name has been recorded Aichila Doley Pegu in my husband service record and in place of my correct name is Aichila Pegu by Notary Affidavit at Barrackpore court on 15/09/2025. Aichila Pegu and Aichila Doley Pegu is the same and one identical person.

भारत, यूएई तीन-चार साल में गैर-तेल, गैर-कीमती धातु व्यापार को 100 अरब डॉलर तक पहुंचाएंगे: गोयल

अबू धाबी, 18 सितंबर। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने अगले तीन-चार वर्षों में गैर-तेल और गैर-कीमती धातु व्यापार को बढ़ाकर 100 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य तय किया है। फिलहाल द्विपक्षीय व्यापार में गैर-तेल और गैर-कीमती धातु की हिस्सेदारी 50-55 अरब डॉलर के स्तर पर है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने अफ्रीका और खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) क्षेत्रों में साझा निवेश के लिए भी रूपरेखा तय करने का निर्णय लिया जिसमें बुनियादी ढांचा और अन्य क्षेत्र शामिल हैं। साझा निवेश में यूएई की निवेश क्षमता और भारत के पास प्रतिभाओं की मौजूदगी का लाभ उठाया जाएगा।

गोयल ने कहा कि अभी चर्चा संकल्पना के स्तर पर हुई। इसके तौर-तरीके तय करने, सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र की भागीदारी और प्राथमिकता वाले देशों के बारे में फैसला दोनों देश करेंगे। भारत और यूएई के निवेश पर गठित उच्च-स्तरीय कार्यबल की 13वीं बैठक में इन सभी मुद्दों पर चर्चा हुई। इसमें भारतीय पक्ष की अगुवाई गोयल ने की जबकि अबू धाबी निवेश प्राधिकरण (एडीआईए) के प्रबंध निदेशक शेख हमद बिन जाएद अल नहयान ने यूएई की अगुवाई की।

गोयल ने बैठक के बाद कहा, ''हमने गैर-तेल और गैर-कीमती धातुओं में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना कर अगले तीन-चार वर्षों में 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने का नया लक्ष्य रखा है।'' उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष समुद्री, रक्षा, वैमानिकी एवं अंतरिक्ष क्षेत्रों में निवेश और सहयोग की नई संभावनाएं भी तलाश रहे हैं। स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ रहा है, जिससे लेन-देन की लागत कम और संचालन आसान होता है। भारत और यूएई ने घरेलू साज-सज्जा, वस्त्र, मत्स्य पालन, चमड़ा और चमड़े के उत्पाद, खाद्य प्रसंस्करण और दवा जैसे क्षेत्रों में व्यापार बढ़ाने की भी योजना बनाई है।

गोयल ने बताया कि दुबई में 20,000-25,000 वर्ग फुट क्षेत्र में विकसित हो रहा कारोबारी केंद्र 'भारत मार्ट' अगले डेढ़-दो साल में तैयार हो जाएगा। इसके अलावा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) और भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) के बाद भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) का भी दुबई में परिसर जल्द शुरू होगा। इसके लिए सभी जरूरी मंजूरियां मिल गई हैं।

उन्होंने कहा कि यूएई अब भारत के शेयर बाजार में बड़े निवेश में भी रुचि दिखा रहा है, और यूपीआई आधारित धनप्रेषण पर काम तेजी से चल रहा है। गोयल ने कहा कि दोनों देशों के संबंध तेजी से विकसित हो रहे हैं और विभिन्न तरीकों से सहयोग मजबूत हो रहा है। इसके साथ ही गोयल ने यह साफ किया कि भारत किसी भी स्थिति में अपने निर्यातित माल को यूएई के जरिये अमेरिका भेजने की अनुमति नहीं देगा।

उन्होंने कहा कि यदि भारतीय सामान यूएई से अफ्रीकी या एशियाई देशों में 'मेड इन इंडिया' उत्पाद के रूप में जाता है तो उसका स्वागत किया जाएगा। लेकिन अमेरिकी बाजार के लिए ट्रांस-शिपमेंट की अनुमति नहीं होगी। उनका बयान इस लिहाज से महत्वपूर्ण है कि अमेरिका ने हाल ही में भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाया है जिससे झींगा, चमड़ा और वस्त्र जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों के निर्यात प्रभावित हो सकते हैं।

शेयर बाजार में तीसरे दिन तेजी, सेंसेक्स 320 अंक चढ़कर 83,000 अंक के पार, निफ्टी भी मजबूत

मुंबई, 18 सितंबर। स्थानीय शेयर बाजार में बृहस्पतिवार को लगातार तीसरे दिन तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 320 अंक चढ़कर 83,000 अंक के पार पहुंच गया। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत दर में 0.25 प्रतिशत की कमी और इस साल दो और कटौती के संकेत से बाजार में तेजी आई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 320.25 अंक यानी 0.39 प्रतिशत की बढ़त के साथ 83,013.96 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह 447.5 अंक तक चढ़ गया था। पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 93.35 अंक यानी 0.37 प्रतिशत चढ़कर 25,423.60 अंक पर पहुंच गया। औषधि, आईटी और वित्तीय कंपनियों के शेयरों में बढ़त दर्ज की गई, जबकि रियल्टी और ऊर्जा शेयरों में नरमी रही।

सेंसेक्स	: 83,013.96 (+320.25)
निफ्टी	: 25,423.60 (+93.35)
सोना (24)	: 1,11,170 रु. प्रति 10 ग्राम
चांदी	: 1,31,000 रु. प्रति किलो
डॉलर	: 88.18 रुपया

विश्लेषकों ने कहा कि बाजार धारणा को मुख्य रूप से अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर में कटौती के फैसले से समर्थन मिला।

सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में इटर्नल सबसे ज्यादा 2.96 प्रतिशत लाभ में रही। इसका कारण ब्रोकरेज कंपनियों का इटर्नल को लेकर सकारात्मक संकेत है। इसके अलावा, सन फार्मा, इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक, एचसीएल टेक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, पावर ग्रिड, आईटीसी और अदाणी पोर्ट्स प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। हालांकि, दूसरी तरफ टाटा मोटर्स में सर्वाधिक 1.13 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके अलावा, ट्रेंट, बजाज फाइनेंस और एशियन पेंट्स भी नुकसान में रहें।

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''फेडरल रिजर्व के ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती और आगे और कमी किये जाने के संकेत के बाद घरेलू शेयर बाजारों में बढ़त जारी रही। अधिक खर्च और मजबूत निर्यात संभावनाओं की उम्मीदों के चलते आईटी और फार्मा शेयरों ने बेहतर प्रदर्शन किया। हालांकि, उच्च मूल्यांकन और मजबूत डॉलर सूचकांक ने बीच-बीच में मुनाफावसूली को बढ़ावा दिया, लेकिन निजी बैंकों और मिड कैप शेयरों में नरमी ने सकारात्मक रुख को बनाए रखने में मदद की।''

मझोली कंपनियों से जुड़ा बीएसई मिडकैप सूचकांक 0.36 प्र. बढ़ा, जबकि छोटी कंपनियों से संबंधित स्मॉलकैप 0.01 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ स्थिर रहा।

रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा, ''बाजार की तेजी को मुख्य रूप से अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती का समर्थन मिला। इससे वैश्विक स्तर पर जोखिम धारणा मजबूत हुई। इसके अलावा, घरेलू स्तर पर निरंतर प्रवाह और प्रमुख क्षेत्रों में नियमित खरीदारी के कारण धारणा सकारात्मक बनी रही।''

बीएसई में 2,182 शेयरों में तेजी आई जबकि 1,993 शेयरों में गिरावट आई। वहीं 167 शेयरों के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की बढ़त में रहे, जबकि चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहे।

उद्योग को निवेश करने, क्षमता विस्तार में संकोच नहीं करना चाहिए : सीतारमण

नयी दिल्ली, 18 सितंबर। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार ने उद्योग जगत की अपेक्षाओं के अनुरूप नीतियां बनाई और अब समय आ गया है कि भारतीय उद्योग जगत और अधिक निवेश करे तथा क्षमता विस्तार करे। सीतारमण ने भारतीय गुणवत्ता प्रबंधन प्रतिष्ठान (आईएफक्यूएम) की एक संगोष्ठी में उद्योग जगत से युवाओं को कौशल प्रदान करने में सरकार के साथ साझेदारी करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि उद्योग जगत को सिर्फ बजट से पहले ही नहीं, बल्कि पूरे साल सरकार के साथ लगातार संपर्क बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लिए गुणवत्ता प्रबंधन के प्रति एक अनुभवी नजरिया अपनाना होगा, जिसमें विनिर्माण और सेवाओं के उन स्तरों और क्षेत्रों की पहचान की जाएगी जहां हस्तक्षेप की सबसे अधिक जरूरत है।

टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के यह पूछने पर कि उद्योग जगत को अब क्या करना चाहिए, सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सुधारों पर कभी नरमी नहीं बरती है और न ही उन्होंने उद्योग जगत की इच्छाओं को नजरअंदाज किया है। सरकार उद्योग जगत की अपेक्षाओं के अनुरूप काम कर रही है।

वित्त मंत्री ने आगे कहा कि सरकार ने व्यापार सुगमता, कर सुधार, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को खोलने और उद्योग जगत के अनुकूल नीतियां बनाने का काम किया है। सीतारमण ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि उद्योग जगत को अब भारत में अधिक निवेश करने, क्षमता विस्तार करने और अधिक उत्पादन करने में कोई हिचकिचाहट नहीं होगी। सरकार आगे और क्या करे, इस बारे में भी उद्योग को बताना चाहिए।

उद्योग जगत से निवेश करने के वित्त मंत्री के आह्वान पर प्रतिक्रिया देते हुए चंद्रशेखरन ने स्वीकार किया कि सरकार ने घरेलू और निर्यात बाजार, दोनों में अपार अवसर तैयार किए हैं।

उन्होंने कहा कि मेरा दृढ़ विश्वास है कि ज्यादा उद्यमी, अधिक संख्या में छोटी, मझोली और बड़ी कंपनियां ढेर सारा निवेश करेंगी। मुझे पूरा विश्वास है, क्योंकि निवेश के बिना हम इस अवसर का लाभ नहीं उठा पाएंगे। सरकार निजी क्षेत्र के उद्योगों को क्षमता विस्तार में निवेश के लिए प्रोत्साहित कर रही है, लेकिन निजी निवेश सरकारी पूंजीगत व्यय से पीछे बना हुआ है।

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अप्रैल में जारी एक सर्वेक्षण के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में निजी निवेश 26 प्रतिशत घटकर 4.89 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। सीतारमण ने आगे कहा कि भारत के सकल घरेलू उत्पाद में सबसे महत्वपूर्ण योगदान एमएसएमई क्षेत्र का है, और सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक एमएसएमई समूहों के बीच सक्रिय रहे।

सेबी ने हिंडनबर्ग के आरोपों को खारिज किया, अडाणी समूह को दी क्लीन चिट

नई दिल्ली/मुंबई, 18 सितंबर (हि.स)। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने गुरुवार को हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों को खारिज करते हुए उद्योगपति गौतम अडाणी और उनकी अगुवाई वाले समूह को क्लीन चिट दे दी है। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने आज जारी अपने अंतिम आदेश में निष्कर्ष निकाला कि आरोप 'सिद्ध नहीं' हुए और कोई दंडात्मक निर्देश जारी नहीं किया। नियामक ने दो अलग-अलग जारी आदेशों में कहा कि विस्तृत जांच के बाद भेदिया कारोबार, शेयर बाजार में गड़बड़ी और सार्वजनिक शेयरधारिता मानदंडों के उल्लंघन के आरोप निराधार पाए गए।

सेबी का यह आदेश जनवरी, 2023 की हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के बाद महीनों की जांच और अटकलों के बाद आया है। पूंजी बाजार नियामक का कारण बताओ नोटिस (एससीएन) 24 जनवरी, 2023 को प्रकाशित हिंडनबर्ग रिसर्च की एक रिपोर्ट के बाद जारी किया गया था, जिसमें समूह की कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की फंडिंग पर सवाल उठाया गया था।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के सदस्य कमलेश सी वार्ष्णेय ने आज जारी दोनों आदेशों में कहा कि नियामक के खुलासा मानदंडों का कोई उल्लंघन नहीं हुआ क्योंकि आदिकॉर्प, माइलस्टोन ट्रेडलिंक्स और रेहवर इन्फ्रास्ट्रक्चर के बीच समूह की कंपनियों के साथ लेनदेन संबंधित पक्ष की परिभाषा दायरे में नहीं आता है। इसमें प्रतिभूतियों के बड़े अधिग्रहण या नियंत्रण से संबंधित कोई उल्लंघन भी नहीं पाया गया जो निवेशकों को गुमराह कर सकता हो। सेबी जांच के बाद इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि अडाणी की कंपनियों या अधिकारियों पर जिम्मेदारी थोपने या जुर्माना लगाने का कोई आधार नहीं था।

उल्लेखनीय है कि हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के कारण सूचीबद्ध अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आई थी। हालांकि, हिंडनबर्ग कंपनी अब बंद हो चुकी है। अदाणी समूह ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में लगाए गए सभी आरोपों का बार-बार खंडन किया और उसे पूरी तरह से आधारहीन बताया। उच्चतम न्यायालय के द्वारा नियुक्त एक विशेषज्ञ समिति ने भी कहा था कि अडाणी के खिलाफ प्रथम दृष्टया गड़बड़ी का कोई सबूत नहीं है।

ऑनलाइन गेमिंग कानून एक अक्टूबर से होगा लागू : वैष्णव

नयी दिल्ली, 18 सितंबर। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बृहस्पतिवार को कहा कि ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन और नियमन अधिनियम एक अक्टूबर से लागू होगा। संसद में पिछले महीने पारित यह अधिनियम, जहां एक तरफ ई-स्पोर्ट्स और अन्य ऑनलाइन गेम को बढ़ावा देता है, वहीं पैसा आधारित सभी प्रकार के ऑनलाइन गेम पर प्रतिबंध लगाता है। वैष्णव ने 'एआई इम्पैक्ट समिट' 2026 इंडिया के बारे में जानकारी देने के लिए आयोजित कार्यक्रम में कहा, नियम एक अक्टूबर से लागू होंगे।''

मंत्री ने कहा कि ऑनलाइन गेमिंग कानून पारित होने के बाद भी सरकार उद्योग के साथ चर्चा कर रही है।

उन्होंने कहा, ''हमने उद्योग के साथ बातचीत की है, हमने उनके साथ कई बार चर्चा की है, हम पिछले लगभग तीन वर्षों से उनके साथ चर्चा कर रहे हैं। कानून पारित होने के बाद, एक बार फिर, हमने उनके साथ बातचीत की, हमने बैंकों और व्यावहारिक रूप से सभी संभावित पक्षों के साथ भी बातचीत की और हमने नियमों को अंतिम रूप दे दिया है।'' उन्होंने कहा कि सरकार उद्योग के साथ एक और दौर की चर्चा करेगी।

उन्होंने कहा, ''...और अगर उन्हें कुछ और समय चाहिए, तो हम निश्चित रूप से एक अधिक परामर्शी दृष्टिकोण पर विचार करेंगे। जो भी व्यावहारिक होगा, हम वह करेंगे। यह हमारा दृष्टिकोण रहा है। लेकिन इस समय, हमारा लक्ष्य एक अक्टूबर से नए कानून को लागू करना है।''

उद्योग द्वारा उठाई गई चिंताओं में से एक यह है कि उपयोगकर्ता खातों में पड़ी शेष राशि कैसे वापस की जाए। वैष्णव ने कहा कि सरकार ने बैंकों के साथ व्यापक चर्चा की है और वे समाधान पर पहुंच गए हैं।

दुनिया भर की

सरकार के खिलाफ सड़क पर उतरे 8 लाख लोग, फ्रांस में नेपाल से भी बड़ा बवाल

पेरिस, 18 सितंबर। हाल ही में बड़े पैमाने पर हुए विरोध प्रदर्शन के बाद फ्रांस में गुरुवार को एक बार फिर लाखों लोगों ने एकजुट होकर बड़ा प्रदर्शन किया है। बजट में कटौती के विरोध में और वेतन बढ़ाने और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के इस्तीफे की मांग को लेकर लाखों लोगों ने सड़कों पर उतरकर हिंसक प्रदर्शन किए हैं। इस दौरान सैंकड़ों रैलियों की वजह से देश में परिवहन व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई। गृह मंत्रालय के एक सूत्र ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया है कि हड़तालों और प्रदर्शनों में करीब 8,00,000 लोग शामिल हुए हैं। देश में लगभग एक तिहाई शिक्षक हड़ताल पर हैं, 10 में से 9 दवा की दुकानें बंद रहीं, वहीं पेरिस मेट्रो का परिचालन भी प्रभावित हुआ।

गुरुवार को पूरे देश के शिक्षकों, रेल चालकों, फार्मासिस्टों, किसानों और अस्पताल कर्मचारियों ने हड़ताल में हिस्सा लिया। प्रदर्शन में छात्रों ने भी हिस्सा लिया है। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि अलग-अलग जगहों पर 20 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया है। स्थिति को संभालने के लिए, देश भर में 80,000 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं, जो ड्रोन, बख्तरबंद वाहनों और वाटर कैनन की मदद से लोगों को काबू करने की कोशिशें कर रहे हैं।

बता दें कि फ्रांस में नए प्रधानमंत्री लेकोर्नू ने पिछले हफ्ते ही शपथ ली थी और पहले से जारी राजनीतिक संकट के बीच समाधान निकालने का वादा किया था। हालांकि उनकी नियुक्ति के बाद ट्रेड यूनियन और वामपंथी दल खुश नहीं हैं। लेकोर्नु द्वारा प्रधानमंत्रियों के आजीवन भत्ते खत्म करने और दो सार्वजनिक छुट्टियों को रद्द करने की योजना को वापस लेने के वादों के बावजूद, पूर्व प्रधानमंत्री फ्रांस्वा बायरू के 44 बिलियन यूरो के बजट के मसौदे पर लोग अब भी भड़के हुए हैं और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों का इस्तीफा मांग रहे हैं।

राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के करीबी और पूर्व रक्षा मंत्री लेकोर्नू पिछले दो सालों में पांचवें प्रधानमंत्री हैं। वह एक साल से भी कम समय में देश के चौथे प्रधानमंत्री हैं। ऐसे में राजनीतिक अस्थिरता की वजह से स्थिति बेकाबू होती जा रही है। वहीं फ्रांस की राजनीति में बजट हमेशा टकराव का बड़ा कारण रहा है। हर साल इसके जरिए यह तय होता है कि सरकार किन क्षेत्रों पर खर्च बढ़ाएगी और कहां कटौती करेगी, और यही सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच विवाद का कारण बनता है।

अमेरिका के पेन्सिलवेनिया में घरेलू विवाद सुलझाने गई थी पुलिस, घरवालों ने 3 अधिकारियों को मार डाला

नॉर्थ कोडोरस, 18 सितंबर। अमेरिका के दक्षिणी पेन्सिलवेनिया के नॉर्थ कोडोरस टाउनशिप में बुधवार को ताबड़तोड़ फायरिंग की घटना में 3 पुलिस अधिकारियों की मौत से खलबली मच गई है। लोग इस घटना के खिलाफ सड़कों पर उतर आए हैं। पेन्सिलवेनिया की सड़क पर घटना के बाद देर रात तक इकट्ठा हुए लोग विरोध प्रदर्शन करते देखे गए। पुलिस की प्रथम सूचना के अनुसार एक घरेलू विवाद की जांच करने पहुंची पुलिस के ऊपर यह फायरिंग की गई। इस दौरान हुई गोलीबारी की घटना में तीन पुलिस अधिकारियों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए हमलावर को मौके पर ही ढेर कर दिया।

यह घटना फिलाडेल्फिया से लगभग 185 किलोमीटर पश्चिम में और मैरीलैंड सीमा के पास स्थित इलाके में घटी। पुलिस अधिकारियों की एक टीम घरेलू विवाद से जुड़े मामले की जांच करने के लिए घटनास्थल पर पहुंची थी, तभी उन पर अचानक गोलियां चलाई गईं। स्थानीय अधिकारियों और राज्य प्रशासन ने इस दुखद घटना की पुष्टि की है। हालांकि अब तक हमलावर और मृत पुलिसकर्मियों की पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है। साथ ही यह भी स्पष्ट नहीं किया गया है कि किस परिस्थिति में गोलीबारी शुरू हुई और अधिकारियों को कैसे निशाना बनाया गया। इस सनसनीखेज घटना के बाद पेन्सिलवेनिया के गवर्नर जोश शापिरो ने घटना पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि हम उन तीन बहादुर अधिकारियों की मौत पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं, जिन्होंने इस काउंटी और देश की सेवा करते हुए अपने प्राण गंवाए। यह एक गहरी क्षति है। उन्होंने आगे कहा कि इस तरह की हिंसा किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है। हमें एक समाज के रूप में और बेहतर करने की ज़रूरत है।

घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गई है और मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। एफबीआई और अन्य संघीय एजेंसियों को भी जांच में शामिल किया गया है, ताकि इस घटना के पीछे के कारणों को समझा जा सके। स्थानीय समुदाय और पुलिस विभाग में शोक की लहर दौड़ गई है। मृतक अधिकारियों को जल्द ही सम्मान के साथ श्रद्धांजलि दी जाएगी। घायलों का इलाज स्थानीय अस्पताल में चल रहा है, जिनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। यह घटना अमेरिका में बढ़ती घरेलू हिंसा और पुलिस पर हमलों की घटनाओं की एक और कड़ी बनकर सामने आई है, जिसने कानून-व्यवस्था और पुलिस सुरक्षा पर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं।

ट्रम्प ब्रिटेन से बोले- सेना लगाकर अवैध प्रवासियों को रोको

ये देश को अंदर से बर्बाद करते हैं, फिलिस्तीन की मान्यता पर यूएस-यूके में सहमति नहीं

लंदन, 18 सितंबर। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से कहा कि अवैध प्रवासियों को रोकने के लिए सेना का इस्तेमाल करना पड़े तो करो। लंदन में गुरुवार को जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रम्प ने कहा कि अवैध लोग देश को अंदर से बर्बाद करते हैं। गाजा में फिलिस्तीनी राज्य को मान्यता देने के मुद्दे पर दोनों में सहमति नहीं बनी।

स्टार्मर ने कहा कि अमेरिका और ब्रिटेन सबसे अच्छे दोस्त हैं। उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के यूक्रेन पर हमलों को गलत बताया और कहा कि शांति चाहने वाले ऐसे काम नहीं करते। ट्रम्प ने भी पुतिन पर गुस्सा जताया और कहा कि उन्होंने मुझे बहुत निराश किया।

स्टार्मर ने गाजा में शांति की अपील की, लेकिन ट्रम्प ने फिलिस्तीन को मान्यता देने से इनकार कर दिया। ट्रम्प ने ब्रिटेन में बोलने की आजादी की चिंता जताते हुए कहा कि ब्रिटेन में स्वतंत्रता की परंपराएं बनी रहनी चाहिए।

दोनों ने एक बड़े टेक्नोलॉजी इन्वेस्टमेंट समझौते पर साइन किए। ट्रम्प ने कहा कि यह नई तकनीकी क्रांति लाएगा। उन्होंने मई में हुए अमेरिका-ब्रिटेन व्यापार समझौते की तारीफ की और स्टार्मर को बढ़िया डील करने वाला बताया।

प्रेस कॉन्फ्रेंस शुरू होने से पहले ट्रम्प ने ऑस्ट्रेलियाई न्यूज चैनल को बाहर कर दिया। इसके पीछे जगह की कमी कारण बताया गया है। कुछ दिन पहले, [illegible] के पत्रकार जॉन लियोन्स और ट्रम्प के बीच वॉशिंगटन में बहस हो गई थी।

एबीसी ने कहा कि उन्हें नहीं बताया गया कि लियोन्स के सवालों की वजह से ऐसा हुआ। दरअसल, लियोन्स ने ट्रम्प से पूछा था कि राष्ट्रपति बनने के बाद उनकी कमाई कितनी बढ़ी है। ट्रम्प को यह सवाल पसंद नहीं आया। उन्होंने गुस्से में कहा- तुम ऑस्ट्रेलिया को नुकसान पहुंचा रहे हो। ट्रम्प ने लियोन्स को चुप रहने को कहा और ऑस्ट्रेलियाई पीएम अल्बनीज से इसकी शिकायत करने की धमकी दी।

ट्रम्प ने कहा कि उनका बिजनेस उनके बच्चे देखते हैं। लियोन्स एबीसी के शो फोर कॉर्नर्स के लिए काम कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उनका सवाल जायज था, क्योंकि राष्ट्रपति का इतने सारे बिजनेस में होना सही है या नहीं, यह पूछना जरूरी है।

ट्रम्प की टीम ने सोशल मीडिया पर लियोन्स को विदेशी फेक न्यूज वाला कहा। फिर भी एबीसी ने बताया कि उन्हें व्हाइट हाउस में जाने की इजाजत है। एबीसी के न्यूज डायरेक्टर जस्टिन स्टीवेंस ने लियोन्स का समर्थन करते हुए कहा कि वे ऑस्ट्रेलिया के बेहतरीन पत्रकार हैं। उनका काम मुश्किल सवाल पूछना है।

ब्रिटेन में ट्रम्प के राजकीय दौरे का विरोध, हजारों लोग सड़कों पर उतरे, अमेरिकी राष्ट्रपति के खिलाफ नारे लगाए

लंदन, 18 सितंबर। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के राजकीय दौरे के विरोध में हजारों लोगों ने लंदन की सड़कों पर प्रदर्शन किया। इस रैली को स्टॉप ट्रम्प कोएलिशन नामक संगठन ने निकाला। इसमें 50 से ज्यादा यूनियन और सामाजिक संगठनों ने हिस्सा लिया। प्रदर्शनकारियों ने लंदन के पोर्टलैंड प्लेस से संसद भवन चौराहे तक रैली निकाली।

लंदन मेट्रोपॉलिटन पुलिस के मुताबिक करीब 5000 लोग इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। सुरक्षा के लिए 1600 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे। लोगों ने विरोध के लिए हाथों में तख्तियां ले रखी थीं। इन पर ट्रम्प नॉट वेलकम, नो टू रेसिज्म और स्टॉप आर्मिंग इजराइल यानी इजराइल को हथियार देना बंद करो, लिखा था। कई लोग ट्रम्प बेबी ब्लिम्प नाम के कॉस्ट्यूम के साथ भी पहुंचे। यह कॉस्ट्यूम 2019 में मशहूर हुआ था।

ब्रिटेन में तीन लोग रूस के लिए जासूसी कर रहे थे, पुलिस ने तीनों को किया गिरफ्तार

लंदन, 18 सितंबर। ब्रिटेन की आतंकवाद निरोधी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। रूस के लिए जासूसी करने के संदेह में दक्षिण-पूर्वी इंग्लैंड में दो पुरुषों और एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने बताया कि तीनों को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम की धारा 3 के तहत, किसी विदेशी खुफिया सेवा की सहायता करने के शक में पकड़ा गया। पुलिस ने कहा कि संदिग्धों को सशर्त जमानत पर रिहा करने से पहले लंदन के एक पुलिस स्टेशन ले जाया गया।

पुलिस के अनुसार, 41 वर्षीय पुरुष और 35 वर्षीय महिला को एक ही स्थान से गिरफ्तार किया गया, जबकि 46 वर्षीय एक अन्य पुरुष को दक्षिण-पूर्वी एसेक्स के ग्रेज क्षेत्र से पकड़ा गया। आतंकवाद निरोधक कमान के प्रमुख डोमिनिक मर्फी ने कहा कि विदेशी खुफिया सेवाओं द्वारा भर्ती किए जाने वाले प्रॉक्सी लोगों की संख्या बढ़ रही है। मई में भी छह बुल्गारियाई लोगों को पूर्वी इंग्लैंड के समुद्र तटीय रिसॉर्ट ग्रेट यारमाउथ में एक पूर्व गेस्टहाउस में संचालित रूसी जासूसी सेल में उनकी भूमिका के लिए जेल भेजा गया था। रूसी अर्धसैनिक वैगनर समूह द्वारा भर्ती किए गए कुछ लोग यूक्रेन को संचार उपकरण सप्लाई करने वाले गोदाम पर आगजनी के हमले के लिए सजा का इंतजार कर रहे हैं।

पिछले साल ब्रिटेन के एमआई5 प्रमुख केन मैक्कलम ने चेतावनी दी थी कि रूस की खुफिया सेवा यूक्रेन का समर्थन करने के कारण ब्रिटेन में अराजकता फैलाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि रूस ने ब्रिटिश धरती पर अपने कार्यों के लिए अपराधियों और निजी खुफिया एजेंसियों को नियुक्त किया है। मर्फी ने चेतावनी दी कि यदि यूके में किसी विदेशी राज्य की ओर से आपराधिक गतिविधि करने के लिए किसी से संपर्क किया जाता है या उसे ऐसा करने के लिए उकसाया जाता है, तो उसे दोबारा सोचना चाहिए।

फिल्मी खबरें

‘सलमान खान घोषित अपराधी है’, ‘दबंग’ डायरेक्टर ने लगाए गंभीर आरोप

दबंग फेम निर्देशक अभिनव कश्यप इन दिनों लगातार सलमान खान और उनके परिवार पर हमलावर बने हुए हैं। कुछ समय पहले ही उन्होंने सलमान को गुंडा, बदतमीज और गंदा इंसान कहकर विवाद खड़ा कर दिया था। अब एक बार फिर अभिनव ने अपनी वही कड़ी टिप्पणियां दोहराते हुए सलमान पर तीखा वार किया है। उनकी ताजा बयानबाजी ने फैंस का गुस्सा और

भड़का दिया है। अभिनव अब एक नए वीडियो में उन्हें छपरी कहकर संबोधित करते नजर आए हैं। वीडियो सामने आते ही सलमान के फैंस भड़क उठे हैं और सोशल मीडिया पर अभिनव को जमकर ट्रोल कर रहे हैं। दरअसल, इस दौरान अभिनव उस दौर की चर्चा कर रहे थे, जब सलमान को फिल्म तेरे नाम से खास पहचान मिली थी। बातचीत में अभिनव कश्यप ने एक बार फिर सलमान खान पर हमला बोला। उन्होंने कहा, सलमान ने वॉन्टेड और तेरे नाम जैसी फिल्मों के जरिए खुद को एक छिछोरे और मवाली की छवि में ढाल लिया था। लेकिन दबंग के लिए उन्हें यह छवि पीछे छोड़नी पड़ी। सच कहूं तो सलमान और उनका परिवार सामान्य नहीं है। सलमान एक घोषित अपराधी हैं। गैरकानूनी हथियार रखने के मामले में उन्हें 5 साल की सजा सुनाई गई थी। उसी दिन जमानत भी मिल गई और तब से शायद वो जमानत पर ही बाहर हैं। अपराधी आखिर अपराधी ही होता है। दबंग सिर्फ सलमान खान के लिए ही नहीं, बल्कि निर्देशक अभिनव कश्यप के करियर के लिए भी एक मील का पत्थर साबित हुई थी। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही थी और हाल ही में अपनी रिलीज़ के 15 साल पूरे कर चुकी है। हालांकि अभिनव के लिए इसका अनुभव उतना सुखद नहीं रहा। फिल्म की शूटिंग के दौरान ही उनका और सलमान का रिश्ता बिगड़ गया। हालात ऐसे बने कि अभिनव को पूरी फ्रैंचाइज़ से बाहर कर दिया गया और वह दबंग 2 का हिस्सा भी नहीं बन पाए। जब अभिनव कश्यप से दबंग 2 छोड़ने की वजह पूछी गई थी, तो उन्होंने साफ कहा था, कोई विवाद नहीं था। बस ये लोग बदतमीज हैं, गुंडे हैं। इन्हें काम करना नहीं, बल्कि एहसान जताना आता है। इन्हें लगता है कि ये किसी की जिंदगी बना सकते हैं। मैं झूठ बोलने वाला इंसान नहीं हूं। कई बार कड़वा सच दबा देता हूं, चुप हो जाता हूं, लेकिन अगर कुरेदोगे तो सच सुनना ही पड़ेगा। अभिनव ने यह भी तंज कसा था कि सलमान खान एक्टिंग को भी दूसरों पर एहसान करने जैसा मानते हैं।

‘कल्कि 2898 एडी’ के सीक्वल से बाहर हुई दीपिका पादुकोण

बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने अपने करियर में कई सुपरहिट और यादगार फिल्मों में काम किया है। उन्हीं फिल्मों में से एक है नाग अश्विन के निर्देशन में बनी मेगा-बजट फिल्म कल्कि 2898 एडी, जिसने बॉक्स ऑफिस पर 1,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर इतिहास रच दिया था। इस फिल्म की सफलता के बाद दर्शकों में इसके सीक्वल का बेसब्री से इंतजार था। खासकर, फैंस एक बार फिर से प्रभास और दीपिका की ऑनस्क्रीन जोड़ी को देखने के लिए उत्साहित थे। लेकिन अब फिल्म से जुड़ी एक बड़ी और चौंकाने वाली खबर सामने आई है। रिपोर्ट्स और प्रोडक्शन हाउस द्वारा जारी आधिकारिक बयान के अनुसार दीपिका पादुकोण कल्कि 2898 एडी 2 का हिस्सा नहीं होंगी। निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर घोषणा करते हुए साफ कर दिया है कि सीक्वल में दीपिका नज़र नहीं आएंगी। बताया जा रहा है कि फिल्म 2027 में रिलीज होने वाली थी और इसके कुछ सीन्स की शूटिंग भी पहले ही हो चुकी है। हालांकि अचानक इस घोषणा ने फैंस को हैरान कर दिया है। निर्माताओं ने दीपिका के बाहर होने का कारण भी स्पष्ट किया है। वैजयंती मूवीज ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, ये आधिकारिक रूप से ऐलान किया जाता है कि दीपिका कल्कि 2898 एडी के सीक्वल का हिस्सा नहीं होंगी। गहन विचार-विमर्श और चर्चा के बाद हमने अलग होने का फैसला लिया है। पहली फिल्म को बनाने में लंबा सफर और कड़ी मेहनत लगी, लेकिन हम इस साझेदारी को आगे जारी नहीं रख पाए।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में आया नया मोड़ एकता कपूर-बिपाशा से होगी पूछताछ

शिल्पा शेट्टी के हसबेंड और मशहूर बिजनेसमैन राज कुंद्रा की मुश्किलें कम होने का नाम ही नहीं ले रही हैं। 60 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का मामला उलझता ही जा रहा है। अब रिपोर्ट्स में आया है कि इस पैसे का कुछ हिस्सा फिल्म प्रोड्यूसर एकता कपूर, एक्ट्रेस बिपाशा बसु और नेहा धूपिया के खाते में गया है। इस मामले में मुंबई पुलिस की इकोनॉमिक ऑफेंस विंग अब जल्द ही एकता कपूर, बिपाशा बसु और नेहा धूपिया को नोटिस जारी कर सकती है और उन्हें पूछताछ के लिए बुला सकती है और इस पैसे का हिसाब मांग सकती है। नोटिस जारी कर मुंबई पुलिस पैसों के लेनदेन के संबंध में जानकारी मांग सकती है। ये मामला तब हाइलाइट हुआ जब बिजनेसमैन दीपक कोठारी ने आरोप लगाया है कि शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा की कंपनी ने उनके साथ 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की। ईओडब्लू इस मामले में कुंद्रा की कंपनी के वित्तीय लेनदेन की जांच में लगी है। इसका मकसद ये पता लगाना है कि क्या शिकायतकर्ता के आरोपों के अनुसार पैसों का दुरुपयोग हुआ है या नहीं। मामले पर इस हफ्ते ही राज कुंद्रा से करीब 5 घंटे पूछताछ की गई जिसमें राज कुंद्रा ने पैसों के लेनदेन की बात कबुली थी। इसी पूछताछ के दौरान नेहा, एकता और बिपाशा से पैसों का लिंक सामने आया है जिससे इन कलाकारों की मुश्किलें भी अब बढ़ गई हैं।

रश्मिका मंदाना का पहला हीरो जिससे एक्ट्रेस ने कर ली थी सगाई, बाद में टूट गया था रिश्ता

रश्मिका मंदाना ने अपने छोटे से करियर में ही बड़ा नाम कमा लिया है। रश्मिका कभी नेशनल क्रश हुआ करती थीं, जबकि आज उनकी गिनती सुपरस्टार में होने लगी है। रश्मिका मंदाना ने अपने 10 साल से भी छोटे करियर में साउथ की मशहूर अदाकाराओं में अपना नाम शुमार करा लिया है। जबकि हिंदी सिनेमा में भी दो ब्लॉकबस्टर फिल्में देकर वो हिंदी बेल्ट के दर्शकों का दिल भी जीत चुकी हैं। वो बड़े पर्दे पर अब तक कई एक्टर्स की हीरोइन बनी हैं। लेकिन, क्या आप रश्मिका के पहले हीरो के बारे में जनाते हैं? रश्मिका ने 9 साल के करियर में साउथ से लेकर बॉलीवुड तक में कई फिल्में की हैं। बॉलीवुड में वो

रणबीर कपूर, विकी कौशल और सलमान खान जैसे एक्टर्स संग स्क्रीन शेयर कर चुकी हैं। लेकिन, उनके पहले हीरो के बारे में कम ही लोग जानते हैं। 29 साल की हो चुकीं रश्मिका मंदाना ने अपने एक्टिंग करियर की शुरूआत साल 2016 में की थी। इस दौरान वो कन्नड फिल्म ‘किरीक पार्टी’ में नजर आई थीं। इसमें उनके अपोजिट लीड रोल में अभिनेता रक्षित शेट्टी नजर आए थे। उन्होंने और भी कई शानदार फिल्मों में काम किया है। एक तरफ जहां बड़े पर्दे पर किरिक पार्टी सफल साबित हुई तो वहीं दूसरी ओर रश्मिका और रक्षित को असल जिंदगी में भी एक दूसरे से प्यार हो गया था। किरीक पार्टी के सेट पर रश्मिका और रक्षित एक दूसरे के प्यार में पड़ गए थे। दोनों ने जल्द ही अपने रिश्ते को नया नाम देने का फैसला कर लिया था। साल 2016 में दोनों की फिल्म रिलीज हुई थी और 3 जुलाई 2017 को रश्मिका ने खुद से उम्र में 14 साल बड़े रक्षित शेट्टी से सगाई कर ली थी। 8 साल पहले रश्मिका और रक्षित की सगाई बेहद धूमधाम से हुई थी। हालांकि एक साल बाद 2018 में ही दोनों के रिश्ते में दरार पड़ गई थी। उनकी सगाई टूट गई थी, लेकिन दोनों कलाकार अब भी एक दूसरे के बर्थडे पर एक दूसरे को विश करते हैं।

खेल जगत

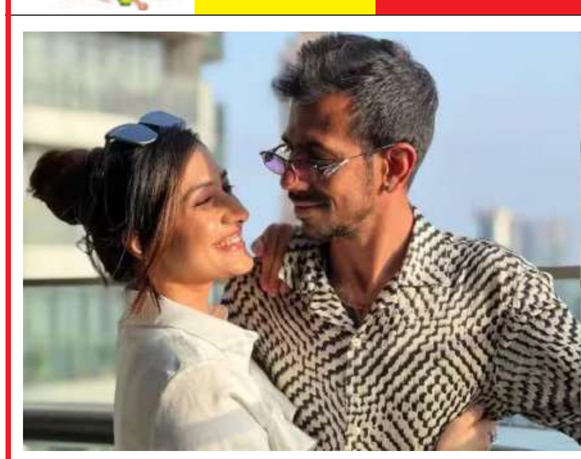

धनश्री वर्मा ने बताया युजवेंद्र चहल से तलाक का असली कारण

नई दिल्ली, 18 सितम्बर। क्रिकेटर युजवेंद्र चहल की एक्स-वाइफ और डांसर-कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा ने पहली बार अपनी टूट चुकी शादी और उस रिश्ते की कड़वाहट पर खुलकर बात की है। धनश्री ने ‘राइज एंड फॉल’ में नयनदीप रक्षित से कहा कि उनके पास कहने के लिए बहुत कुछ है, लेकिन उन्होंने अब तक चुप्पी साधे रखी क्योंकि उन्हें अपनी सच्चाई पता है। धनश्री का कहना है कि उन्हें उन लोगों के सामने खुद को साबित करने की जरूरत नहीं है जिन्हें वे जानती तक नहीं। धनश्री ने नयनदीप से कहा, मेरे पास कहने के लिए बहुत कुछ है। मुझे अपनी सच्चाई पता है। मेरे लोगों को, मेरी पूरी इंडस्ट्री, यहां तक कि उसकी पूरी इंडस्ट्री को भी सच्चाई पता है। तो फिर मैं उन आम लोगों के सामने खुद को सही क्यों ठहराती रहूं जिन्हें मैं जानती तक नहीं? बातचीत के दौरान धनश्री ने अपने और एक्स हस्बैंड युजवेंद्र चहल के बीच मुंबई जाने को लेकर मतभेदों का जिक्र किया। धनश्री बोलीं, जब दो लोग काम कर रहे होते हैं तो उनकी अपनी-अपनी जरूरतें होती हैं। वह ज्यादातर समय घर से बाहर रहते थे। ऐसे में आप अपने पार्टनर के साथ समय कैसे बिताएंगे? यही वजह है कि मैंने ट्रैवल करना शुरू किया। साथ ही परिवार को भी वक्त देना जरूरी होता है। इतने कम समय में सबकुछ बैलेंस करना आसान नहीं है। उन्होंने आगे कहा, किसी एक व्यक्ति का लगातार उलझते रहना सही नहीं है। सभी को एडजस्ट करना पड़ता है। हर किसी को अपना करियर और नाम बनाना होता है। मैं अपने परिवार के लिए काम करती हूं। मुझ पर कई जिम्मेदारियां हैं इसलिए मैं सिर्फ 3-4 दिन काम करके घर पर बैठ नहीं सकती। जब उनसे पूछा गया कि उन्हें कब एहसास हुआ कि उनकी शादी नहीं चल रही है, तो धनश्री ने बड़ी ईमानदारी से कहा, मेरे लिए वह इंसान एक समय में सबकुछ था। मेरे मन में उसके लिए हमेशा सम्मान रहा है और मैं इसे आगे भी बरकरार रखना चाहती हूं। बहुत से लोगों ने मुझसे कहा कि चुप रहना आपके खिलाफ जाएगा। लेकिन क्या ऐसा हुआ? नहीं। मैं आज खुश हूं।

चाइना मास्टर्स 2025: सिंधु, सात्विक चिराग की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में

नई दिल्ली, 18 सितंबर (हि.स.)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी गुरुवार को शेन्ज़ेन में सीधे गेमों में जीत के साथ चाइना मास्टर्स टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु ने छठी रैंकिंग वाली थाई प्रतिद्वंद्वी पोर्नपावी चोचुवोंग को सिर्फ़ 41 मिनट में 21-15, 21-15 से हरा दिया। इस जीत के साथ, 14वीं रैंकिंग वाली सिंधु ने चोचुवोंग के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 6-5 कर लिया। 30 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी क्वार्टर फ़ाइनल में एन से यंग से भिड़ेंगी। शीर्ष वरीयता प्राप्त कोरियाई खिलाड़ी ने सिंधु को अपनी सभी सात मुकाबलों में हराया है। इनमें से छह मुकाबलों का अंत सीधे गेमों में हुआ है। हाल ही में संपन्न हांगकांग ओपन के पहले दौर में ही बाहर हुईं सिंधु सीधे गेम में मिली जीत से खुश हैं और उन्होंने कहा कि वह अपनी थाई प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ शुरू से ही सतर्क थीं। मैच के बाद सिंधु ने कहा, मैं जीत से खुश हूँ और मेरे लिए शुरुआत से ही सतर्क रहना और अपना शत-प्रतिशत देना बेहद ज़रूरी था। वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। मैंने इंडोनेशिया ओपन में उनके साथ खेला थी; उस समय मुकाबला काफी कड़ा था। पहला गेम जीतने के बाद, मैं दूसरे गेम में ज़्यादा सतर्क थी। उन्होंने आगे कहा, अंक बराबर होने वाले थे, इसलिए मेरे लिए उनके करीब रहना बहुत ज़रूरी था, क्योंकि हर अंक मायने रखता है। मुझे खुशी है कि मैं जीत रही हूँ और मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। मुझे अब कल के लिए तैयारी करनी होगी। यह अच्छी बात है कि अगर आप पहला गेम जीतते हैं, तो दूसरे गेम में उसे खत्म कर देते हैं। सीधी जीत हमेशा आपको आत्मविश्वास देती है। लेकिन आपको लंबे मैचों के लिए भी तैयार रहना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि आप तेज़ गति से दौड़ें।

विश्व चैंपियनशिप फाइनल में सचिन मेडल से चूके नीरज चोपड़ा 8वें स्थान पर रहे, वाल्कॉट ने जीता

टोक्या, 18 सितम्बर। टोक्यों में जारी वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2025 के मैन जैवलिन थ्रो फाइनल में नीरज चोपड़ा का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है. नीरज चोपड़ा आठवें स्थान पर रहे। नीरज का बेस्ट थ्रो 84.03 मीटर (दूसरा अटेम्प्ट) का रहा. नीरज के अलावा इस प्रतिस्पर्धा में भारत के लिए सचिन यादव भी भाग लिया. सचिन ने अच्छा प्रदर्शन किया और चौथे नंबर पर रहे. पाकिस्तान के अरशद नदीम दसवें नंबर पर रहे।

सचिन यादव का बेस्ट थ्रो 86.27 मीटर रहा, जो उनका पर्सनल बेस्ट भी है. त्रिनिदाद एंड टोबैगो के केशोर्न वाल्कॉट (88.16 मीटर) ने गोल्ड मेडल जीता. जबकि ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स (87.36 मीटर) ने सिल्वर और यूएसए के कर्टिस थॉम्पसन (86.67 मीटर) ने कांस्य पदक अपने नाम किया। देखा जाए तो सचिन यादव केवल 40 सेमी की दूरी से ब्रॉन्ज नहीं जीत पाए।

फाइनल में अरशद नदीम का पहला थ्रो 82.73 मीटर का रहा, वहीं दूसरा प्रयास उनका फाउल रहा. अरशद का तीसरा प्रयास 82.75 मीटर रहा, जबकि पाकिस्तानी एथलीट ने चौथे प्रयास में फाउल किया. दूसरी ओर नीरज चोपड़ा का पहला प्रयास 83.65 मीटर और दूसरा अटेम्प्ट 84.03 मीटर का रहा, जबकि तीसरा और पांचवां अटेम्प्ट फाउल रहा. नीरज का चौथा अटेम्प्ट 82.86 मीटर का रहा था. सचिन यादव ने पहला थ्रो 86.27 मीटर का किया, वहीं दूसरा अटेम्प्ट फाउल रहा, जबकि तीसरा प्रयास 85.71 मीटर का था.

सचिन यादव का चौथा प्रयास 84.90 मीटर का रहा, जबकि आखिरी दो प्रयास उनके क्रमश- 85.96 मीटर और 80.95 मीटर रहे. तीन अटेम्पट के बाद दो एथलीट्स एलिमिनेट हुए. जबकि चौथे प्रयास के बाद दो और एथलीट्स को एलिमिनेट होना पड़ा. चौथे प्रयास के बाद अरशद नदीम एलिमिनेटर हुए. वहीं पांचवें प्रयास के बाद नीरज चोपड़ा को भी एलिमिनेट होना पड़ा।

फाइनल में नीरज चोपड़ा का प्रदर्शन-

पहला थ्रो- 83.65 मीटर
दूसरा थ्रो- 84.03 मीटर
तीसरा थ्रो- फाउल
चौथ थ्रो- 82.86 मीटर
पांचवां थ्रो- फाउल

फाइनल में सचिन यादव का प्रदर्शन-

पहला थ्रो- 86.27 मीटर
दूसरा थ्रो- फाउल
तीसरा थ्रो- 85.71 मीटर
चौथ थ्रो- 84.90 मीटर
पांचवां थ्रो- 85.96 मीटर
छठा थ्रो- 80.95 मीटर

नीरज चोपड़ा क्वालिफिकेशन राउंड में 84. 85 मीटर के थ्रो के साथ अपने ग्रुप में तीसरे और कुल छठे नंबर पर रहे थे. देखा जाए तो नीरज ने क्वालिफिकेशन राउंड को आसानी से पार कर लिया था. नीरज ने ग्रुप-ए में अपने पहले अटेम्प्ट में 84. 50 मीटर का थ्रो किया था, जो ऑटोमैटिक क्वालिफिकेशन जो 84.50 मीटर से अधिक रहा।

दूसरी ओर अरशद नदीम ने ग्रुप-बी में अपने पहले अटेम्प्ट में 76. 99 मीटर और दूसरे प्रयास में 74. 17 मीटर का थ्रो फेंका. ऐसा लग रहा था कि अरशद नदीम फाइनल में नहीं पहुंच पाएंगे, लेकिन पाकिस्तानी एथलीट ने तीसरे एवं आखिरी प्रयास में 85. 28 मीटर का थ्रो कर फाइनल में जगह पक्की की. अरशद नदीम ने ओवरऑल अंकतालिका में पांचवें स्थान पर रहकर फाइनल में जगह बनाई.

फाइनल में सभी खिलाड़ियों के बेस्ट थ्रो

1. केशोर्न वाल्कॉट (त्रिनिदाद एंड टोबैगो)- 88.16 मीटर
2. एंडरसन पीटर्स (ग्रेनाडा)- 87.38 मीटर
3. कर्टिस थॉम्पसन (यूएसए)- 86.67 मीटर
4. सचिन यादव (भारत)- 86.27 मीटर
5. जूलियन वेबर (जर्मनी)- 86.11 मीटर
6. 5. जूलियस येगो (केन्या)- 85.54 मीटर
7. रुमेश थरंगा पथिरागे (श्रीलंका)- 84.38 मीटर
8. नीरज चोपड़ा (भारत)- 84.03 मीटर
9. डेविड वेगनर (पोलैंड)- 83.03 मीटर
10. अरशद नदीम (पाकिस्तान)- 82.75 मीटर
11. जैकब वाडलेच (चेक गणराज्य)- 78.71 मीटर
10. कैमरन मैकएंटायर (ऑस्ट्रेलिया)- 75.65 मीटर

सुपर 4 मैच में भी हाथ नहीं मिलाएगी टीम इंडिया

पाकिस्तान फिर करेगा ड्रामा?

नई दिल्ली, 18 सितम्बर। एशिया कप में बुधवार को पाकिस्तान बनाम यूएई के मैच से पहले खूब ड्रामा हुआ। पीसीबी की तरफ से टूर्नामेंट के बॉयकॉट की गीदड़भभकी और तमाम नौटंकियों के बाद आखिरकार एक घंटे की देरी में मैच हुआ। जिस रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट को हटाने के लिए पाकिस्तान ने इतना सारा ड्रामा किया, वो टूर्नामेंट से हटना तो दूर, बुधवार के मैच में भी रेफरी की भूमिका में दिखे।

खैर मैच हुआ और पाकिस्तान ने आसानी से जीत हासिल कर सुपर-4 में जगह बना ली। अब रविवार यानी 21 सितंबर को दोनों चिर-प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान एक बार फिर आमने-सामने होंगे। लीग नहीं, सुपर 4 के मुकाबले में। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या पाकिस्तान उस मैच में भी ड्रामा करेगा?

इसका जवाब है- नहीं। पाकिस्तान ने बुधवार की ड्रामेबाजी के बाद न सिर्फ यूएई से मैच खेलने को तैयार हुआ बल्कि आने वाले सुपर-4 मैच में भारत के नो-हैंडशेक वाले रुख को मानने के लिए भी तैयार हो गया। संयोग से यूएई से मैच जीतने के बाद पाकिस्तानी टीम सुपर 4 में पहुंच गई है जहां उसका मुकाबला भारत से होगा। भारतीय टीम का रुख साफ है। वह सुपर-4 मैच में भी पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाएगी।

एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि बुधवार को आईसीसी के क्रिकेट महाप्रबंधक वसीम खान ने पीसीबी और पायक्रॉफ्ट के बीच मध्यस्थता की। उस दौरान पायक्रॉफ्ट ने कथित तौर पर पाकिस्तानी अधिकारियों से कहा कि उन्होंने तो सलमान अली आगा को शर्मिंदगी से बचाया क्योंकि भारत ने पहले ही कह रखा था कि सूर्यकुमार यादव उनसे हाथ नहीं मिलाएंगे।

पाकिस्तान की इन सारी पैंतरेबाजियों और नौटंकी की शुरुआत 14 सितंबर को भारत के खिलाफ मैच से हुई। टॉस के दौरान दोनों कप्तानों ने हाथ नहीं मिलाए। भारत ने एकतरफा मुकाबले में पाकिस्तान को बुरी तरह पीटा। पाकिस्तानियों को हार का गम तो था ही। गम और बढ़ गया जब मैच जीतने के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी टीम से हाथ नहीं मिलाए। वे इंतजार करते रह गए। कप्तान आगा और कोच माइक हेसन भारतीय ड्रेसिंग रूम की तरफ भी बढ़े लेकिन दरवाजा बंद हो गया तो उन्हें लौटना पड़ा।

एक तो मैच में हार, ऊपर से भारतीयों का हाथ मिलाने से इनकार। पाकिस्तान इससे बौखला गया। बौखलाहट और बढ़ गई जब मैच के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने जीत को पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों और ऑपरेशन सिंदूर में शामिल भारत के जांबाजों को समर्पित कर दिया। फिर क्या था। पाकिस्तान की नौटंकी शुरू हो गई।

पहले उसने मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट से भारतीय टीम के हाथ नहीं मिलाने की शिकायत की। फिर रेफरी के खिलाफ ही आईसीसी में शिकायत कर दी। आरोप लगाया कि उन्होंने ही टॉस के दौरान पाकिस्तानी कप्तान को भारतीय समकक्ष से हाथ नहीं मिलाने को कहा था। पायक्रॉफ्ट को टूर्नामेंट से हटाने की मांग करते हुए बहिष्कार की धमकी भी दी। आखिरकार तमाम नौटंकियों के बाद पाकिस्तान की धमकी गीदड़भभकी ही साबित हुई।

पाकिस्तान की जर्सी पर मचा बवाल पीसीबी पर लगा भ्रष्टाचार का आरोप

एक पूर्व खिलाड़ी ने पीसीबी की पोल खोलकर रख दी है। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी अतीक-उज-जमान ने दावा किया है कि एशिया कप में जिस जर्सी को पहनकर पाकिस्तानी टीम खेल रही है वो बेहद ही घटिया क्वालिटी की है. अतीक-उज-जमान ने इस मुद्दे को सोशल मीडिया पर उठाया है, उन्होंने पीसीबी की आलोचना की है. जमान ने कहा कि एक ओर जहां दूसरी टीमों की जर्सी ड्राई फिट है वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान की जर्सी खराब है।

अफगानिस्तान के कोच ट्रॉट ने भारतीय टीम को बताया ट्राफी का दावेदार

नई दिल्ली, 18 सितम्बर। भारतीय टीम ने एशिया कप 2025 में दमदार प्रदर्शन करते हुए अपने शुरुआती दोनों मुकाबले जीते हैं। सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व वाली टीम ने पहले मुकाबले में यूएई को हराया और फिर चिर प्रतिद्वंदी पाकिस्तान को रौंदा। इसके साथ ही भारत ने एशिया कप सुपर-4 चरण के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। भारत का अगला मुकाबला ओमान से होगा। इस मैच से पहले अफगानिस्तान के कोच जोनाथन ट्रॉट ने भारतीय टीम की तारीफ करते हुए उन्हें एशिया कप टी20 कप जीतने के प्रबल दावेदरों में से एक बताया है।

बातचीत में अफगानिस्तान के कोच जोनाथन ट्रॉट ने कहा, भारत इस समय जो भी टीम उतारता है वो बहुत अच्छी होती है। इन हालातों में एशिया कप, हमने चैंपियंस ट्रॉफी में उन्हें देखा है और यह कहना मूर्खता होगी कि वे प्रबल दावेदारों में से एक नहीं हैं। भारत ने एशिया कप का शानदार आगाज किया था। टीम ने ग्रुप स्टेज के शुरुआती दोनों मुकाबले जीते हैं। टीम ने यूएई को नौ विकेट से और पाकिस्तान को सात विकेट से हराया। कोच ने भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव की भी प्रशंसा की।

कोच जोनाथन ट्रॉट ने कहा, मुझे लगता है कि सूर्यकुमार शानदार खिलाड़ी है, अब वह कप्तान है, इसलिए अतिरिक्त जिम्मेदारी है। मैं आगे देखना चाहता हूं कि वो इस लीडरशिप रोल में कैसे बढ़ते हैं। अफगानिस्तान के ऑलराउंडर गुलबदीन नईब ने भी भारत की तारीफ की है। उन्होंने कहा, %%भारत दुनिया और एशिया कप में सर्वश्रेष्ठ टीम है। आप उनसे काफी कुछ सीखते हैं। बांग्लादेश से हारने के बाद अफगानिस्तान को सुपर चार में जगह बनाने के लिये श्रीलंका को हर हालत में हराना होगा । इसमें जीतने पर उसके श्रीलंका और बांग्लादेश के समान चार अंक होंगे लेकिन उसका रन रेट (2.150) बांग्लादेश (माइनस 0.270) से बेहतर है जिसके सारे लीग मैच हो चुके हैं।

उज्जैन का मंदिर ही नहीं पितृपक्ष में चमत्कारी घाट भी हैं बेहद प्रसिद्ध

उज्जैन को अवंतिका नगरी और बाबा महाकाल की भूमि के रूप में भी जाना जाता है। सतयुग से ही यहां तर्पण और श्राद्ध कर्म की परंपरा चली आ रही है। उज्जैन में सिद्धवट, रामघाट और गयाकोठा तीर्थ पर पिंडदान और तर्पण सबसे ज्यादा प्रसिद्ध हैं। उज्जैन की मोक्षदायिनी शिप्रा नदी के घाटों पर प्रतिवर्ष पितृ पक्ष के दौरान हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं। इनमें सबसे प्रमुख रामघाट है, जिसकी मान्यता भगवान श्रीराम से जुड़ी हुई है। कथा है कि वनवास काल में भगवान राम जब उज्जैन आए थे, तब उन्होंने शिप्रा नदी के तट पर अपने पिता महाराज दशरथ के लिए तर्पण और पिंडदान किया था।

माता पार्वती ने लगाया था वटवृक्ष

इसी प्रकार सिद्धवट घाट का महत्व भी अत्यधिक है। यहां एक प्राचीन वटवृक्ष स्थित है, जिसके बारे में मान्यता है कि इसे माता पार्वती ने लगाया था। इसका वर्णन स्कंद पुराण में भी मिलता है। देशभर में ऐसे चार सिद्धवट माने जाते हैं, जिनमें से एक उज्जैन का सिद्धवट है। इसे प्रेतशिला और शक्तिभेद तीर्थ भी कहा जाता है। यहां पितरों का श्राद्ध करने से वे तुरंत तृप्त होते हैं और आदित्यलोक की प्राप्ति करते हैं। मान्यता है कि जब भगवान महाकाल की सेना में शामिल भूत-प्रेतों ने मुक्ति का स्थान मांगा, तब भगवान शिव ने उन्हें सिद्धवट क्षेत्र दिया, तभी से यह स्थान मुक्ति और श्राद्ध कर्म के लिए सर्वोपरि माना जाता है।

पितृ कर्म के लिए प्रसिद्ध है गयाकोठा मंदिर

उज्जैन का गयाकोठा मंदिर भी पितृ कर्म के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध है। यहां हजारों लोग दूध और जल से तर्पण तथा पिंडदान करते हैं। ऋषि तलाई नामक स्थान पर फल्गुन नदी का गुप्त प्राकट्य माना जाता है। यहां सप्तऋषियों को साक्षी मानकर पितरों का श्राद्ध करने से वैसा ही फल मिलता है, जैसे गयाजी धाम में श्राद्ध करने से प्राप्त होता है।

पुरोहितों के पास 150 साल पुराना वंशावली रिकॉर्ड

उज्जैन की एक और विशेषता यह है कि यहां के पुरोहितों के पास लगभग 150 साल पुराना वंशावली रिकॉर्ड मौजूद है। आज के डिजिटल युग में भी वे बिना किसी कंप्यूटर की मदद के, मात्र गोत्र, समाज या गांव का नाम पूछकर पीढ़ियों का विवरण बही-खातों से बता देते हैं। यह प्राचीन पद्धति आज भी मान्य है और कोर्ट में भी इसे साक्ष्य के रूप में स्वीकार किया जाता है।

सर्वपितृ अमावस्या : श्राद्ध और तर्पण करके ज्ञात व अज्ञात पितरों को करते हैं विदा

जाने-अनजाने हुई गलती की भी मांगी जाती है माफी

सर्वपितृ अमावस्या पर श्राद्ध और तर्पण करके पितरों को विदा किया जाता है और जाने अनजाने हुई गलती की माफी भी मांगी जाती है। इस बार यह शुभ तिथि 22 सितंबर दिन रविवार को है। मान्यता है कि इस दिन ज्ञात-अज्ञात पितरों का श्राद्ध और तर्पण करने से आत्मा तृप्त होकर सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देती है। बहुत से लोगों को सर्वपितृ अमावस्या के आसपास सपने में सांप दिखते हैं। सपनों में सांप का दिखना कई लोगों के लिए एक खास अनुभव होता है, जो कभी-कभी डरावना भी लग सकता है। हिंदू धर्म और प्राचीन स्वप्न शास्त्र में सांप को लेकर अलग-अलग तरह की मान्यताएं रही हैं। सांप का मतलब केवल डर या खतरे से नहीं होता, बल्कि इसके पीछे कई गहरे रहस्य और संकेत छिपे होते हैं। आइए जानते हैं सर्वपितृ अमावस्या पर सपने में सांप का देखना शुभ है या अशुभ?

सर्वपितृ अमावस्या पर सपने में सांप का दिखना

पौराणिक ग्रंथों में बताया गया है कि सपनों में सांप दिखना जीवन में आने वाली कुछ खास घटनाओं का संकेत हो सकता है। यही कारण है कि अगर किसी को बार-बार सपने में सांप दिखाई दे, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। इसे समझना और इसका सही दिशा में समाधान निकालना जरूरी होता है। वहीं सर्वपितृ अमावस्या पर सपने में सांप दिख रहे हैं तो इसका जानना आपके लिए बहुत जरूरी है।

स्वप्न शास्त्र के अनुसार, अगर सर्वपितृ अमावस्या पर किसी को सपने में बहुत सारे सांप दिखाई दे रहे हैं, तो यह आमतौर पर शुभ नहीं माना जाता। ऐसे सपने यह संकेत देते हैं कि आने वाले समय में व्यक्ति के जीवन में कुछ परेशानियां या विवाद हो सकते हैं। अगर आपको ऐसा कुछ सपना दिख जाए तो पितरों से जान अनजाने हुई गलती की क्षमा मांगें और किसी पंडित से जानकारी लेकर श्राद्ध व तर्पण करें।

सांपों की संख्या ज्यादा होना

सर्वपितृ अमावस्या पर अगर सपनों में सांपों की संख्या ज्यादा हो, तो यह आपकी कुंडली में किसी प्रकार के पितृ दोष या कालसर्प दोष का संकेत हो सकता है। ऐसे दोषों के कारण जीवन में अनजानी मुश्किलें और तनाव बढ़ सकते हैं। इस स्थिति में धार्मिक उपाय करना और दोषों की शांति करवाना आवश्यक हो जाता है, ताकि जीवन में स्थिरता और शांति बनी रहे।

सांप को पीछा करते हुए देखना

सर्वपितृ अमावस्या पर आए सपने में अगर आप सपनों में सांप का पीछा कर रहे हैं तो पितर आपको संकेत दे रहे हैं। पितर आपको बताना चाहते हैं कि आपके आसपास कोई समस्या या खतरा मंडरा रहा है, जिससे सावधान रहना जरूरी है। पर्सनल व प्रोफेशनल लाइफ में कोई आपको नुकसान पहुंचाना चाहता है इसलिए आपको सतर्क रहने की आवश्यकता है।

सांप और नेवले की लड़ाई देखना

सांप और नेवले की लड़ाई देखने वाला सपना भी स्वप्न शास्त्र में विशेष महत्व रखता है। दोनों एक-दूसरे के प्राकृतिक दुश्मन माने जाते हैं। अगर कोई व्यक्ति सर्वपितृ अमावस्या पर सपने में इस लड़ाई को देखता है, तो इसका मतलब होता है कि उसके जीवन में किसी विवाद या झगड़े का संकट आने वाला है। ऐसी स्थिति में कोर्ट-कचहरी या किसी कानूनी मुसीबत में फंसने की आशंका बढ़ जाती है।

सांप को काटते हुए देखना

वहीं, सर्वपितृ अमावस्या पर अगर सपने में सांप काटते हुए दिख जाए तो यह एक शुभ संकेत माना जाता है। इसका अर्थ है कि आपको कोई अच्छी खबर मिलने वाली है या जीवन में कोई सकारात्मक बदलाव आएगा। वहीं, काला सांप फन उठाए दिखना भी शुभ माना जाता है और यह जीवन में खुशहाली और सफलता का संकेत देता है।

महामृत्युंजय की शक्ति का चमत्कार

महामृत्युंजय मंत्र का जाप रुद्राक्ष की माला से करना विधि संगत

पद्म पुराण उत्तर खण्ड के अनुसार मृकण्डु मुनि के कोई संतान नहीं थी, संतान प्राप्ति हेतु मुनि ने सपत्नीक भगवान शिव की आराधना की। भगवान शिव उनकी तपस्या से अत्यन्त प्रसन्न हुए और वर मांगने को कहा। मुनि ने पुत्र प्राप्ति की कामना व्यक्त की तो भगवान शिव बोले, 'हे मुने! तेजस्वी, बुद्धिमान, ज्ञानी, चरित्रवान पुत्र चाहते हो तो वह मात्र सोलह वर्ष तक जीवित रहेगा। अज्ञानी और चरित्रहीन पुत्र पूर्ण आयु वाला होगा। आप कैसा पुत्र चाहते हैं।' मुनि ने अल्पायु वाला गुणवान पुत्र ही मांगा। शिव की कृपा से मुनि को गुण संपन्न पुत्र की प्राप्ति हुई। मुनि ने उसका नाम मार्कण्डेय रखा।

समयानुकूल उसकी शिक्षा-दीक्षा चलती रही। मृत्यु का समय निकट आता जानकर मुनि चिंतित रहने लगे। एक दिन पुत्र ने जब उनकी उदासी का कारण जानना चाहा तो मुनि ने पुत्र को पिछली बातें बताईं। मार्कण्डेय को अपनी साधना पर अटूट विश्वास था, उन्होंने प्रण किया कि मैं भगवान मृत्युञ्जय को प्रसन्न कर पूर्णायु को प्राप्त करूंगा। इस प्रकार बालक मार्कण्डेय विधि-विधान से आशुतोष भगवान शिव शंकर की उपासना करने लगे।

सोलहवें वर्ष के अन्तिम दिन काल यानि मृत्यु के देवता उनके सम्मुख आ पहुंचा। मार्कण्डेय ने उनसे स्तोत्र को पूर्ण करने देने का आग्रह किया किन्तु मृत्युदेव ने उन्हें ऐसा करने की अनुमति नहीं दी। जब काल ने मुनि मार्कण्डेय के प्राण हरण करने चाहे तो भगवान शिव लिंग से प्रकट हो गए।

कथानक के अनुसार यमदेव भगवान से भयभीत होकर चले गए। पूजन की पूर्णता पर प्रसन्न होकर भगवान ने उन्हें अल्पायु दोष से मुक्त कर दिया।

महामृत्युंजय मंत्र का जाप रुद्राक्ष की माला से करना विधि संगत है। मूल मंत्र का सवा लक्ष जाप कराके उसका दशांश हवन, हवन का दशांश तर्पण, तर्पण का दशांश मार्जन एवं मार्जन का दशांश ब्राह्मण भोजन कराना चाहिए। मार्कण्डय ऋषि की अमरता भक्ति और साधना की अलौकिक गाथा है।

ओशो ने बताया- वैराग्य का अर्थ, जहां न राग न विराग

वैराग्य का अर्थ, जहां न राग रह गया, न विराग रह गया। जहां न किसी चीज का आकर्षण है, न विकर्षण है। न किसी चीज के प्रति खिंचाव है, न विपरीत भागना है। जहां न किसी चीज का बुलावा है, न विरोध है। जहां व्यक्ति थिर हुआ, सम हुआ, जहां पक्ष और विपक्ष एक से हो गए, वहां वैराग्य फलित होता है। लेकिन इसे विराग या वैराग्य क्यों कहते हैं? जहां वैराग्य भी नहीं है, वहां वैराग्य क्यों कहते हैं? क्योंकि कोई उपाय नहीं है। शब्द की मजबूरी है, और कोई बात नहीं है। आदमी के पास सभी शब्द द्वंद्वात्मक हैं, डायलेक्टिकल हैं। आदमी की भाषा में ऐसा शब्द नहीं है जो नॉन-डायलेक्टिकल हो, द्वंद्वात्मक न हो। मनुष्य ने जो भाषा बनाई है, वह मन से बनाई है। मन द्वंद्व है। इसलिए मनुष्य जो भी भाषा बनाता है, उसमें विपरीत शब्दों में भाषा को निर्मित करता है। मजे की बात है कि हमारी भाषा बन ही नहीं सकती विपरीत के बिना। क्योंकि बिना विपरीत के हम परिभाषा नहीं कर सकते। अगर कोई आपसे पूछे कि अंधेरा यानी क्या? तो आप कहते हैं, जो प्रकाश नहीं है। कोई पूछे, प्रकाश क्या? तो आप कहते हैं, जो अंधेरा नहीं है। न आपको अंधेरे का पता है कि क्या है, न प्रकाश का पता है कि क्या है? अंधेरे को जब पूछते हैं, तो कह देते हैं, प्रकाश नहीं है। जब पूछते हैं, प्रकाश क्या है? तो कह देते है, अंधेरा नहीं है। यह कोई परिभाषा हुई? परिभाषा तो तभी हो सकती है, जब कम से कम एक का तो पता हो!

साल का अंतिम सूर्यग्रहण लग रहा सर्वपितृ अमावस्या को

साल का अंतिम सूर्यग्रहण जल्द ही लगने जा रहा है। यह ग्रहण पितृपक्ष के आखिरी दिन यानी सर्वपितृ अमावस्या पर लगेगा और पितरों की विदाई ग्रहण काल में की जाएगी। ज्योतिष शास्त्र में सूर्य ग्रहण का विशेष महत्व बताया गया है। शास्त्रों के अनुसार, सूर्य को राहु ग्रहण लगाता है। लेकिन, क्या यह ग्रहण भारत में दिखाई देगा। क्या इसका सूतक काल भारत में भी मान्य होगा।

साल का आखिरी सूर्य ग्रहण 21 सितंबर की रात को लगेगा। इसी दिन सर्वपितृ अमावस्या भी है। भारतीय समयानुसार, ग्रहण रात में 10 बजकर 59 मिनट से मध्यरात्रि 3 बजकर 23 मिनट तक का समय है। हालांकि यह ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा। बता दें कि साल का अंतिम ग्रहण कन्या राशि में लगेगा। सूर्य ग्रहण का सूतक काल 12 घंटे पहले लग जाता है। ऐसे में भारतीय समय अनुसार, सुबह में 10 बजकर 59 मिनट पर ग्रहण का सूतक काल आरंभ हो जाएगा। साथ ही यह खंडग्रास सूर्यग्रहण होगा जिसमें सूर्य का कुछ ही हिस्सा ढक जाता है। इसे आंशिक सूर्यग्रहण कहा जाता है। जानकारी के लिए बता दें कि, यह ग्रहण भारत में अदृश्य रहेगा तो इसका सूतक काल भी मान्य नहीं होगा।

सूर्य ग्रहण 2025 का समय

ग्रहण प्रारंभ रात में 10 बजकर 59 मिनट पर (भारत के समयानुसार)

ग्रहण का मध्य 1 बजकर 59 मिनट पर (भारत के समयानुसार)

ग्रहण समाप्त रात में रात में 3 बजकर 23 मिनट पर।

क्या सूर्यग्रहण पर कर सकते हैं पितरों का तर्पण?

21 तारीख को लगने जा रहे सूर्यग्रहण के दिन सर्वपितृ अमावस्या भी है ऐसे में बहुत से लोगों के मन में सवाल होगा की इस दिन क्या पितरों का तर्पण और श्राद्ध कर्म आदि कार्य किए जाएंगे? बता दें कि भारत में सूर्यग्रहण अदृश्य है इसलिए इसका प्रभाव भी यहां नहीं होंगा तो श्राद्ध और तर्पण आदि का कार्य आप सामान्य रूप से कर सकते हैं।

नवरात्रि के दौरान नौ दिनों मां दुर्गा के नौ अलग-अलग रूपों की आराधना

साल 2025 में 22 सितंबर, सोमवार से शारदीय नवरात्रि की शुरुआत होने वाली है। साल 2025 में नवरात्रि बेहद खास होंगे इस बार नवरात्रि 9 नहीं बल्कि पूरे 10 दिन के होंगे। नवरात्रि के दौरान नौ दिनों मां दुर्गा के नौ अलग-अलग रूपों की आराधना की जाती है और हर देवी को उनका प्रिय भोग अर्पित किया जाता है। ऐसा करने से मां दुर्गा का आर्शीवाद अपने भक्तों पर बना रहता है और मां प्रसन्न होती हैं। इस साल शारदीय नवरात्रि पर नौ देवियों को किन चीजों का भोग लगाएं यह जानना बेहद जरूरी और महत्वपूर्ण है। मां को उनकी प्रिय चीजों का भोग लगाने से उनकी कृपा बनी रहती है।

नवरात्रि 9 दिन 9 भोग

नवरात्रि दिन 1- शैलपुत्री माता भोग- घी माता शैलपुत्री को घी अर्पित करने से जीवन में सुख-समृद्धि आती है और स्वास्थ्य अच्छा रहता है।

नवरात्रि दिन 2- ब्रह्मचारिणी माता भोग- मिश्री और शक्कर के साथ फूल इस दिन ब्रह्मचारिणी देवी को मिश्री का भोग लगाने से दीर्घायु और सौभाग्य प्राप्त होता है।

नवरात्रि दिन 3- चंद्रघंटा माता भोग- दूध और खीर इस दिन चंद्रघंटा देवी को दूध से बने व्यंजन अर्पित करने से घर-परिवार में शांति और सुख का वास होता है।

नवरात्रि दिन 4- कूष्मांडा माता भोग - मालपुए इस दिन माता को मालपुए चढ़ाने से बुद्धि, ज्ञान और विद्या की प्राप्ति होती है। विद्यार्थी और कलाकारों के लिए यह विशेष शुभ माना गया है।

नवरात्रि दिन 5- स्कंदमाता भोग- केले इस दिन स्कंदमाता को केले अर्पित करने से परिवार में सुख-शांति और संतान सुख प्राप्त होता है।

नवरात्रि दिन 6- कात्यायनी माता भोग- शहद इस दिन कात्यायनी देवी को शहद का भोग लगाने से संबंधों में मधुरता आती है और विवाह में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं।

नवरात्रि दिन 7- कालरात्रि माता भोग- गुड़ और जौ इस दिन कालरात्रि को गुड़ और जौ का भोग लगाने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और जीवन में सकारात्मकता आती है।

नवरात्रि दिन 8- महागौरी माता भोग- नारियल इस दिन माता महागौरी को नारियल अर्पित करने से पवित्रता और सौभाग्य मिलता है।

साथ ही, घर में सुख-समृद्धि का वास होता है।

नवरात्रि दिन 9- सिद्धिदात्री माता भोग- तिल का प्रसाद इस दिन सिद्धिदात्री माता को तिल अर्पित करने से जीवन में सिद्धियां प्राप्त होती हैं और समस्त दुखों का नाश होता है।

बांके बिहारी का प्राकट्य और कुंज गलियों का सच

मार्गशीर्ष महीने की पंचमी को बांके बिहारी पहली बार प्रकट हुए थे। स्वामी हरिदास की भक्ति से प्रसन्न होकर श्रीकृष्ण ने दर्शन दिए। भक्तों की इच्छा पर राधा-कृष्ण एक रूप होकर बांके बिहारी बने। अकबर भी हरिदास के संगीत से प्रभावित हुए थे। वृंदावन की कुंज गलियां श्रीकृष्ण की लीलाओं से जुड़ी हैं। तो आइए जानते हैं कुंज गली और बांके बिहारी के प्राकट्य का क्या है पूरा सच।

हिंदू मान्यताओं के मुताबिक मार्गशीर्ष महीने की पंचमी तिथि को बांके बिहारी पहली बार प्रकट हुए थे। इस अलौकिक रूप के पीछे एक बेहद भावुक कर देने वाली कथा जुड़ी है। स्वामी हरिदास, जिन्हें संगीत का मर्मज्ञ और भक्तों का संत कहा जाता है, श्रीकृष्ण के उपासक थे। वे रोज वृंदावन की रास स्थली में बैठकर भजन गाते और संगीत से कृष्ण की आराधना करते। हिंदू मान्यता है कि उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान श्रीकृष्ण उन्हें दर्शन दिया करते थे। एक दिन उनके एक शिष्य ने कहा, गुरुदेव, आपके जैसे अन्य भक्त भी राधा-कृष्ण के दर्शन करना चाहते हैं। यह सुनकर स्वामी हरिदास ने भजन गाना शुरू किया और जैसे ही उनकी तान छिड़ी, राधा-कृष्ण ने उन्हें दर्शन दिए। भक्तों की इच्छा जानकर हरिदास ने उनसे विनती की कि वो यहीं सभी के लिए ठहर जाएं। तब राधा-कृष्ण ने उनके पास ठहरने की बात कही। इस पर हरिदास ने कहा, मैं तो संत हूं, आपको जैसे भी रख लूंगा, लेकिन राधा रानी के लिए रोज नए वस्त्र और आभूषण कहां से लाऊंगा? यह सुनकर राधा और कृष्ण एक रूप हो गए। और वही बांके बिहारी के रूप में प्रकट हुए।

कृष्ण यहां अर्धनारीश्वर की रूप में हैं, काले रंग की मूर्ति मंदिर में विराजमान है। यहां सखी परंपरा के तहत गोस्वामी उन्हें अपना स्वामी मानते हैं। श्री बांके बिहारी मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां हर दिन मंगला आरती नहीं होती। घंटियां नहीं बजतीं। ताकि बांके बिहारी की नींद में खलल न पड़े।

संगीतज्ञ तानसेन के गुरु माने जाते हैं। तानसेन की प्रेरणा से मुगल बादशाह अकबर भी वृंदावन आए थे और हरिदास की भक्ति और संगीत से इतने प्रभावित हुए कि उनके मुरीद बन गए। हरिदास की रचनाओं पर किताब लिखने वाले और बांके बिहारी के सेवायत्त कृष्ण चंद्र गोस्वामी बताते हैं कि एक बार की बात है जब तानसेन गा रहे थे तो अकबर बादशाह ने उनकी तारीफ की। तानसेन ने कहा, हुजूर मैं तो कुछ भी नहीं गाता जो मेरे गुरु गाते हैं। इसपर अकबर ने कहा, उनको दरबार बुलाया जाए। तब तानसेन ने कहा, वो अपनी मर्जी के मालिक हैं। कहीं जाते नहीं। उन्हें सुनने के लिए आपको वृंदावन जाना पड़ेगा, लेकिन आप बादशाह बनकर जाएंगे तो हो सकता है वो गाएं नहीं। तब अकबर ने सेवक का रूप धारण किया और तानसेन के साथ वृंदावन आ गए। कुंज गलियों से पैदल गुजरते हुए हरिदास के पास पहुंचे। वहां तानसेन ने एक राग अलापा। इस बात का जिक्र कृष्णगढ़ के आठवें महाराज सामंत सिंह ने भी अपनी रचना में किया है। तानसेन ने जानबूझकर गलत सुर लगाए। हरिदास चुप रहे। तानसेन ने कहा, गुरु आप कुछ कहिए कैसा सुर है। तब हरिदास ने खुद मल्हार राग अलापा। उनका मधुर गायन सुनते ही आकाश के बादल बरस पड़े और सम्राट अकबर भी उनके मुरीद हो गए।

अब कृष्ण चंद्र सरकार से सवाल करते हैं, जब अकबर जैसा सम्राट खुद वृंदावन की इन कुंज गलियों से गुजरा, तो आज की सरकार जो लोकतंत्र की बात करती है, वो क्यों वीआईपी बनकर आना चाहती है? क्या कॉरिडोर सिर्फ इसलिए बनाना है कि गाड़ियां मंदिर के गेट तक पहुंच सकें? जिसमें श्रद्धा भाव होगा, उसे वीआईपी ट्रीटमेंट की जरूरत नहीं। भीड़ के बहाने अपने हित साधने की कोशिश की जा रही है। अगर भीड़ को मैनेज करना है तो कई बेहतर विकल्प हो सकते हैं। ट्रैफिक कंट्रोल किया जाए। गलियों को साफ रखा जाए। बिजली व्यवस्था सही की जाए। सुरक्षा के इंतजाम किए जाएं।

हरियाणा के एक जहां गांव में मौजूद है चमत्कारी तालाब

हमारे देश में कई चमत्कारी और रहस्यमयी स्थान हैं, जहां लोग पूरी श्रद्धा से जाते हैं। साथ ही, उन स्थानों के चमत्कार में भी विश्वास रखते हैं। भारत में कुछ मंदिर और स्थान ऐसे भी हैं, जहां के दर्शन मात्र से लोगों को जीवन के दुखों और रोगों से मुक्ति मिल जाती है। ऐसा ही एक गांव हरियाणा में मौजूद है। इस स्थान को लेकर लोगों की कई मान्यताएं हैं। कहा जाता है कि इस गांव में एक तालाब मौजूद है जहां स्नान करने मात्र से व्यक्ति को पीलिया जैसी गंभीर बीमारी से निजात मिल सकती है। आज हम आपको इसी चमत्कारी तालाब के बारे में बता रहे हैं।

हरियाणा के झज्जर जिले में छारा गांव स्थित है। यहां एक ऐसा तालाब मौजूद है जिसमें पीलिया ठीक करने के लिए लोग दूर-दूर से स्नान करने आते हैं। लोग पूरी श्रद्धा से इस स्थान पर जाते हैं। बता दें कि छारा गांव बहादुरगढ़ तहसील के अंतर्गत आता है। यहां मौजूद तालाब को लोग पीलिया जोहड़ भी कहते हैं। मान्यता है कि जिन लोगों को पीलिया की समस्या है अगर वे इस जोहड़ में आकर केवल एक बार स्नान कर लें तो उन्हें इस रोग से छुटकारा मिल सकता है।

तालाब से जुड़ी मान्यता

पीलिया जोहड़ के पास एक बोर्ड भी लगा हुआ है, जहां इस तालाब से जुड़ी मान्यता और चमत्कार का वर्णन मिलता है। यहां को लेकर लोगों का मानना है कि श्रवण कुमार एक बार अपने माता-पिता को लेकर इसी स्थान पर आए थे और वृक्ष की छाया में बैठकर विश्राम किया था। तभी से यहां वरदान है कि इस तालाब के पानी में स्नान करने से पीलिया रोग ठीक हो जाता है। यह चमत्कार लोगों ने अपनी आंखों से होते हुए देखा है। ऐसे में यहां पितृ भक्त श्रवण कुमार का मंदिर भी मौजूद है। उनका मानना है कि यहां आने से पीलिया एक बार में समाप्त हो जाता है। हालांकि, इसका असर काला पीलिया पर कितना होगा इसे लेकर कुछ कहा नहीं जा सकता है।

यहाँ दर्शन मात्र से लोगों को जीवन के दुखों और रोगों से मुक्ति मिल जाती है।

पीलिया जोहड़ में स्नान करने की विधि

इस तालाब में स्नान करने के बाद साफ वस्त्र धारण करने चाहिए और अपने साथ एक खाली बोतल, हल्दी की गांठ, कोयला, चने की दाल और बताशे या गुण लेकर जाना चाहिए। तालाब में स्नान से पहले एक घूंट पानी लेकर पिएं और फिर, स्नान करें। इसके बाद, हल्दी की गांठ, कोयला, चने की दाल और बताशे मंदिर के पास चढ़ाने चाहिए। साथ ही, बोतल में तालाब का पानी भरकर और वहां की मिट्टी घर लेकर आनी चाहिए। कुछ ही दिनों तक नहाने के पानी में तालाब का पानी थोड़ा-थोड़ा मिलाकर नहाना चाहिए। साथ ही, थोड़ी मिट्टी भी पानी में मिलाएं। मान्यता है कि इस प्रकार जोहड़ से स्नान करने से पीलिया रोग से मुक्ति प्राप्त हो सकती है।

◀ छपते छपते ▶

स्पष्टीकरण: यह छपते छपते हिन्दी दैनिक का ई–संस्करण है,
प्रकाशित अंक की प्रतिकृति (Replica) नहीं है।